





न्यूज गेलरी

राजौरी गार्डन उपचुनाव आज सभी तैयारी पूरी

**नई दिल्ली** : राजौरी गार्डन विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव को लेकर प्रशासन ने ईंटजाम कर लिये हैं। मतदान के लिए 166 बूथ बनाए गए हैं, जिसमें 72 बूथ अतिसेवेदनशील व 37 बूथ संवेदनशील घोषित किए गए हैं। प्रशासन की ओर से अतिसेवेदनशील व संवेदनशील बूथों पर निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए 24 माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। गौरतलब है कि पंजाब में चुनाव लड़ने के लिए यहां के विधायक जर्नेल सिंह के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। कुल छह उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस, आप व भाजपा के उम्मीदवारों के अलावा तीन अन्य उम्मीदवार मैदान में हैं। इस बार 1 लाख 67 हजार 985 मतदाता करेंगे। इनमें 88 हजार 232 पुरुष व 79 हजार 753 महिला मतदाता हैं।

आप ने भाजपा के खिलाफ छेड़ा पोस्टर अभियान

**नई दिल्ली** : दुश्मन को परस्त करना है तो हर तरफ से हमले करो... इस रणनीति पर अमल करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के खिलाफ उग्र रवैया अख्तियार कर लिया है। आप का मानना है कि उसकी सीधी लड़ाई भाजपा से ही है। लड़ाई के इस क्रम में आप की ओर से दिल्ली भर में एक पोस्टर लगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो वाले इस पोस्टर में आपा की ओर से लोगों को आगाह करते हुए कहा गया है कि निगम में भाजपा यदि फिर से सत्ता में आती है तो ‘बिजली हाफ और पानी माफ’ की सुविधा मिलनी बंद हो जाएगी। बिजली और पानी महंगा हो जाएगा। पोस्टर में लिखा है कि केंद्र सरकार बिजली और पानी दिल्ली सरकार से छीन कर फिर से निगमों को सौंप देगी।

जीवी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचे प्रो. आनंद कुमार

**नई दिल्ली** : ओखला एस्टेट स्थित गाँवद बल्लभ पंत ( जीवी पंत ) राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में सुविधाजनक कैंपस की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों व अध्यापक से मिलने के लिए शनिवार को प्रो. आनंद कुमार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भूख हड़ताल पर होते शिक्षक जोशिल के अग्रहम से भी मुलाकात की और छात्रों को भर्सा दिया कि वह अपने स्तर पर मदद करेंगे और स्वराज इंडिया का इस आंदोलन में पूरा सहयोग करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रशांत भूषण मुप्त में छात्रों की कानूनी मदद करेंगे। प्रो. कुमार ने आगे कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर स्थानीय निगम पार्षद, विधायक से लेकर क्षेत्रीय सांसद व शिक्षा मंत्री से मिलकर कैंपस बनाने की मांग करें। कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए था। छात्रों को सलाह दी कि वह उपगज्पाल अनिल बैजल से मिलकर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराएं।

एयरपोर्ट पर दो यात्रियों से 12 कारतूस बरामद

**नई दिल्ली** : इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट ( आइजीआर ) पर दो यात्रियों के सामान से 12 कारतूस मिले हैं। दिल्ली से जबलपुर जाने वाली फ्लाइट पकड़ने पहुंचे यात्री अनिरुद्ध सिंह के पास से 11 जबकि एक महिला स्नेहा सिंह के से एक कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक पहली घटना 5 अप्रैल की है। अनिरुद्ध सिंह अपने परिवार के साथ आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंचे थे। सभी का दिल्ली से जबलपुर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट था। चेकइन के बाद टर्मिनल-थ्री के चौथे लेवल पर जब उनके सामान की जांच की तो सुरक्षाकर्मियों को बैग की तलाशी लेने पर 11 कारतूस मिले। दूसरी घटना में 6 अप्रैल को स्नेहा सिंह अपने पति के साथ फ्लाइट पकड़ने टर्मिनल थ्री पहुंची थी। जांच के दौरान उनके सामान से एक कारतूस बरामद किया गया।

खाते की जानकारी जुटा एक लाख से अधिक उड़ाए

**नई दिल्ली** : हरिदास नगर इलाके में बदमाशी ने खाते से जुड़ी जानकारी जुटाकर पीड़ित के खाते से एक लाख 45 हजार रुपये उड़ा लिए हैं। पुलिस से की गई शिकायत में महिपाल सिंह ने बताया कि वे सीआरपीएफ कैप आइना कला में रहते हैं व कैै डिपो में काम करते हैं। मंगलवार को उनके मोबाइल पर एक नंबर से फोन आया। उसने खुद को बैंक का कर्मी बताया और कहा कि उनका खाता बंद होने वाला है। खाते को दोबारा शुरू करवाने के बहाने उसने महिपाल से खाते से जुड़ी तमाम जानकारी ली।

भूमिगत कॉरिडोर के निर्माण से भूजल पर होगा अध्ययन

**नई दिल्ली** : मेट्रो लाइनों के निर्माण के चलते अक्सर भूजल स्तर गिरने की बात कही जाती है। इसके मद्देनजर डीएमआरसी फेज चार में प्रस्तावित दिल्ली मेट्रो की परियोजनाओं में भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण के चलते भूजल पर परीक्षण से गुजरने का अध्ययन करणगा। इसके लिए डीएमआरसी ने प्रक्रिया शुरू की है। फेज चार की परियोजनाओं के अंतर्गत दिल्ली में करीब 104 किलोमीटर लंबी छह मेट्रो लाइनों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 37.01 किलोमीटर कॉरिडोर भूमिगत होगा। इन परियोजनाओं को दिल्ली सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है। अब केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से स्वीकृति मिलने का इंतजार है।

# मुख्यालय पर टकराव के मूड में नहीं आप सरकार

बीके शुक्ला, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के मुख्यालय छिन जाने के मामले में न ही दिल्ली सरकार और न ही पार्टी टकराव के मूड में हैं। सूत्रों की माने तो पार्टी दफ्तर की मांग कर रही है और करती रहेगी। मुख्यालय का आवंटन रद किए जाने का विरोध भी करती रहेगी। मगर यदि दफ्तर खाली कराया जाता है तो इसे मुद्दा तो बनाएगी मगर कार्रवाई में रुकावट नही बनेगी। सूत्रों के अनुसार इसके पीछे की रणनीति जनता की सहानुभूति बटोरना भी हो सकती है। हालांकि मुख्यालय का आवंटन रद किए जाने से केजरीवाल आहत हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि मुख्यालय खाली कराने के लिए संबंधित विभाग कार्रवाई शुरू करता है तो मुख्यालय का सामान उठाने वालों में



केजरीवाल भी शामिल हो सकते हैं। वैसे यह किसी रणनीति का हिस्सा नहीं है। मगर किसीरीवाल इस कार्रवाई को बहुत ज्यादाती मानते हैं। इस सब के बीच जानकारी मिली जा रहे हैं कि आप को एक दर्जन के करीब लोगों ने अपने यहां पार्टी मुख्यालय खोलने के लिए आमंत्रित किया है। दक्षिणी दिल्ली की पांश

आम आदमी पार्टी मान्यता प्राप्त पार्टी है। उसे कार्यालय रखने का पूरा हक है। वह किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। कार्यालय के आवंटन में नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है। अभी तक इस कार्यालय के बदले अन्य किसी स्थान पर कार्यालय दिए जाने के लिए कोई ऑफर नहीं दिया गया है। कार्यालय छीन लिया गया है तो सड़क से भी लड़ाई जारी रखेंगे।

–अरविंद केजरीवाल, आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री

कॉलोनी की निवासी महिला ने आप के दफ्तर के लिए अपना घर देने का ऑफर दिया है। वहीं पुरानी दिल्ली के एक कारोबारी ने कार्यालय के लिए जगह देने की इच्छा जाहिर की है। पार्टी है कि आप को एक दर्जन के करीब लोगों ने अपने यहां पार्टी मुख्यालय खोलने के लिए आमंत्रित किया है। दक्षिणी दिल्ली की पांश

निगम का रण ▶ महिला होने का घोषणापत्र नहीं देने पर हो गया था रद

# हाई कोर्ट ने भाजपा प्रत्याशी का नामांकन सही ठहराया

महिला के लिए रिजर्व वार्ड में भी महिला उम्मीदवार घोषणापत्र क्यों दे : अदालत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली स्थित नगर निगम वार्ड संख्या 3 ई, त्रिलोकपुरी वेस्ट से भाजपा प्रत्याशी सरोज सिंह को हाई कोर्ट ने बड़ी राहत प्रदान की है। न्यायमूर्ति विपिन सांधी की पीठ ने रिटर्निंग ऑफिसर को उनका नामांकन मान्य करार देने का आदेश दिया है। दिल्ली नगर निगम चुनाव में नामांकन रद होने के बाद अदालत के हस्तक्षेप से नामांकन मान्य करने का यह पहला मामला है।

त्रिलोकपुरी वेस्ट महिला आरक्षित वार्ड है। सरोज ने नामांकन फार्म भरते हुए उसमें खुद के महिला होने का घोषणापत्र नहीं दिया था। दिल्ली चुनाव आयोग ने उनका नामांकन रद कर दिया था। अदालत ने नागजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब सीट महिला के लिए आरक्षित है और उन्होंने कहा कि प्रशांत भूषण मुप्त में छात्रों की कानूनी मदद करेंगे। प्रो. कुमार ने आगे कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर स्थानीय निगम पार्षद, विधायक से लेकर क्षेत्रीय सांसद व शिक्षा मंत्री से मिलकर कैंपस बनाने की मांग करें। कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए था। छात्रों को सलाह दी कि वह उपगज्पाल अनिल बैजल से मिलकर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराएं।

**नई दिल्ली** : इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट ( आइजीआर ) पर दो यात्रियों के सामान से 12 कारतूस मिले हैं। दिल्ली से जबलपुर जाने वाली फ्लाइट पकड़ने पहुंचे यात्री अनिरुद्ध सिंह के पास से 11 जबकि एक महिला स्नेहा सिंह के से एक कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक पहली घटना 5 अप्रैल की है। अनिरुद्ध सिंह अपने परिवार के साथ आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंचे थे। सभी का दिल्ली से जबलपुर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट था। चेकइन के बाद टर्मिनल-थ्री के चौथे लेवल पर जब उनके सामान की जांच की तो सुरक्षाकर्मियों को बैग की तलाशी लेने पर 11 कारतूस मिले। दूसरी घटना में 6 अप्रैल को स्नेहा सिंह अपने पति के साथ फ्लाइट पकड़ने टर्मिनल थ्री पहुंची थी। जांच के दौरान उनके सामान से एक कारतूस बरामद किया गया।



## बदला रोड का नाम

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के नजदीक पार्क स्ट्रीट रोड का नाम बदलकर बंगबंधु शेख मुजीब रोड हो गया है।

निगम चुनाव पर है। पार्टी मान रही है कि यह समस्या चुनाव से ध्यान भटकाने के लिए खड़ी की गई है। इसलिए इस पर पार्टी अधिक ध्यान नहीं लगाएगी। इस बारे में पूछने पर पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पार्टी का दफ्तर खाली कराने के लिए कोई पत्र आदि आता है तो इस बारे में आगे की कार्रवाई होगी। **अवैध रूप से चल रहा है आप मुख्यालय** : उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा पार्टी मुख्यालय के निर्धारित बंगले का आवंटन निस्त कर दिए जाने के बाद इस प्ते पर कोई भी गतिविधि जारी रखना अवैध है। उपराज्यपाल निवास से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि अब और पत्र जारी किए जाने का सवाल नहीं बनता है। आवंटन निस्त होने के बाद आप को स्वयं उस बंगले को खाली कर देना चाहिए।

## सीटी के निशान पर चुनाव लड़ेंगे स्वराज इंडिया के प्रत्याशी

**नई दिल्ली** : स्वराज इंडिया पार्टी को शनिवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। पार्टी के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरते समय चुनाव चिह्न के तौर पर ‘सीटी’ की मांग की थी। जिसे हासिल करने में वे सफल रहे। स्वराज इंडिया को समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया है। जिससे नामांकन के दौरान प्रत्याशियों के सामने अलग-अलग चिह्न से चुनाव लड़ना ही विकल्प बचा था। शनिवार को रज्य चुनाव आयोग द्वारा सभी प्रत्याशियों को निगम चुनाव के लिए चुनाव चिह्न सीटी आवंटित किया है।

जात हो कि स्वराज इंडिया को एक समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया था, जिसके बाद पार्टी ने रणनीति के तहत अपने सभी प्रत्याशियों को अपने-अपने तरफ से ही एक समान चुनाव चिह्न की मांग करने को कहा था। पार्टी के हर प्रत्याशी ने अपने स्तर पर चुनाव चिह्न के लिए सीटी, खिड़की और ट्रैक्टर चलाता किसान को इसी वरीयता क्रम में मांग की थी। स्वराज इंडिया के प्रत्याशी इसे जीत की तरह देख रहे हैं।

पार्टी के प्रवक्ता अनुपम ने कहा, पंजीकृत राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद स्वराज इंडिया को समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया था। हम सब ने देखा कि किस तरह दिल्ली सरकार ने राज्य चुनाव आयोग के नियमों में प्रस्तावित संशोधनों पर रोक लगाकर स्वराज इंडिया के दस्तावेज नोटरी से सत्यापित नहीं थे और रिवैंद्र व अन्य के भी दस्तावेजों में भी कुछ कमी पाई गई थी। अदालत ने इन पांचों की पुनर्विचार याचिका रद कर दी।

सरोज सिंह के अलावा नगर निगम वार्ड संख्या 10 ई, विनोद नगर से भाजपा प्रत्याशी रविंद्र नेगी, उनकी पत्नी व डमी उम्मीदवार रेणु नेगी, उत्तरी दिल्ली नगर निगम वार्ड संख्या 81 एन, मोनिका छाबड़ा व बापरैला से भाजपा प्रत्याशी संजू काला व एक अन्य ने अपने-अपने नामांकन रद करने के फैसले को चुनौती दी थी। मधु के दस्तावेज नोटरी से सत्यापित नहीं थे और रिवैंद्र व अन्य के भी दस्तावेजों में भी कुछ कमी पाई गई थी। अदालत ने इन पांचों की पुनर्विचार याचिका रद कर दी।

# 37 अरब के फर्जीवाड़े में सुनील मित्तल गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, नोएडा** : सोशल ट्रेडिंग के नाम पर 3700 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े में फरार कंपनी के पूर्व निदेशक सुनील मित्तल को एसटीएफ व एसआइटी के संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी शुक्रवार शाम सिहानी गेट गाजियाबाद के नवगुप्त मार्केट के पास से हुई। सुनील मित्तल एक्लेज कंपनी के संचालक व फर्जीवाड़े का मास्टरप्लाइंड अनुभव मित्तल का पिता हैं। एक्लेज इफो सॉल्यूशन का सितंबर 2010 में रजिस्ट्रेशन हुआ था और उस समय अनुभव के साथ सुनील भी कंपनी में निदेशक था।

सीओ एसटीएफ राजकुमार मिश्र ने बताया कि पत्नी आशुपी मित्तल को 2015 में अनुभव ने निदेशक बनाया था। इससे पहले उसने पिता सुनील को निदेशक पद से हटा दिया था। सुनील के निदेशक रहते हुए ही फर्जीवाड़े का खेल शुरू हो चुका था। दो फरवरी को फर्जीवाड़े के पर्दाफाश के बाद से ही सुनील फरार चल रहा था। इस मामले में कोतवाली फेज तीन में केस दर्ज है और एसआइटी जांच कर रही है।

सीओ एसटीएफ ने बताया कि आरोपी के पास से एक एंडेवर गाड़ी बरामद हुई है। गाड़ी किसी संतोप के नाम से रजिस्टर्ड है। सुनील ने पृष्ठताछ में एसटीएफ को बताया है कि इस गाड़ी में भी अनुभव का पैसा लगा है। अबतक इस केस में कंपनी संचालक अनुभव मित्तल सहित कुल पांच लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट को जारी ई-मेल पर 100 फीसद प्रमोशन किया जाए, जैसा कि 2012 तक किया जाता था।

समिति में कर्मचारियों का भी प्रतिनिधित्व हो।

इस समिति में मंडिकल साइंस और कंप्यूटर साइंस विभाग के लोगों को भी रखा जाए।

लैब अटेंडेंट के नाम से मल्टी टास्किंग स्टाफ शब्द हटाया जाए।

मेंडिकल लैब के भर्ती के नियम एम्स के तर्ज पर होने चाहिए।

का रवैया सकारात्मक नहीं है। शुक्रवार को प्रशासन की तरफ से एक पत्र आया, जिसमें भर्ती नियमों के लिए एक समूहिक समिति बनाने की घोषणा की गई।

# 'तीन सीटें जीतने वाली पार्टी ने बंद कराया हमारा दफ्तर'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

डीडीयू मार्ग स्थित 206 राउज एवेन्यू के बंगले में चल रहे आप के मुख्यालय के रद किए गए आवंटन को लेकर शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तीन सीटें जीतने वाली भाजपा ने हमारा दफ्तर बंद कराया है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि क्या 70 में से 67 सीटें जीतने वाली पार्टी को दिल्ली में दफ्तर का अधिकार नहीं है। जबकि दिल्ली में भाजपा के पांच दफ्तर हैं, लेकिन जिस पार्टी की 67 सीटें आई उसका दफ्तर बंद करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एबीवीपी का दफ्तर है, आएसएस का

दफ्तर है, विश्व हिन्दू परिषद का दफ्तर है, भारतीय मजदूर संघ का दफ्तर है। इतना ही नहीं संस्कृत भारती का दफ्तर है। वहीं अभी हाल में ही भाजपा ने दफ्तर के लिए एक प्लॉट लिया था जिसका भूमि पूजन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिस कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है उसका दफ्तर है। आरजेडी, बीएसपी का दफ्तर है। इससे एक सवाल उठता है कि आखिर हमारे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। हमारा कसूर क्या है? हमारा सिर्फ एक कसूर है कि हमारी पार्टी आम जनता में भाजपा के पांच दफ्तर हैं, लेकिन जिस पार्टी की 67 सीटें आई उसका दफ्तर बंद देश के सबसे बड़े शक्तिशाली माफियाओं के खिलाफ हमने लड़ाई छेड़ी है।

# नीतीश कुमार बोले, दिल्ली को मिले पूर्ण राज्य का दर्जा



बुराड़ी में मंच पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत करते कार्यकर्ता।

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली को पूर्ण राज्य एवं बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। साथ ही दिल्ली सहित देश के सभी राज्यों में शराब बंदी की वकालत करते हुए कहा कि सरकार के लिए लोगों का स्वास्थ्य पहले है, राजस्व नहीं। वह शनिवार देर शाम बुराड़ी में जदयू की ओर से आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने वजीराबाद से बुराड़ी तक रोड शो किया।

बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था केंद्र के जिम्मे हैं। यहां के विकास में कई अड़चनें आते रहती हैं। इससे यहां का विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे में इसे

पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने बिहार में शराब बंदी की सफलताओं को गिनाते हुए दिल्ली में भी इसे लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा दिल्ली का काम बिहारी के बिना नहीं चल सकता और गजधानी के विकास में बिहार के लोगों का अहम योगदान है। इसलिए जदयू ने निगम चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने लोगों से पार्टी के सभी उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। साथ ही केंद्र की स्मार्ट सिटी योजना पर भी तंज कसा और कहा कि पहले दिल्ली को तो स्मार्ट बनाएं, जहां 10 साल से निगम में भाजपा काबिज है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदरूनी हिस्सों की हालत देखकर लगता है कि बिहार के गांव इनसे कई गुना अच्छे हैं।

## जेपी ग्रुप के निदेशक समेत चार पर केस

**दनकौर (ग्रेटर नोएडा)** : दनकौर कोतवाली में जेपी समूह के निदेशक समीर गौड़, मनोज गौड़ समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। बुकिंग राशि लेकर समय पर कब्जा नहीं देने व निवेशक से धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित ने ट्वीटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत की थी। चार अप्रैल सुबह सवा ग्यारह बजे ट्वीटर पर शिकायत की और सवा एक बजे रिपोर्ट दर्ज हो गई। हालांकि पीड़ित को रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी शनिवार को हुई।

गाजियाबाद के वैभवखंड निवासी निखिल चंदेल निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक उन्होंने अगस्त 2013 में दनकौर क्षेत्र स्थित स्पोर्ट्स सिटी में जेपी कंपनी के नेचर व्यू प्रोजेक्ट में 750 वर्ग फीट का प्लॉट बुक किया था। बिल्डर ने उस वकत 12 लाख 15 हजार 124 रुपये बुकिंग के लिए जमा कराए थे और 36 महीने में प्लॉट पर कब्जा देने का आश्वासन दिया था। बिल्डर द्वारा दी गई अवधि पूरी होने के बाद 2016 में उन्होंने नोएडा के सेक्टर 128 स्थित जेपी के ऑफिस में प्लॉट पर कब्जा देने के बारे में पूछा तो बिल्डर के निदेशक ने छह महीने का और समय मांगा। इसके बावजूद कब्जा देने में देरी हुई तो निखिल चंदेल ने समुदा प्राधिकरण से संपर्क किया। तब उन्हें पता चला कि इस प्रोजेक्ट का तो प्राधिकरण से नक्शा ही पास नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस से उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

हारकर उन्होंने मुख्यमंत्री को ट्वीट किया तो पुलिस तुरंत एक्शन में आ गई। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में जेपी समूह के निदेशक समीर गौड़, मालिक मनोज गौड़, प्रधान प्रबंधक मनोज डंडेला व वरिष्ठ प्रबंधन प्रबंधक राजीव तलवार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# छात्रवृत्ति नहीं मिली, छात्र नहीं चुका पा रहे खाने का बिल

जागरण संवाददाता,नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति नहीं मिलने से छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को सतलज हॉस्टल में लगभग 200 छात्र अपने बिल का भुगतान नहीं कर पाने के कारण जेएनयू प्रशासन के समक्ष अपना विरोध जताया। उच्च छात्र थाली पीटते हुए जेएनयू डीन स्टूडेंट वेलफेयर से मिलने गए। हालांकि इनकी समस्या का अभी समाधान नहीं हो पाया है। छात्रों की यह भी मांग थी कि खाने का बिल अधिक आ रहा है इसलिए खाना बनाने वाले ठेकेदार को बदला जाए।

इस बावत जब डीन स्टूडेंट वेलफेयर से बातचीत की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। जेएनयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया

कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जेएनयू को विचारित बजट से अधिक पैसा भेज चुका है। यह बाजट नॉन नेट फेलोशिप के लिए दी जाती थी लेकिन अब यह नहीं दी जा रही है। प्रशासन छात्रों की समस्या के समाधान की कोशिश कर रहा है। जेएनयू में एनएसयूआइ के नेता मृत्युंजय का कहना है कि आमतौर पर छात्र छह महीने पर अपना बिल जमा करते हैं क्योंकि उनको जब नए सेमेस्टर में रजिस्ट्रेशन करना होता है तो उन्हें उसकी रसीद जमा करनी होती है। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति है कि वह बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि छात्रवृत्ति नहीं मिली है। छात्र वार्डन से भी इस बाबत मुलाकात कर रहे हैं और अपनी समस्या से संबंधित पत्र लिखा है। जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष मोहित पांडेय का कहना है कि जेएनयू में अरसी फीसद छात्र यहां की फेलोशिप पर पढ़ाई करते हैं। प्रशासन और यूजीसी इस गंभीरता को नहीं समझ रहा है।



## न्यूज गेलरी

### मिड-डे मील में आलू को शामिल करने की मांग

नई दिल्ली : आलू किसानों की बदहाली को देखते हुए अब मिड-डे मील में आलू को शामिल करने की मांग उठी है। भदोही से भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने मानव संसाधन विकास ( एचआरडी ) मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को पत्र लिखकर इसे किसान और छात्र दोनों के लिए लाभकारी बताया है। वीरेंद्र सिंह ने कहा है, ‘ आपको इस पत्र के माध्यम से अवगत करवाना चाहता हूँकि उत्तर प्रदेश में किसान निरंतर बचते हुए आलू को बड़ी मात्रा में नष्ट करते आ रहे हैं। यदि आलू को विद्यालयों में दिए जाने वाले मिड-डे मील के मेनू में शामिल किया जाए तो आलू की बर्बादी रोक की जा सकेगी और आलू के उत्पादन का पूर्ण उपयोग हो सकेगा। आपसे अनुरोध है कि आलू को मिड-डे मील में शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर संबंधित विभाग को इसे लागू करने के लिए अपनी संस्रुति प्रदान करने का कट करे।’ उन्होंने यह भी कहा कि देशभर के किसान भारी मात्रा में आलू का उत्पादन करते हैं। साथ ही यह छात्रों के लिए भी लाभकारी साबित होगा, क्योंकि यह एक संपूर्ण पोष्टिक सब्जी है और सहजता से पाई व पकाई जा सकती है।

### ‘सभी को आवास योजना’ में निजी कंपनियों पर विचार

नई दिल्ली : सरकार के महत्वाकांक्षी ‘2022 तक सभी को आवास’ कार्यक्रम में निजी रियल इस्टेट डेवलपर्स को शामिल करने के रउते तलाशने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में शनिवार को एक बैठक हुई। बैठक का फोकस इस कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करना था। यह बैठक प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा ने बुलाई थी। सूर्यों के मुताबिक, दो घंटे चली बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि सस्ते आवासों पर ब्याज सब्सिडी के लाभ संभावित गृह खरीददारों तक जल्द से जल्द कैसे पहुंचें। सभी के सुझाव इस बात पर केंद्रित रहे कि सस्ते आवासों की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए परियोजनाओं को पीपीपी ( पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप ) आधार पर पूरा किया जाए।

### घूसखोरी में ईपीआइएल मैनेजर पर एफआइआर दर्ज

नई दिल्ली : सीबीआइ ने घूसखोरी के आरोप में ईजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड ( ईपीआइएल ) के मैनेजर के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। आरोप हैं कि मैनेजर पातितोप कुमार प्रवीण ने ठेके देने के एवज में दो कंपनियों से 1.5 करोड़ रुपये की घूस मांगी थी। इसमें से 50 लाख रुपये उसे दिए गए। सीबीआइ प्रवक्ता आरके प्रभु ने बताया कि प्रवीण ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर स्थित पटेल कंस्ट्रक्शंस के पीयूष पटेल से घूस में मांगी गई रकम का हिस्सा प्राप्त किया। इसी तरह गुवाहाटी स्थित प्रभु अग्रवाल कंस्ट्रक्शंस के महेश अग्रवाल से भी रकम का हिस्सा प्राप्त किया। करीब 50 लाख रुपये आरोपी से जुड़ी कंपनियों और व्यक्तियों के जरिये पहुंचाए गए। पहला मामला कोलकाता विकास प्राधिकरण के न्यू टाउन परियोजना निर्माण के लिए पटेल से घूस लेने का है। जबकि दूसरा मामला एक अन्य आरोपी अग्रवाल से त्रिपुर के उदयपुर स्थित ओएनजीसी त्रिपुर पावर कंपनी में निर्माण कार्य के लिए घूस लेने का है।

### निर्मल गंगा के लिए दो हजार करोड़ से ज्यादा की मंजूरी

नई दिल्ली : गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन ( एनएमसीजी ) ने 2,154.28 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के ‘ नमामि गंगे’ कार्यक्रम के तहत नदी पर प्रदूषण का बोझ कम करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। परियोजना के अंतर्गत एनएमसीजी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ( एसटीपी ) स्थापित करेगा। इसके साथ ही चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तरखंड, झारखंड और दिल्ली में सीवेज नेटवर्क विकसित करेगा। राज्यों में 13 नए एएसटीपी स्थापित कर योजना 18.8 करोड़ लीटर ( एमएलडी ) सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता विकसित की जाएगी। एनएमसीजी दिल्ली, हरिद्वार और वृंदावन में 596 एमएलडी क्षमता के तीन एएसटीपी की क्षमता बहाल करेगा। उत्तरखंड में 30 एमएलडी क्षमता के पांच एसटीपी को उन्नत किया जाएगा। इसके अलावा प्राधिकार ने दिल्ली, हरिद्वार और बिहार राज्य के पटना में पांच परियोजना के जरिये 145.05 किलोमीटर का सीवेज नेटवर्क तैयार करने का फैसला लिया है।

## निंदा

दलाई लामा ने कहा, चीन द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा का प्रयास बेतुका दलाई लामा की परंपरा जारी रहेगी या नहीं इसका फैसला तिब्बत के लोग करेंगे



## सफलता ► संसद में जीएसटी, शत्रु संपत्ति समेत छह से अधिक बिलों पर मुहर

# बजट सत्र के दूसरे हिस्से में सरकार की बहार

## राज्यसभा में जीएसटी विधेयक पर संशोधन नहीं आना रही बड़ी कामयाबी

संजय मिश्र, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजों की छाया में जारी संसद के बजट सत्र एनडीए सरकार के लिए सियासी बहार साबित हुआ है। देश में कर ढांचे के नये युग की शुरुआत के लिए ऐतिहासिक जीएसटी विधेयकों के अलावा लंबे अरसे से लटके आधा दर्जन से अधिक अहम बिलों पर सरकार संसद की मुहर लगवाने में कामयाब रही है। इसमें शत्रु संपत्ति कानून में बदलाव से लेकर निजी क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को 26 हफ्ते का मातुत्व अवकाश

और अंतर्राज्यीय नदी विवाद निपटारे से संबंधित बिल खास मायने रखते हैं।

अब इसे विपक्ष के झुके सियासी कंधे का नतीजा माना जाए या फिर चुनावी सफलता के रथ पर सवार सरकार का आत्मविश्वास राज्यसभा में जीएसटी से जुड़े चारों विधेयकों में किसी तरह का संशोधन पारित नहीं होना एनडीए की बड़ी राजनीतिक कामयाबी रही। इन जीएसटी बिलों को सरकार भले मनी बिल के रूप में लेकर आयी थी ताकि राज्यसभा में संशोधन पारित भी हो जाए तो दोबारा लोकसभा में लाकर उसे खारिज किया जा सके। विपक्ष ने पहले संशोधन पारित करने की योजना भी बनाई लेकिन चुनावी नतीजों के बाद सियासी बेहाली का सामना कर रहे विपक्षी नेताओं ने अपने कदम पीछे खींच लिए। जीएसटी पर राज्यसभा की मुहर इस लिहाज से भी मायने रखती है कि इससे पहले



वित्त विधेयक पर विपक्ष ने पांच संशोधन सदन में पारित कर सरकार को असहज करने की कोशिश की तो सरकार ने लोकसभा में मनी बिल में इन संशोधनों को ले जाकर खारिज कर दिया।

राज्यसभा में बहुमत न होने के बावजूद सरकार ने सालों से विवाद में रहे शत्रु संपत्ति कानून में संशोधन का विधेयक दोनों सदनो से पारित करवा। जबकि यह विधेयक यूपीए शासन के समय से ही लंबित था और सरकार को बार-बार अध्यादेश लाने का सहारा लेना पड़ता था।

‘बजट सत्र के दूसरे हिस्से में जीएसटी समेत कई अहम बिल पारित हुए हैं और यह बेहद संतोषजनक है। निसंदेह संसद में विधायी कार्यों को रफ्तार देने में सरकार सफल रही है।’ –मुख्यार अब्बास नकवी, संसदीय कार्य राज्यमंत्री

संसदीय कार्य राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी भी जीएसटी के बाद शत्रु संपत्ति को इस सत्र की सरकार की अहम कामयाबी मानते हैं।

बजट सत्र खत्म होने में अब केवल तीन दिन रह गए हैं और बीते एक महीने के दौरान इन विधेयकों के अलावा मानसिक अवसाद के शिकार लोगों की देखभाल से संबंधित बिल, आइआइएम को स्वायत्तता देने संबंधी बिल, समुद्री सीमा विवाद निपटार सरीखे बिल सरकार ने बिना किसी दिक्कत के पारित कर लिए।

चुनाव नतीजों से विपक्षी खेमे में छापी मायूसी का ही असर रहा कि बीते महीने भर में ईवीएम में कथित गड़बड़ी के मामले के अलावा विपक्ष ने अपने उन राजनीतिक मुद्दों को भी उठाने से परहेज किया है जिसे सत्र के शुरुआत में उठाने की तैयारी थी। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय में अभिव्यक्ति की आजादी का विवाद, जम्मू-कश्मीर में जारी हिंसा का दौर, लोकपाल की नियुक्ति में देरी, किसानों की बदहाली, महंगाई सरीखे मुद्दे विपक्ष के सियासी एजेंडे में था मगर इनमें किसी पर भी चर्चा के लिए अब तक जोर नहीं दिया गया।

सत्र के बाकी बचे तीन दिन में भी सरकार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने संबंधी बिल पारित कराने की कोशिश करगी। लोकसभा में सरकार यह बिल पेश कर चुकी है।

# अमेरिका में विक्रम की हत्या पर सुषमा को अफसोस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अमेरिका में भारतीय नागरिक की हत्या पर गहरा अफसोस जाहिर करते हुए भारतीय दूतावास को पीड़ित के परिवार को हसंसभव मदद देने का निर्देश दिया है। सुपमा ने दूतावास के अधिकारियों को भारतीय युवक विक्रम जसयाल का पार्थिव शरीर स्वदेश वापस लाने के लिए भी सभी सहायता करने को कहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वारदात स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की रीपोर्ट मिल गई है। वहीं

विदेश मंत्री ने दिल्ली में जर्मन नागरिक पर हमले और लूट की घटना पर भी रीपोर्ट मांगी है। साथ ही दिल्ली सरकार से चावल जर्मन नागरिक की बेहतर से बेहतर इलाज का प्रबंधन करने को कहा है।

विदेश मंत्री स्वराज ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में 26 वर्षीय विक्रम जसयाल की दो नकाबपोश लोगों के हत्या करने पर अपनी संवेदना जतायी। साथ ही सुपमा ने टवीट कर यह बताया कि हत्या को लेकर अमेरिकी जांच एजेंसियों से शुरुआती रीपोर्ट सरकार को मिली है जिसके अनुसार विक्रम की 6 अप्रैल की रात 1.50 बजे गैस स्टेशन पर गोली मार कर हत्या कर दी गई जिस पर काम कर रहे थे। विक्रम 25 दिन पहले ही अमेरिका गए थे और अपने परिचित के गैस स्टेशन एएम-पीएम पर नौकरी शुरू की थी। पंजाब के हेशियारपुर के रहने वाले

## तरुण विजय पर बरसे पी चिंदंबरम

नई दिल्ली, प्रे़ट : वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विजय व गृह मंत्री पी. चिंदंबरम ने शनिवार को भारत नेता तरुण विजय पर दक्षिण भारतीयों के लिए की गई उनकी टिप्पणी को लेकर प्रहार किया। तरुण विजय ने कहा था, ‘अगर हम नरसलवादी होते, तो पूरा दक्षिण हमारा क्यों होता।’ चिंदंबरम ने पूछा, क्या भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ( आरएसएस ) के सदस्य ही देश में रहने वाले अकेले भारतीय हैं। पी. चिंदंबरम ने ट्विटर पर लिखा, ‘जब तरुण विजय कहते हैं कि हम काले लोगों के साथ रहते हैं तो ‘हम’ कौन है? क्या वह भाजपा या आरएसएस सदस्यों को ही भारतीय कह रहे हैं।’ चिंदंबरम मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले हैं। दूसरी तरफ, तमिलनाडु के ही राजनीतिक दल द्रमुक ने तरुण विजय के बयान को हास्यास्पद करार दिया है। द्रमुक सांसद टीकेएस इलेनगोवन ने कहा कि दक्षिण भारत के सभी लोग काले नहीं होते। इस संदर्भ में उन्होंने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे. जयललिता का उदाहरण भी दिया।

**क्या कहा था तरुण विजय ने :** अलगजमीन चैनल पर एक कार्यक्रम में अफ्रीकी छात्रों पर हमलों के बाद भारत पर नरसलवादी होने के आरोपों का बचाव करते हुए तरुण विजय ने कहा था, ‘हमारे यहां काले हैं, सभी तरफ काले लोग हैं। अगर हम नरसलवादी होते, तो पूरा दक्षिण हमारा क्यों होता।’ ‘पाञ्चजन्य’ के पूर्व संपादक तरुण विजय का दावा था कि अफ्रीकी पूर्वजों वाले लोग महारष्ट्र और गुजरात में मिल-जुलकर रहते हैं। उन्होंने भगवान कृष्ण का जिक्र करते हुए कहा था कि भारतीय काले भगवान की आराधना भी करते हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर अलोचना के बाद उन्होंने तुरंत ट्विटर के जरिये लोगों से माफी भी मांग ली थी।

## कह के रहेंगे

## यत एक बजे तक योगी ले रहे हैं अफसरों की वलास



## अंतरराज्यीय परिषद की बैठक आज, राज्यपालों की भूमिका पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, आइएनएस : केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को होने वाली अंतरराज्यीय परिषद की बैठक में राज्यपालों की भूमिका, केंद्र प्रायोजित योजनाओं और केंद्र से राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद आदि मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। परिषद की स्थायी समिति की 11वीं बैठक में केंद्र-राज्य संबंधों पर पंछी आयोग की सिफारिशों पेश की जाएंगी और उन पर चर्चा होगी। इस बैठक का महत्व इसलिए भी है क्योंकि स्थायी समिति की बैठक 12 साल के बाद हो रही है। बैठक में एकीकृत कृषि बाजार, सेवाओं की योजना बनाने और उनके कार्यान्वयन में राज्यों की भूमिका बढ़ाने, अंतरराज्यीय परिषद को और जीवंत बनाने और केंद्र व राज्यों की और से राजकीपीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।



दूतावास को दिया भारतीय नागरिक विक्रम जसयाल के शव को स्वदेश भेजने में मदद का निर्देश

विक्रम की हत्या के बारे में विदेश मंत्री ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दो नकाबपोश लोगों ने गैस स्टेशन पर विक्रम से नगदी लूटी और इसी क्रम में उन पर गोली चला दी। अमेरिकी जांच एजेंसियां हत्या के दूसरे पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं।

विक्रम के परिजनों ने शुक्रवार को विदेश मंत्री से संपर्क कर उसके शव को भारत लाने में मदद करने की अपील की थी। इसके बाद सुपमा ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों को तत्काल पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता करने को कहा। दिल्ली में जर्मन नागरिक के साथ लूटपाट और उस पर हमले की घटना पर भी सुपमा ने कड़ी प्रतिक्रिया दिखाई। दिल्ली सरकार को जर्मन नागरिक के इलाज का जिम्मा उठाने के साथ उन्होंने दिल्ली पुलिस से इस घटना की पूरी रीपोर्ट मांगी है।

## निजी कंपनियों ने भी सांसद गायकवाड़ से प्रतिबंध हटाया

मुंबई, प्रे़ट : देश में विमान सेवा देने वाली निजी क्षेत्र की चार बड़ी कंपनियों के संगठन द फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ( एफआइए ) ने भी शनिवार को शिवसेना सांसद रवींद्र गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटा लिया। जेट एयरवेज, स्पाइसजेट, गोएयर और इंडिगो की तरफ से यह फैसला एयर इंडिया के गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटाने के निर्णय के एक दिन बाद आया है। केंद्र सरकार ने कदाही लूटी विमान कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई के नियम कड़े किये जाएंगे। इस बीच राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली से मुंबई पहुंचे गायकवाड़ ने अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से पार्टी कार्यालय में मुलाकात की और पूरा मामला बताया।

एफआइए की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि लोकसभा सदस्य गायकवाड़ ने यात्रा के दौरान हमारी संपत्ति और हमारे कर्मियों के साथ उचित व्यवहार करने का आश्वासन दिया है। इसके बाद हमने उनकी विमान यात्रा की सुविधा बहाल करने का फैसला किया है। यह फैसला एयर इंडिया के फैसले के एक दिन बाद आया है जिसमें उसने गायकवाड़ की यात्रा सुविधा बहाल करने का निर्णय लिया था। सार्वजनिक क्षेत्र की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया गायकवाड़ द्वारा लोकसभा में दिये गए बयान से संतुष्ट है। बयान में गायकवाड़ ने यात्रा के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के कर्मचारि आर सुकुमार के साथ मारीट पर खेद जताया था।

मारपीट की घटना के बाद एयर इंडिया ने 24 मार्च को सांसद गायकवाड़ की विमान यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था।



नई दिल्ली में शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज हैदराबाद हाउस में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक में शामिल हुईं। इस दौरान सुषमा स्वराज के साथ ममता बनर्जी।

### कोलकाता-खुलना के बीच शुरु हुई बस सेवा

कोलकाता : भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में शनिवार को कोलकाता-खुलना-ढाका बस सेवा का शुभारंभ किया गया। इससे पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश के लोग और करीब आ गए हैं। वहां से उस पार और वहां से इस पार आना और सहज हो गया है। शनिवार को दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस से दोनों देशों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शोख हसीना के साथ-साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संयुक्त रूप से वीडियो लिंक के माध्यम से 409 किलोमीटर लंबी कोलकाता-खुलना-ढाका बस सेवा का शुभारंभ किया।



कोलकाता में शनिवार को पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मंत्रियों ने बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ कोलकाता-खुलना-ढाका बस सेवा को हरी झंडी दिखाई।

जागरण

## खुलना से कोलकाता पहुंची मैत्री एक्सप्रेस- 2

जागरण संवाददाता, पेट्रापोल

भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए बेनापोल-पेट्रापोल के रास्ते नई ट्रेन खुलना-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस-2 का शनिवार को शुभारंभ किया गया, जिसका दायराल न सफल रहा। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शोख हसीना ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को खाना किया। ट्रेन से बांग्लादेश सरकार का 36 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कोलकाता पहुंचा, जहां उनका पूर्व रेलवे प्रशासन ने जोरदार स्वागत किया।

रविवार को बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल अपने देश लौट जाएगा। गौरतलब है कि 1947 में पूर्वी पाकिस्तान के गठन से पहले पेट्रापोल-बेनापोल मार्ग के जरिए मियालदह से खुलना



नई दिल्ली में शनिवार को 1971 के युद्ध के भारतीय जांबाजों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शोख हसीना।

प्रे़ट

# अरुणाचल यात्रा को लेकर गलत सूचना फैला रहा चीन

तवांग, प्रे़ट : तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपनी अरुणाचल प्रदेश यात्रा को लेकर चीन पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित करने के प्रयास के लिए चीन की निंदा की है। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में चीन के लोगों को गलत जानकारी दी जा रही है। अन्य देशों में चीन के लोगों से मुलाकात के दौरान यह पता चला। यह पूछे जाने पर कि उनकी तवांग यात्रा से क्या भारत-चीन संबंधों पर असर पड़ेगा, दलाई लामा ने कहा कि हमें अभी इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, ‘मेरी आध्यात्मिक यात्राओं को राजनीतिक रंग देना चीन के लिए आम बात है। दलाई लामा ने शनिवार को तवांग के बौद्ध मठ में श्रद्धालुओं को संबोधित करने के बाद ये बातें कहीं। भाजपा नेतृत्व वाली रजग सरकार की चीन नीति के बारे में उन्होंने कहा कि यह कमोबेश नरसिम्हा राव के दिनों की कांग्रेस सरकार की नीति जैसी ही है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करता हूं। वह सक्रिय हैं और विकास चाहते हैं। दलाई लामा ने कहा कि चीन द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा का प्रयास बेतुका है। उन्होंने कहा कि 1969 की शुरुआत में मैंने कहा



अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शनिवार को आध्यात्मिक संबोधन के अवसर पर अनुयायियों का अभिवादन स्वीकार करते तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा।

था कि दलाई लामा की परंपरा जारी रहेगी या नहीं इसका फैसला तिब्बत के लोग करेंगे। अगर यह परंपरा प्रासंगिक नहीं रही तो इसे रोक देना चाहिए। कोई नहीं जानता कि अगला दलाई लामा कौन होगा और उसका जन्म कहाँ होगा। हालांकि उन्होंने किसी महिला के दलाई लामा बनने की संभावना से इन्कार नहीं किया।

खांडू ने शांति दूत बताया : अरुणाचल

प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पश्चिम कामेंग जिले के तवांग में दलाई लामा स्वागत किया। उन्होंने दलाई लामा को विश्व शांति का दूत बताया। उन्होंने कहा कि दलाई लामा हमेशा से अहिंसा के दूत रहे हैं। जिस तक 20वीं सदी गांधी जी की थी उसी तरह 21वीं सदी दलाई लामा की है।

दलाई लामा को भारत रत्न के लिए अभियान : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

( आरएसएस ) ने दलाई लामा के लिए भारत रत्न की मांग को लेकर अभियान शुरू किया है। जिले के आरएसएस नेता लहुनडुप चोसांग ने कहा कि हमने इस संबंध में अब तक 5,000 लोगों के हस्ताक्षर इकट्ठा किए हैं। 25,000 हस्ताक्षर होने पर हम इसे अपनी मांग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपेंगे। इसके लिए ऑनलाइन अभियान भी चलाया जा रहा है।



### न्यूज गेलरी

### लखनऊ में जुटे अलग राज्यों के पक्षधर

लखनऊ : प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद बुंदेलखंड और पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने के लिए आंदोलन चला रहे नेताओं का हौसला बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ तक अपनी बात पहुंचाने के लिए उन्होंने राजधानी में डेरा डाल दिया है। यह लोग बोडोलैंड और विदभं को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने के समर्थक भी हैं। अलग राज्य के समर्थकों ने अपने संयुक्त संगठन नेशनल फेडरेशन फॉर न्यू स्टेट्स के बैनर तले शनिवार को कहा कि हम चाहते हैं कि छोटे राज्यों के बारे में केंद्र और राज्य सरकार की पॉलिसी पर एक बार फिर चर्चा हो। फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष राजा बुंदेला ने कहा कि हम सरकार को चुनौती नहीं देने जा रहे। पिछली सरकार में तो हम अपनी बात रख भी नहीं सके थे, लेकिन अब केंद्र, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश तीनों जगह भाजपा की सरकार हैं। इसलिए हम सरकार से अपनी बात कहने आए हैं। पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने की पैरोकारी में जुटे पंकज जायसवाल ने कहा कि हम बातचीत के रास्ते खोलना चाहते हैं। अब तक यहां जो सरकार बनी उसे कुर्सी पूरब से मिली, लेकिन उसका मुंह पश्चिम की ओर रहा। पूर्वांचल की ओर उसकी पीठ ही रही। योगी जी पूर्वांचल के विकास की ओर से शनिवार को ‘न्यू स्टेट्स फॉर न्यू इंडिया’ मूवमेंट लांच किया गया। यह मूवमेंट नवभारत के निर्माण के लिए नए राज्यों की स्थापना पर अध्ययन कर रिपोर्ट सौंप करेगा।

### 2019 में अलग पार्टी बना लड़ सकता हूं चुनाव : सैनी

सोनीपत : हरियाणा के कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि यदि जनता ने चाहा तो वर्ष 2019 का विधानसभा चुनाव वह अलग पार्टी बनाकर लड़ सकते हैं। लोगों की इच्छा हुई तो वे मुख्यमंत्री पद की भी दावेदारी करेंगे। शनिवार को ककरोई रोड पर लोकतंत्र सुरक्षा मंच के बैनर तले आयोजित महिला सम्मान समारोह में शिरकत करने पहुंचे सैनी ने अपने समर्थकों से भी 2019 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने को कहा। समारोह के दौरान विरोधी तैवर अपनाने के बारे में पूछने पर सांसद सैनी ने कहा कि जब दूसरों के हक का हनन होता है तो विरोध स्वभाविक है। अगर जनता चाहेगी तो वे मुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं। हालांकि सफाई में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महज एक पद है। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।

### बीमारों की सेवा इश्वर की पूजा : कोविद

मथुरा : बिहार के राज्यपाल रामनाथ कोविद ने यहां कहा कि चिकित्सक और नर्स बीमार को भगवान समझकर सेवा करें। इससे बड़ी कोई पूजा उनके लिए नहीं होगी। शनिवार को राम-कृष्ण मिशन सेवाश्रम (अस्पताल) में हृदय रोगियों की सुविधा के लिए स्थापित कैथलीब का लोकार्पण करने के दौरान राज्यपाल कोविद ने कहा कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि अगर एनजीओ नहीं होते, तो गरीब-असहायों को ठीक तरह इलाज नहीं मिल पाता। राम-कृष्ण मिशन जैसे एनजीओ की मदद से ही देशभर में गरीब और निराश्रित लोगों को सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहरों में गली-गली खुल रहे नर्सिंग होम में लोगों की जेब से पैसा निकाला जा रहा है, मगर इस संस्था में करीब 75 फीसदी रोगियों का इलाज निशुल्क किया जा रहा है।

### तारिक फतह को देश से निकालने की मांग

कोलकाता : टीपू सुल्तान मस्जिद के शाही इमाम सैयद मोहम्मद नुरुल रहमान बरकती ने पाकिस्तानी मूल के लेखक व विचारक तारिक फतह के देश निकाले की मांग की है। बरकती ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फतह ने हमारे नबी के नाम में गलत टिप्पणी की है, जिस कारण हमने उन्हें देश से निकालने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को कोलकाता के रानी वसमती रोड में विशाल धार्मिक जनसभा आयोजित की जाएगी। इमाम बरकती ने एक निजी टेलीविजन के लाइव शो में फतह का गला कटाने की धमकी दी थी।

### वंदे मातरम् पर संकीर्णता से ऊपर उठें : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि एक तरफ हम 21वीं सदी में बड़ रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ लोग इस विवाद में उलझे हैं कि वे राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम्’ गाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि हमें तरकीब के पथ पर आगे बढ़ना है तो वंदे मातरम् को लेकर इस संकीर्णता से उबरना होगा। वह राजभवन में राज्यपाल राम नाईक के विधिक परामर्शदाता एएसएस उपाध्याय द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई पुस्तक ‘द गर्वनर्स गाइड’ के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उदाहरण दिया कि कानून का रज स्थापित करने वाले इंग्लैंडबाद हार्ड कोर्ट के 150 वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का शुभारंभ भी राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से ही हुआ था। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए विधिक परामर्शदाताओं की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कभी-कभी मको एक चुक अर्थ का अर्थ कर देती है और हम लोगों को विवाद का सामना करना पड़ता है।

### पहल ▶ मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद केंद्रीय अल्पसंख्यक राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास का दावा

# उप्र के मदरसों में ‘ थ्री-टी ’ सुविधा जल्द



लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी।

### प्रदेश के 15 हजार मदरसों में टीचर्स, टिफिन, टायलेट यानी थ्री-टी सुविधा होगी

#### राज्य ब्यूरो, लखनऊ

केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रदेश के 15 हजार मदरसों को ‘थ्री-टी’ ( टीचर्स, टिफिन, टायलेट) सुविधा से लैस करने का दावा किया, मगर गुजर तीन साल में केंद्र से जारी गशि खर्च करने के तरीके की जांच से कन्नी काट गए। कहा कि औकाफ को ‘वक्फ माफिया’ के कब्जे से मुक्त करना है, मगर जिन पर वक्फ लोगों पर वक्फ संपत्ति खुर्द-बुर्द करने का आरोप है, उनके विरुद्ध जांच के सवालों को टालते हुए कहा कि ईमानदार छेड़े नहीं जाएंगे, भ्रष्टाचारी छोड़े नहीं जाएंगे।

शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अल्पसंख्यकों के आर्थिक,

शैक्षिक विकास पर 45 मिनट की चर्चा के बाद मंत्री मुख्तार अब्बास ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा की। शाम को पत्रकार वार्ता में कहा कि अधिकारियों ने बताया है कि पांच साल में पहली बार अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं पर कोई चर्चा हुई है। इसी बात को ढाल बनाकर पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा कहा कि केंद्र सरकार ने तीन साल में अल्पसंख्यकों के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये भेजे जो कागजों में खर्च हो गये। अब स्थलीय निरीक्षण से इसकी सच्चाई पस्खी जाएगी।

**मदरसों में थ्री-टी सुविधा** : नकवी ने कहा कि प्रदेश में 15 हजार मदरसे ऐसे हैं, जहां पानी की समस्या से निजात पाने में मदद मिलेगी। दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा भी दी जा रही है। इन मदरसों में टीचर, टिफिन और टायलेट की सुविधा दी जाएगी। प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। प्रस्ताव मिलते ही बिन आवंटित कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 20

# राम मंदिर के लिए फांसी पर भी लटकने को तैयार : उमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

केंद्रीय जल संसाधन मंत्री उमा भारती ने कहा कि राम मंदिर आस्था का मुद्दा है। फिलहाल यह मसला सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है और शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों को आपस में सुलह के जरिये इसे तय करने के लिए कहा है। राम मंदिर के लिए यदि उन्हें जेल जाना पड़े या फांसी पर लटकना पड़े तो वह भी उन्हें सहर्ष स्वीकार है। उन्होंने कहा कि तीन तलाक का मुद्दा महिलाओं और समाज के खिलाफ है।

गंगा को प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए राज्य सरकार कानपुर और कन्नौज की चमड़ा उद्योग इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से अन्वत्र स्थानांतरित करेगी। नमामि गंगे परियोजना को धार देने व प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था में सुधार पर चर्चा के लिए शनिवार को बातचीत करने आयी उमा भारती व उनकी टीम से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें यह जानकारी दी।

# देहरादून में बूचड़खानों पर चला सरकार का डंडा

#### जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तर प्रदेश के बाद उत्तरखंड सरकार ने भी बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार तड़के पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे बूचड़खानों पर कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर एक साथ की गई कार्रवाई में सात बूचड़खानों का चालान कर कई टन मांस नष्ट किया गया। इनके संचालकों को अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। इसके बाद इनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत एफआइआर व अन्य कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में अवैध रूप से तमाम बूचड़खाने संचालित हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ कि फतह ने हमारे नबी के नाम में गलत टिप्पणी की है, जिस कारण हमने उन्हें देश से निकालने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को कोलकाता के रानी वसमती रोड में विशाल धार्मिक जनसभा आयोजित की जाएगी। इमाम बरकती ने एक निजी टेलीविजन के लाइव शो में फतह का गला कटाने की धमकी दी थी।

### वंदे मातरम् पर संकीर्णता से ऊपर उठें : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि एक तरफ हम 21वीं सदी में बड़ रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ लोग इस विवाद में उलझे हैं कि वे राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम्’ गाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि हमें तरकीब के पथ पर आगे बढ़ना है तो वंदे मातरम् को लेकर इस संकीर्णता से उबरना होगा। वह राजभवन में राज्यपाल राम नाईक के विधिक परामर्शदाता एएसएस उपाध्याय द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई पुस्तक ‘द गर्वनर्स गाइड’ के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उदाहरण दिया कि कानून का रज स्थापित करने वाले इंग्लैंडबाद हार्ड कोर्ट के 150 वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का शुभारंभ भी राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से ही हुआ था। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए विधिक परामर्शदाताओं की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कभी-कभी मको एक चुक अर्थ का अर्थ कर देती है और हम लोगों को विवाद का सामना करना पड़ता है।



### अवनीश अवस्थी वने मुख्यमंत्री योगी के प्रमुख सचिव

लखनऊ : प्रदेश में कई पदों पर काम का लंबा अनुभव रखने वाले वरिष्ठ आइएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव का पद संभाल लिया। वह अब तक केंद्र में सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय में तैनात थे।

जिलों में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। जहां लोगों का हुनर निखारा जाएगा। मोटर ड्राइविंग स्कूल, हाउस कीपिंग व हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
**बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति** : मंत्री ने बताया केंद्र सरकार अल्पसंख्यक लड़कियों की शिक्षा के लिए बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति योजना चला रही है। ताकि लड़कियां बेहतर तालीम हासिल कर सकें। बताया कि मुस्लिम महिलाओं के लिए नई रेशनी योजना शुरू की गई है। मंडल स्तर पर इसके केंद्र खोले जाएंगे।
**वक्फ की जांच पर गोलमोल जवाब** : सेंट्रल वक्फ कार्डसिल के सदस्य की रिपोर्ट में शिया व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैनों पर भ्रष्टाचार, वक्फ संपत्ति खुर्द-बुर्द करने की सीबीआइ जांच को संस्तुति के सवाल पर केंद्रीय रेशनी योजना शुरू की गई है। मंडल स्तर पर इसके केंद्र खोले जाएंगे।

जिलों में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। जहां लोगों का हुनर निखारा जाएगा। मोटर ड्राइविंग स्कूल, हाउस कीपिंग व हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
**बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति** : मंत्री ने बताया केंद्र सरकार अल्पसंख्यक लड़कियों की शिक्षा के लिए बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति योजना चला रही है। ताकि लड़कियां बेहतर तालीम हासिल कर सकें। बताया कि मुस्लिम महिलाओं के लिए नई रेशनी योजना शुरू की गई है। मंडल स्तर पर इसके केंद्र खोले जाएंगे।
**वक्फ की जांच पर गोलमोल जवाब** : सेंट्रल वक्फ कार्डसिल के सदस्य की रिपोर्ट में शिया व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैनों पर भ्रष्टाचार, वक्फ संपत्ति खुर्द-बुर्द करने की सीबीआइ जांच को संस्तुति के सवाल पर केंद्रीय रेशनी योजना शुरू की गई है। मंडल स्तर पर इसके केंद्र खोले जाएंगे।

### लालू के खिलाफ ईडी, आयकर से जांच की मांग करेंगे मोदी

राज्य ब्यूरो, पटना : भाजपा विधानमंडल दल के नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने शनिवार को फिर लालू प्रसाद कुनबे के खिलाफ मिट्टी और मॉल घोटाले को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव के खिलाफ वह प्रवर्तन निदेशालय (ईंडी), आयकर और रेल मंत्रालय से पूरे मामले में जांच की अपील करेंगे। मोदी शनिवार को राष्ट्रीय कुशवाहा परिषद की ओर से विद्यार्थि भवन में आयोजित सम्राट अशोक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लालू स्वीकार करें कि मॉल उनका है या नहीं।
**लालू ने कहा, आरोप लगाने वालों की बोलती बंद कर दूंगा** : सुशील कुमार मोदी द्वारा लगाए गए आरोपों पर राजद प्रमुख लालू ने शनिवार को पहली बार मुंह खोला। उन्होंने कहा कि गलत-खलत आरोप लगाने वालों की बोलती बंद कर दी जाएगी। हालांकि राजद प्रमुख ने सुशील मोदी का नाम नहीं लिया।

# राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

श्रीनगर व अनंतनाग संसदीय सीट के लिए नौ व 12 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव में बाधा डालने के लिए अलगाववादी समर्थकों, आतंकियों व पत्थरबाजों ने नापाक हरकतें तेज कर दी हैं। श्रीनगर में मतदान से एक दिन पहले शनिवार को बीरवाह (बड़गंगा) में चुनाव विरोधियों ने मतदान कर्मियों पर पथराव किया। भोड़ को खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों को लाठीचार्ज के अलावा हवाई कार्रगरी की भी सहारा लेना पड़ा, जिसके बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। उधर दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में भी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ( पीडीपी ) की एक अलगाववादी समर्थकों ने बिजबिहाड़ा में राजस्व मंत्री अब्दुल रहमान वीरी के कार्फिले पर पथराव किया। आतंकी व अलगाववादी संगठनों ने कश्मीर में चुनाव बहिष्कार का आह्वान कर रखा है। जानकारी के अनुसार सुबह मतदान कर्मियों को लेकर एक बस बीरवाह से गुजर रही थी। बाजार में खड़े युवकों ने बस को देखते नियंत्रण बोर्ड की एनओसी। बूचड़खानों में सफाई भी संतोषजनक नहीं थी। इन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने को तीन दिन दिए गए हैं।

अभिहित अधिकारी अनेोज थपलियाल ने बताया कि जिन बूचड़खानों पर कार्रवाई की गई, उनमें से किसी के भी पास न तो खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस मिला और न ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एनओसी। बूचड़खानों में सफाई भी संतोषजनक नहीं थी। इन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने को तीन दिन दिए गए हैं।

## एक्सप्रेस वे पर हमसफर बनेगा ‘ हाईवे साथी ’

संवाद सूत्र, सुरीर ( मथुरा )
एक्सप्रेस वे पर आपात स्थिति में भटकने वाले वाहनों के लिए ‘ हाईवे साथी ’ मददगार बनेगा। शुक्रवार को लॉच किए गए मोबाइल एप ‘ हाईवे साथी ’ वाहन चालकों की मदद करेगा। इससे एक्सप्रेस वे अशॉर्टी को भी अपने नेटवर्क संचालन में काफी सहूलियत होगी। यह एप एंड्रॉइड फोन पर उपलब्ध है। इसे जीपीएस से भी जोड़ा गया है।
आमतौर पर एक्सप्रेस वे पर आपात स्थिति में वाहन चालकों को एक्सप्रेस वे अशॉर्टी की रहत टीम के पहुंचने का इंतजार रहता है। कभी न-कभी यह टीम समय रहते मदद नहीं कर पाती है। वाहन चालक इस मोबाइल एप के जरिए हादसाग्रस्त गाड़ी, घायलों का फोटो व सूचना कंट्रोल रूम को पहुंचा सकेंगे। कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारियों को पता लग जाएगा कि घटना की गंभीरा कितनी है। कितनी और किस तरह की रहत उपलब्ध कराई जानी है। इसके साथ ही एप का प्रयोग करने वालों को निकटतम फूडकोर्ट, एंबुलेंस, पीसीआर, फ्रेन, थाने, अस्पताल की लोकेशन और उनसे संपर्क के लिए नंबर की सूचना देगा। इसके साथ ही कंट्रोल रूम से बेहतर समन्वय के लिए एक्सप्रेस वे को दो जोन में बांटा गया है। पहला जीरो प्वाइंट से जेवर टोल प्लाजा तक, जबकि दूसरा जेवर टोल से आगरा तक है। एप के साथ टोल फ्री नंबर 18001027777 भी कनेक्ट

## सस्ते भोजन की योजना को योगी सरकार देगी विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दिए जा रहे सस्ते भोजन की तर्ज पर योगी सरकार भी कदम बढ़ा सकती है। इसके तहत मजदूरों को उनके कार्य स्थल पर दस रुपये में भोजन उपलब्ध कराने की योजना को विस्तार दिया जा सकता है। संभव: है कि मध्य प्रदेश की तर्ज पर यहां भी पांच रुपये में भोजन व तीन रुपये में नाश्ता उपलब्ध कराया जाए। तमिलनाडु में ऐसी योजना पहले से ही चल रही है।

प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौयं का कहना है कि सरकार ‘अन्नपूर्णा भोजन’ योजना के रूप में नगर निगमों में सस्ते भोजनालय खोलने की दिशा में परीक्षण कर रही है। इसमें खर्च होने वाली गशि के लिए बजट में धन का प्रावधान किया जा सकता है। उनका कहना है कि सरकार कम आय वाली, गरीबों, मजदूरों को पांच रुपये खाना खिलाएगी। मौयं का कहना है कि सरकार चाहती है कि गरीबों, मजदूरों , रिश्ता चालकों, कम पगार पाने वालों को खाली पेट काम न करना पड़े। ध्यान रहे, श्रम विभाग में मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर दस रुपये में भरेपेट भोजन की व्यवस्था शुरू की है।

जिसका विस्तार किया जाना है। गत दिनों मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण में कुछ मंत्रियों ने तमिलनाडु में लंबे अरसे और मध्य प्रदेश में गत दिनों शुरू हुई योजना का हवाला देकर यहां भी पांच रुपये में भरेपेट भोजन की सुविधा देने का जिक्त किया था। उनका कहना है कि सरकार कम आय वाली, गरीबों, मजदूरों को पांच रुपये खाना खिलाएगी। मौयं का कहना है कि सरकार चाहती है कि गरीबों, मजदूरों , रिश्ता चालकों, कम पगार पाने वालों को खाली पेट काम न करना पड़े। ध्यान रहे, श्रम विभाग में मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर दस रुपये में भरेपेट भोजन की व्यवस्था शुरू की है।

## स्वच्छता मिशन

लखनऊ में शनिवार को सरोजनी नगर स्थित तालाब की साथ –सफाई करती केंद्रीय मंत्री उमा भारती साथ में राज्यमंत्री ( स्वतंत्रत प्रभार ) रवाती सिंह ।

ने पथराव कर रही भोड़ को खदेड़ने के लिए बल प्रयोग किया, लेकिन भोड़ को बेकाबू होते देख जवानों ने कृथित तौर पर हवा में गोली भी चलाई। सुरक्षाबलों ने मतदान कर्मियों को वहां से निकाल दिया, लेकिन पूरे इलाके में हिंसक झड़पें फैलने के साथ ही हड़ताल हो गई। दोपहर बाद ही स्थिति पर किसी तरह काबू पाया जा सका।

उधर, अच्छाबल (अनंतनाग) के टाउन हाल के पास भीडीपी के एक स्थानीय नेता चुनाव सभा को संबोधित कर रहे थे। तभी दूर से आतंकियों ने रेली की तरफ दो से तीन राउंड फायर किए। गोलियों की आवाज से ब्रह्म अपराधमारी मच गई। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया, लेकिन आतंकी नहीं मिले। वहीं अनंतनाग के साथ सटे बिजबिहाड़ा में पीडीपी के वरिष्ठ नेता और राजस्व मंत्री अब्दुल रहमान वीरी को भी चुनाव विरोधी तत्वों का गुस्सा झेलना पड़ा।

सूत्रों ने बताया कि राजस्व मंत्री पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकों और चुनाव सभाओं को संबोधित करते हुए जब मरहामा व कनलवान इलाके से गुजरे तो उनके वाहनों के काफिले पर दोनों ही जगह शरारती तत्वों ने पथराव किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर पथराव कर रही भोड़ को वहां से खदेड़ दिया।

## स्पीड कंट्रोल की देगा चेतावनी

एक्सप्रेस वे पर होने वाले ज्यादातर हादसों का कारण ओवरस्पीड है। वाहन की स्पीड ज्यादा होने पर एप पर एक संदेश आएगा, जिसमें चालक या युजर को गति पर नियंत्रण रखने को कहा जाएगा। साथही चालान कटने की चेतावनी भी दी जाएगी।

#### जान गंवा चुके हैं सैकड़ों लोग

यमुना एक्सप्रेसवे व शुरू होने से लेकर 31 मार्च 2017 तक 4324 हादसे हुए। इयमें 586 लोगों की मौत हो चुकी है। 1752 लोग गंभीर व 4604 मामूली घायल हुए हैं।

रहेगा। मांट प्लाजा के टोल ऑपरेशन मैनेजर सफी अहमद रिजवी ने बताया कि यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणप्रभा सिंह और एक्सप्रेस वे का संचालन कर रहे जेपी इन्फ्रस्टेक ने शुक्रवार को जेवर टोल पर विधिवत रूप से यह एप लॉन्च किया है।

## एमपी में गत दिनों शुरू हुई

मध्यप्रदेश ( एमपी ) की शिवराज सिंह सरकार ने गत दिनों  दोनदयाल रसोई योजना शुरू की है। इसमें गरीब जनता को पांच रुपये में खाना मुहैया कराया जा रहा है। योजना मध्य प्रदेश के 49 जिलों में एक साथ शुरू हुई है। भिंड व उमरिया में उपचुनाव की प्रक्रिया के चलते इसे अभी नहीं शुरू किया गया है।

जिसका विस्तार किया जाना है। गत दिनों मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण में कुछ मंत्रियों ने तमिलनाडु में लंबे अरसे और मध्य प्रदेश में गत दिनों शुरू हुई योजना का हवाला देकर यहां भी पांच रुपये में भरेपेट भोजन की सुविधा देने का जिक्त किया था। उनका कहना है कि सरकार कम आय वाली, गरीबों, मजदूरों को पांच रुपये खाना खिलाएगी। मौयं का कहना है कि सरकार चाहती है कि गरीबों, मजदूरों , रिश्ता चालकों, कम पगार पाने वालों को खाली पेट काम न करना पड़े। ध्यान रहे, श्रम विभाग में मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर दस रुपये में भरेपेट भोजन की व्यवस्था शुरू की है।

जिसका विस्तार किया जाना है। गत दिनों मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण में कुछ मंत्रियों ने तमिलनाडु में लंबे अरसे और मध्य प्रदेश में गत दिनों शुरू हुई योजना का हवाला देकर यहां भी पांच रुपये में भरेपेट भोजन की सुविधा देने का जिक्त किया था। उनका कहना है कि सरकार कम आय वाली, गरीबों, मजदूरों को पांच रुपये खाना खिलाएगी। मौयं का कहना है कि सरकार चाहती है कि गरीबों, मजदूरों , रिश्ता चालकों, कम पगार पाने वालों को खाली पेट काम न करना पड़े। ध्यान रहे, श्रम विभाग में मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर दस रुपये में भरेपेट भोजन की व्यवस्था शुरू की है।

## झारखंड के लिट्टीपाड़ा में आज पड़ेंगे वोट

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड में पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए रविवार को सुबह सात बजे से शाम तीन बजे तक वोट पड़ेंगे। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन ने 272 वृथों पर होनेवाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट के लिए 1.90 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव मैदान में 10 प्रत्याशी हैं। भाजपा से हेमलाल मुर्मू, झामुमो से साइमन मरांडी तथा झामिमो से किस्टो सोरेन चुनाव मैदान में हैं। दक्षिण कांथी विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान आज : पश्चिम बंगाल में जिला प्रशासन ने 272 वृथों पर होनेवाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट के लिए 1.90 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव मैदान में 10 प्रत्याशी हैं। भाजपा से हेमलाल मुर्मू,

## लालू के करीबी अनवर अहमद के ठिकानों पर सीबीआइ छापे

#### राज्य ब्यूरो, पटना

सीबीआइ ने गुजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बेहद करीबी रहे पूर्व विधान पापंद अनवर अहमद पर शिकजा कासा है। सीबीआइ ने शनिवार को अनवर अहमद की अध्यक्षता वाले अवामी को-ऑपरेटिव बैंक, सब्जीबाग स्थित उनके आवास और फूलवारीशरीफ स्थित अल राबिया एडुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट पर एकसुर छापेमारी की। इस दौरान करोड़ों की मनीलॉड्रिंग से संबंधित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। छापेमारी से पहले सीबीआइ ने अनवर अहमद को कहा जाते वैसे लोगों के नाम पर खोले गए थे, और उनके तीन रिस्तेदारों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई है।

सीबीआइ सूत्रों ने छापेमारी की पुष्टि की है। सीबीआइ सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग ने अहमद के खिलाफ मनी लॉड्रिंग की शिकायत की थी। मामले के सत्यापन के बाद अनवर अहमद व उनके तीन अन्य रिस्तेदारों फरकाद अहमद, अशराद अहमद व परसेज आलम के

### उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों की बिक्री में साजिशों का चकव्यूह

हरिशंकर मिश्र, लखनऊ : प्रदेश की 21 चीनी मिलों की बिक्री के घोटाले की जांच का आदेश तत्कालीन नेताओं, अधिकारियों और एक व्यवसायी के गठजोड़ को बेनकाब करेगा। भारत के प्रधान महालेखाकार निरंजक ( सीएजी ) की रिपोर्ट में इस घोटाले का बिंदुवार विवरण दिया गया था। यह रिपोर्ट विधानसभा में रखी गई थी जिस पर जमकर हंगामा हुआ था। रिपोर्ट में यह ब्योरा भी था कि एक व्यवसायी को लाभ पहुंचाने के लिए मायावती के शासन में किस तरह साजिशों का चक्रव्यूह रचा गया। शुक्रवार रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पूरे घोटाले की जांच के आदेश दिए हैं।

मायावती शासन के दौरान 2010 में जुलाई-अक्टूबर और इसके बाद 2011 में जनवरी-मार्च तक क्रमशः 10 और 11 चीनी मिलों को बेचा गया। पहले दौर में चीनी मिलों की बिडिंग करने वाली दोनों कंपनियां शराव व्यवसायी पांटी चट्वा की थीं। दूसरे दौर में बिडिंग करने वाली कंपनियां अलग-अलग तो थीं, लेकिन उनके सभी निदेशक एक-दूसरे से जुड़े हुए पाए गए। कई निदेशक तो ऐसे थे जो दूसरी कंपनियों में अंशधारक भी रहे। सीएजी ने माना कि यह सभी कंपनियां पांटी की ही मिलकियत रहीं। पांटी चट्वा ( अब स्वर्गीय ) को लाभ पहुंचाने के लिए इन मिलों को नमक के भाव बेचा गया। यही नहीं यह भी आरोप लगे कि चट्वा की कंपनियां को वित्तीय विड पहले ही बता दी गई। इस पर भी काम नहीं बना तब बिडिंग के मध्य में फेरबदल कर दिया गया। उस समय आबकारी मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी थे।



लखनऊ में शनिवार को सरोजनी नगर स्थित तालाब की साथ –सफाई करती केंद्रीय मंत्री उमा भारती साथ में राज्यमंत्री ( स्वतंत्रत प्रभार ) रवाती सिंह ।

## मतदान से पहले पथराव, हिंसा व गोलीबारी

ने पथराव कर रही भोड़ को खदेड़ने के लिए बल प्रयोग किया, लेकिन भोड़ को बेकाबू होते देख जवानों ने कृथित तौर पर हवा में गोली भी चलाई। सुरक्षाबलों ने मतदान कर्मियों को वहां से निकाल दिया, लेकिन पूरे इलाके में हिंसक झड़पें फैलने के साथ ही हड़ताल हो गई। दोपहर बाद ही स्थिति पर किसी तरह काबू पाया जा सका।

## झारखंड के लिट्टीपाड़ा में आज पड़ेंगे वोट

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड में पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए रविवार को सुबह सात बजे से शाम तीन बजे तक वोट पड़ेंगे। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन ने 272 वृथों पर होनेवाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट के लिए 1.90 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव मैदान में 10 प्रत्याशी हैं। भाजपा से हेमलाल मुर्मू, झामुमो से साइमन मरांडी तथा झामिमो से किस्टो सोरेन चुनाव मैदान में हैं। दक्षिण कांथी विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान आज : पश्चिम बंगाल में जिला प्रशासन ने 272 वृथों पर होनेवाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट के लिए 1.90 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव मैदान में 10 प्रत्याशी हैं। भाजपा से हेमलाल मुर्मू,</











का अनुसरण करने पर विचार कर रहे हैं। महाराष्ट्र हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि लगातार सूखा पड़ने से बड़े किसानों को भी हानि हुई है इसलिए उनका कर्जा भी माफ किया जाय। हालाँकि इससे तमिलनाडु सरकार पर 1,980 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आ जाएगा। उम्मीद है कि पंजाब 36,000 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र 30,500 करोड़ रुपये का कर्जा माफ करेगा। जिन लोगों को लगता है कि कृषि पत्रिका माफ करने से श्रेष्ठ व्यवस्था कमजोर होगी, उन्हें यह जान लेना जरूरी है कि स्थल-कारेबोर की दिग्गज कंपनी भूषण स्टील 44,478 करोड़ रुपये के ऋण का घाटा चुकी है जो उत्तर प्रदेश की कर्ज माफी की गति से ज्यादा है। एस्पास स्टील कंपनी 34,929 करोड़ रुपये का ऋण नहीं चुका पायी है और चाहती है कि आरबीआई इसे माफ कर दे। महाराष्ट्र जितना ऋण माफ करने के बारे में सोच रहा है, यह गति अकेले ही उससे कहीं ज्यादा है।

2013-16 के बीच कॉर्पोरेट को कर में 17.15 लाख करोड़ रुपये की बड़ी छूट दी गई, इसलिए यह काफी हैरानी की बात है कि इसके बावजूद कॉर्पोरेट द्वारा न चुकाए जाने वाले ऋण का अंبار लगा गया। अब सोचने का मौका है कि क्या इससे श्रेष्ठ व्यवस्था कमजोर नहीं पड़ेगी?





दैनिक जागरण

साधना आत्म-साक्षात्कार की कला है

## घोषणा पत्रों की अहमियत

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर के इस कथन से एक सीमा तक ही सहमत हुआ जा सकता है कि राजनीतिक दल अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादे पूरे नहीं करते और वे महज कागजी टुकड़ा बनकर रह जाते हैं, क्योंकि कई दल सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करने की कोशिश भी करते हैं। कई बार उन्हें अपने चुनावी वादों को पूरा करने में सफलता भी मिलती है और वे इसका प्रचार भी करते हैं। इस सबके बावजूद उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि राजनीतिक दलों को अपने चुनाव घोषणा पत्रों के प्रति जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि इधर यह देखने में आ रहा है कि चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में मुन्तखारी की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे लोक-लुभावन वादे भी कर देते हैं जिन्हें पूरा किया जाना संभव नहीं होता। एक समय था जब बिजली, पानी आदि मुफ्त देने के वादे किए जाते थे, लेकिन अब टीवी और चो तक देने के वादे किए जाने लगे हैं। ऐसे वादे करते समय राजनीतिक दल इस बात का हिसाब मुश्किल से ही लगाते हैं कि मुफ्त में चीजें अथवा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए जरूरी धन कहां से आएगा ? अब तो रेवड़ियां बांटने के वादे के साथ सत्ता में आने वाले दल अपने घोषणा पत्र पर अमल देने के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता देने की मांग भी करने लगे हैं। यह स्पष्ट ही है कि केंद्र सरकार के लिए ऐसा करना संभव नहीं होता, लेकिन यदि वह अतिरिक्त सहायता देने से इन्कार करती है तो उस पर यह तोहमत मढ़ी जाने लगती है कि उसके द्वारा राज्य विशेष की अनदेखी की जा रही है। राजनीतिक दलों के रुख-खैये को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिससे वे चुनावी लाभ के लिए अनाप-शनाप घोषणाएं न कर सकें। हालांकि इससे संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह यह देखे कि राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में मनमानी घोषणाएं न कर सकें, लेकिन इसमें संदेह है कि इस संदर्भ में किसी प्राचीनी रीति-नीति का निर्माण हो सके है। अच्छा हो कि चुनाव संबंधी आदर्श आधार संहिता को और सशक्त बनाने पर विचार हो, क्योंकि शायद ही कोई राजनीतिक दल हो जिसे इस संहिता के उल्लंघन पर दंड की चिंता सताती हो। यह तब है कि राजनीतिक दलों पर कोई

दबाव बनाकर ही उन्हें अपने चुनावी घोषणा पत्रों के प्रति जिम्मेदार बनाने के साथ ही उन्हें गंभीर मसलों के हल के प्रति सक्रिय किया जा सकता है। राजनीतिक दल शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सुधार से जुड़े मसलों को अपने घोषणा पत्रों में मुश्किल से ही प्राथमिकता देते हैं। चूंकि राजनीति समाज को दिशा देने वाली व्यवस्था है इसलिए यह आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि राजनीतिक दल सामाजिक मूल्यों को बल देने से लेकर पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता पैदा करने वाले काम अपने हाथ में लें। अच्छा हो कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को यह बताए कि वे आदर्श चुनाव घोषणा पत्र तैयार कर समाज के साथ-साथ अपना भला कैसे कर सकते हैं।

## बदहाल सरकारी विद्यालय

उत्तरखंड में सरकारी शिक्षा को लेकर जनता के खोए विश्वास को लौटाने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है। शिक्षा महकमे और सरकार की ओर से तमाम प्रयासों के बावजूद प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक सरकारी विद्यालयों में साल-दर-साल छात्रसंख्या तेजी से गिरती जा रही है। यही हाल रहा तो भविष्य में बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालयों पर बंदी की तलवार लटक सकती है। तकरीबन दो हजार प्राथमिक और अपर प्राथमिक विद्यालयों में छात्रसंख्या दर्स से कम रह गई है। यह समस्या अब माध्यमिक विद्यालयों को भी अपनी चपेट में ले रही है। पिछले शैक्षिक सत्र में सरकारी विद्यालयों में 51 हजार से ज्यादा छात्र घट गए। ये हाल तब भी, जब सरकार की ओर से बीते शैक्षिक सत्र में भी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की व्यापक मुहिम छेड़ी गई थी। नए शैक्षिक सत्र में भी यह मुहिम चलाई गई। छात्रसंख्या में वृद्धि हुई या और कमी आ गई, कुछ महीनों बाद ये तस्वीर साफ हो जाएगी। सवाल ये है कि सरकारी शिक्षकों की संख्या बढ़ने के बावजूद इन विद्यालयों से छात्रों और अभिभावकों का मोहभंग थम क्यों नहीं पा रहा है। संसाधनों के मामले में भी सरकारी विद्यालयों की दशा में सुधार हो रहा है। इसके बाद भी हालात जस के तस या और बदतर हो रहे हैं तो ये गंभीर मनन का विषय है। शिक्षा को लेकर सरकार की नीति और नीयत दोनों में ही खामी है। चिंताजनक ये है कि खामियों को दुरुस्त कर शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने की इच्छाशक्ति कमजोर पड़ चुकी है। शिक्षा से जुड़ी विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं की सर्वे रिपोर्ट में कई बार ये जाहिर हो चुका है कि शिक्षा के केंद्र में छात्र या बच्चा नहीं है। शिक्षा की नीति बच्चे की जरूरत के इर्द-गिर्द होने के बजाए राज्य में रोजगार की जरूरतों को पूरा करने का जतिया बन गई है। शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार की जरूरत पूरा करते वक्त ये ध्यान देने की कोशिश कतई नहीं की जा रही है कि इसका उद्देश्य प्रदेश के भावी कर्णधारों का भविष्य निर्माण है। शिक्षा की गुणवत्ता और उसमें बच्चे की जरूरत के मुताबिक निरंतर सुधार की चुनौती से जूझने की दृष्टि का नितांत अभाव नजर आता है। शिक्षा पर सालाना करीब पांच हजार करोड़ खर्च होने के बाद भी बदहाली बढ़ना तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने को काफी है।



संजय गुप्त

अंतरराष्ट्रीय मामलों में मोदी सरकार ने अपनी कूटनीति को इस तरह धार दी है कि भारत के हितों पर कोई आंच न आने पाए

सौरिया के ताजा हालात दुनिया को और अधिक चिंता में डालने वाले हैं। अमेरिका ने सौरिया के शांति संधि के प्रति निराशा जताते हुए कहा है कि राजनीतिक दलों को अपने चुनाव घोषणा पत्रों के प्रति जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि इधर यह देखने में आ रहा है कि चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में मुन्तखारी की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे लोक-लुभावन वादे भी कर देते हैं जिन्हें पूरा किया जाना संभव नहीं होता। एक समय था जब बिजली, पानी आदि मुफ्त देने के वादे किए जाते थे, लेकिन अब टीवी और चो तक देने के वादे किए जाने लगे हैं। ऐसे वादे करते समय राजनीतिक दल इस बात का हिसाब मुश्किल से ही लगाते हैं कि मुफ्त में चीजें अथवा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए जरूरी धन कहां से आएगा ? अब तो रेवड़ियां बांटने के वादे के साथ सत्ता में आने वाले दल अपने घोषणा पत्र पर अमल देने के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता देने की मांग भी करने लगे हैं। यह स्पष्ट ही है कि केंद्र सरकार के लिए ऐसा करना संभव नहीं होता, लेकिन यदि वह अतिरिक्त सहायता देने से इन्कार करती है तो उस पर यह तोहमत मढ़ी जाने लगती है कि उसके द्वारा राज्य विशेष की अनदेखी की जा रही है। राजनीतिक दलों के रुख-खैये को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिससे वे चुनावी लाभ के लिए अनाप-शनाप घोषणाएं न कर सकें। हालांकि इससे संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह यह देखे कि राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में मनमानी घोषणाएं न कर सकें, लेकिन इसमें संदेह है कि इस संदर्भ में किसी प्राचीनी रीति-नीति का निर्माण हो सके है। अच्छा हो कि चुनाव संबंधी आदर्श आधार संहिता को और सशक्त बनाने पर विचार हो, क्योंकि शायद ही कोई राजनीतिक दल हो जिसे इस संहिता के उल्लंघन पर दंड की चिंता सताती हो। यह तब है कि राजनीतिक दलों पर कोई

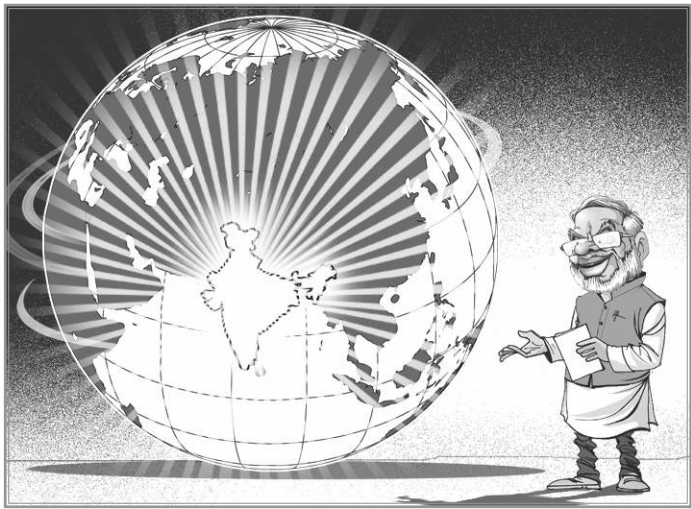
दबाव बनाकर ही उन्हें अपने चुनावी घोषणा पत्रों के प्रति जिम्मेदार बनाने के साथ ही उन्हें गंभीर मसलों के हल के प्रति सक्रिय किया जा सकता है। राजनीतिक दल शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सुधार से जुड़े मसलों को अपने घोषणा पत्रों में मुश्किल से ही प्राथमिकता देते हैं। चूंकि राजनीति समाज को दिशा देने वाली व्यवस्था है इसलिए यह आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि राजनीतिक दल सामाजिक मूल्यों को बल देने से लेकर पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता पैदा करने वाले काम अपने हाथ में लें। अच्छा हो कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को यह बताए कि वे आदर्श चुनाव घोषणा पत्र तैयार कर समाज के साथ-साथ अपना भला कैसे कर सकते हैं।

‘मैं कबूल करता हूं कि इससे पहले मैंने चंपारण का कभी नाम भी नहीं सुना था। नील की खेती का भी मुझे कोई अंदाजा नहीं था। मैंने नील के पैकेट जरूर देखे थे, लेकिन कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हजारों किसानों की कड़ी मेहनत के बाद यह तैयार होता है।’ सौ साल पहले गांधी के ये उद्गार चंपारण की गुमनाम पहचान के साथ नील किसानों की दुर्दशा की व्याख्या सुनाते हैं। अप्रैल, 1917 में गांधी का चंपारण दौरा न केवल चंपारण के किसानों, बल्कि खुद गांधी के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। गांधी के अनथक अभियान ने उन्हें दक्षिण अफ्रीकी सत्याग्रही से तुरंत ही चंपारण का चैंपियन बना दिया। गांधी को पटना से मुजफ्फरपुर के रस्ते मोतिहारी पहुंचना था। पटना में पहले पड़ाव के कटु अनुभव को उन्होंने कुछ यूँ व्यक्त किया, ‘जो सज्जन मुझे यहां लाए उन्हें कुछ अता-पता नहीं। उन्होंने किसी अनजान जगह पर लाकर पटक दिया है। मकान मालिक मौजूद नहीं हैं और सेवक भिखारियों जैसा बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने अपना शौचालय भी इस्तेमाल नहीं करने दिया। अगर ऐसे ही चलता रहा तो लगता नहीं कि चंपारण देख पाऊंगा।’ यहां गांधी को लाने वाले चंपारण के किसान राजकुमार शुक्ला थे और वह घर घर प्रसाद का आवास था जो उस समय पुरी गए हुए थे।

गांधी मुजफ्फरपुर पहुंचे। वहां तिरहुत आयुक्त से मिले और पूछा कि क्या स्थानीय प्रशासन का सहयोग मिल सकता है ? वहां वकीलों और जेबी कृपलानी ने उन्हें चंपारण के बिमाड़ते हालात से रूबरू कराया। 15 अप्रैल को चंपारण पहुंचे वही उन्हें अहसास हुआ कि उनका यह अभियान लंबा चलेगा। अगले ही दिन उन्होंने किसानों से मुलाकात का फैसला किया। हाथी पर सवार गांधी कुछ दूर ही चले होते कि उन्हें पुलिस अधीक्षक से वाजस लौटने का फतमा मिला। जवाब में गांधी ने कहा कि वह जिला छोड़कर नहीं जाएंगे और इस आदेश की अवज्ञा के लिए सजा को तैयार हैं। उन्होंने वायसरय को पत्र लिखकर प्लांटर्स एसोसिएशन

सम्मान न मिल सके। चीन का खैया दक्षिण चीन सागर क्षेत्र समेत दक्षिण एशिया और कोरियाई प्रायद्वीप में अशांति का कारण बन रहा है। उसके अडियल रुख के कारण दक्षिण और पूर्वी एशिया के कई देश भारत की ओर देख रहे हैं। मोदी इस चुनौती से परिचित हैं और इसीलिए उन्होंने अपनी कूटनीति को इस तरह धार दी है कि भारत के हितों पर कोई आंच न आने पाए। इसी के तहत वह दक्षिणी, पूर्वी और मध्य एशिया के देशों के साथ निकटता कायम कर रहे हैं।

यह तब है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की मौजूदा भारत यात्रा कई देशों का ध्यान खींचेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ती मैत्री दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता का आधार बन रही है। शेख हसीना के स्वागत के लिए प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह प्रोटोकाल तोड़कर हवाई अड्डे पहुंचे उससे पता चलता है कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण समझ रहा है। मोदी की कूटनीति का एक महत्वपूर्ण आयाम भारत की लुक ईस्ट नीति है। इसके तहत भारत बांग्लादेश के साथ-साथ म्यांमार, थाईलैंड, इंडोनेशिया, वियतनाम आदि देशों के साथ निकटता बढ़ा रहा है। यह नीति एशिया में चीन के प्रभुत्व को कम करने में महत्वपूर्ण है। चीन दक्षिण चीन सागर में बेहद आक्रामक तरीके से अन्य देशों के समुद्री क्षेत्र पर जिस तरह अपना अधिकार जमाने में लगा हुआ है उससे फिलीपींस, जापान आदि के साथ अमेरिका एवं अन्य प्रमुख देश भी चिंतित हैं। चीन की मनमानी केवल दक्षिण चीन सागर तक ही सीमित नहीं है। वह अराजक



अवधेश राजपूत

उत्तर कोरिया और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान की भी ढाल बना हुआ है। अब तो वह भारत के आंतरिक मामलों में भी हस्तक्षेप करने पर आमादा है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की अरुणचल की यात्रा पर चीन ने जैसा विरोध दिखाया वह उसके गैरजिम्मेदार खैये की एक बानगी भर है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने दो दृढ़ तरीके से चीन को यह अहसास कर दिया कि अपने आंतरिक मामले में वह किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन अरुणचल पर अपना हक जमाने के साथ उसे विवादित क्षेत्र मान रहा है। दलाई लामा जब तिब्बत पर चीन के अनधिकृत कब्जे के समय भागकर भारत आए तो भारत ने उन्हें न केवल शरण दी, बल्कि तिब्बत पर चीन के कब्जे का विरोध भी किया। दलाई लामा चीन को फूटी आंख नहीं सुहाते। वह उनकी हर गतिविधि का विरोध करता है। भारत जिस तरह चीन के बेजा दबाव का प्रतिकार कर रहा है उसे देखते हुए बीजिंग को यह अहसास हो जाए तो बेहतर कि अब भारत उससे दबने वाला नहीं है।

बांग्लादेश के साथ रिश्तों में मजबूती भारतीय हितों की रक्षा में सहायक बनने के साथ ही भाजपा को राजनीतिक तौर पर भी रास आने वाली है। जो कथित सेक्युलर बुद्धिजीवी और विपक्षी नेता भाजपा पर मुस्लिम विरोधी होने का ठप्पा लगाते रहते हैं उन्हें अपनी सोच बदलनी होगी। वे इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि भारत बांग्लादेश के साथ-साथ अरब देशों के साथ भी निकटता कायम कर रहा है। दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश ही सबसे बड़ा देश है।

भारत ने पाकिस्तान को दक्षिण एशिया समेत पूरे दुनिया में जिस तरह अलग-थलग करने का अभियान छेड़ रखा है उसे देखते हुए यह आवश्यक है कि बांग्लादेश से करीबी और बढ़े। पाकिस्तान के लिए इससे अधिक शर्मिंदगी की बात और कोई नहीं कि वह अपने आसपास ही अलग-थलग पड़ रहा है। इसका श्रेय मोदी की प्रभावशाली कूटनीति को जाता है। पहले की सरकारों से उलट मोदी सरकार पाकिस्तान को अतिरिक्त महत्व देने को तैयार नहीं। पिछले दिनों आतंकी सरगना मसूद अजहर

## गांधी की दोहराने की दरकार

‘मैं कबूल करता हूं कि इससे पहले मैंने चंपारण का कभी नाम भी नहीं सुना था। नील की खेती का भी मुझे कोई अंदाजा नहीं था। मैंने नील के पैकेट जरूर देखे थे, लेकिन कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हजारों किसानों की कड़ी मेहनत के बाद यह तैयार होता है।’ सौ साल पहले गांधी के ये उद्गार चंपारण की गुमनाम पहचान के साथ नील किसानों की दुर्दशा की व्याख्या सुनाते हैं। अप्रैल, 1917 में गांधी का चंपारण दौरा न केवल चंपारण के किसानों, बल्कि खुद गांधी के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। गांधी के अनथक अभियान ने उन्हें दक्षिण अफ्रीकी सत्याग्रही से तुरंत ही चंपारण का चैंपियन बना दिया। गांधी को पटना से मुजफ्फरपुर के रस्ते मोतिहारी पहुंचना था। पटना में पहले पड़ाव के कटु अनुभव को उन्होंने कुछ यूँ व्यक्त किया, ‘जो सज्जन मुझे यहां लाए उन्हें कुछ अता-पता नहीं। उन्होंने किसी अनजान जगह पर लाकर पटक दिया है। मकान मालिक मौजूद नहीं हैं और सेवक भिखारियों जैसा बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने अपना शौचालय भी इस्तेमाल नहीं करने दिया। अगर ऐसे ही चलता रहा तो लगता नहीं कि चंपारण देख पाऊंगा।’ यहां गांधी को लाने वाले चंपारण के किसान राजकुमार शुक्ला थे और वह घर घर प्रसाद का आवास था जो उस समय पुरी गए हुए थे।

गांधी मुजफ्फरपुर पहुंचे। वहां तिरहुत आयुक्त से मिले और पूछा कि क्या स्थानीय प्रशासन का सहयोग मिल सकता है ? वहां वकीलों और जेबी कृपलानी ने उन्हें चंपारण के बिमाड़ते हालात से रूबरू कराया। 15 अप्रैल को चंपारण पहुंचे वही उन्हें अहसास हुआ कि उनका यह अभियान लंबा चलेगा। अगले ही दिन उन्होंने किसानों से मुलाकात का फैसला किया। हाथी पर सवार गांधी कुछ दूर ही चले होते कि उन्हें पुलिस अधीक्षक से वाजस लौटने का फतमा मिला। जवाब में गांधी ने कहा कि वह जिला छोड़कर नहीं जाएंगे और इस आदेश की अवज्ञा के लिए सजा को तैयार हैं। उन्होंने वायसरय को पत्र लिखकर प्लांटर्स एसोसिएशन



राधेन्द्र सिंह

चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने पर मौजूदा चुनौतियों का गांधी के सिद्धांतों से समाधान ही बापू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी



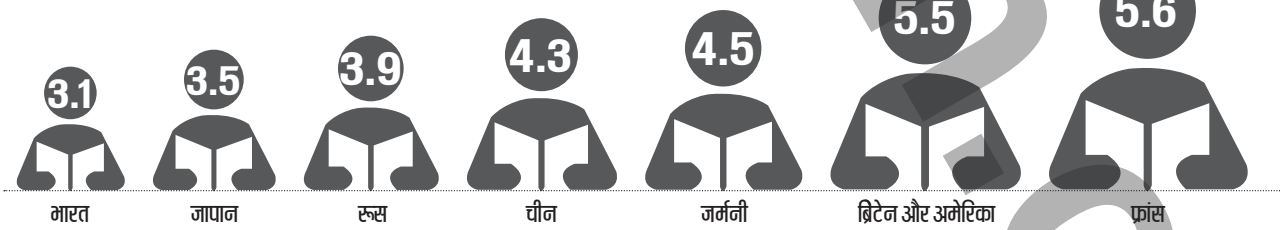
और तिरहुत प्रभाग के आयुक्त की शिकायत की। वायसरय को उन्होंने यह डर भी दिखाया कि वह केसर-ए-हिंद का अपना स्वर्ण पदक लौटा देंगे। 17 अप्रैल को गांधी ने जिला मजिस्ट्रेट के यहां पता लगाया कि उन्हें अभी तक समन क्यों नहीं जारी किया गया। 18 अप्रैल को गांधी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए और अपने लिए सजा मांगी। मजिस्ट्रेट ने हर्जाना लगाने से बचते हुए फैसला तीन बजे तक के लिए टाल दिया। फिर मामला 21 अप्रैल तक मुलतवी कर दिया गया। गांधी ने कहा कि वह मुश्किल में फंसे नील किसानों की मदद के लिए आए हैं और अंतरात्मा की आवाज पर किसी आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। 21 अप्रैल को गांधी ने बिहार और उड़ीसा के लेफ्टिनेंट गवर्नर का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनके खिलाफ कार्यवाही रोकने का आदेश देते हुए स्थानीय अधिकारियों को जांच में सहयोग

का निर्देश दिया था। अगले तीन हफ्तों के दौरान किसानों के बयान दर्ज करने का सिलसिला जारी रहा। करीब चार हजार बयान दर्ज किए गए। गांधी को लगा कि बगान मालिक विषम तो हैं, लेकिन किसी समझौते के लिए तैयार नहीं। दूसरी ओर बगान मालिक गांधी को बदनाम करने की कोशिशों में जुटे थे। उनकी शिकायत थी कि उनकी आजीविका खतरों में पड़ जाएगी। उन्होंने किसानों और बगान मालिकों के संबंधों की पड़ताल के लिए आयोग बनाने की मांग की। चंपारण में गांधी की मौजूदगी से वहां बन रहे तूफान को भांपने में ब्रिटिश सरकार को देर नहीं लगी। उसने चंपारण जांच समिति गठित कर गांधी को उसमें शामिल होने का न्योता दिया। इन कोशिशों के चलते कुछ ही महीनों में चंपारण कृषि विधेयक, 1917 पारित हुआ। इसने नील किसानों को भारी राहत दिलाई। चंपारण सत्याग्रह ने भारतीय राजनीति की दशा-दिशा ही बदल दी और गांधी की स्वतंत्रता संग्राम के केंद्र में स्थापित कर दिया। भारतीयों ने पहली बार अहिंसा और सशस्त्र शक्ति के शक्ति का अहसास किया। अगर ऐसे ही चलता रहा और अहमदाबाद में भी गांधी ने इसे सफलतापूर्वक सिरे चढ़ाया।

वर्ष 2019 में गांधी की 150वीं जयंती मनाने की तैयारियों के बीच भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में 11 अप्रैल से डिजिटल प्रदर्शनी आयोजित करने जा रहा है। इसमें गांधी के सत्याग्रह जैसे मूल सिद्धांतों को स्वच्छाग्रह जैसे समकालीन मुद्दों से जोड़ा जाएगा। युवा पीढ़ी को इसकी अहमियत समझने की दरकार है। प्रदर्शनी का मूल मकसद युवाओं को गांधी के ‘स्वच्छ भारत’ के सपने को पूरा करने में साथ जुटने के लिए प्रेरित करना है, जिसकी अगुआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को ‘स्वच्छ भारत अभियान’ शुरू कर जगाई थी।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार में महानिदेशक हैं) [response@jagran.com](mailto:response@jagran.com)

तथ्य-कथ्य शिक्षा पर सरकारों का खर्च (कुल जीडीपी का फीसद)



## वक्त के साथ बदला मंगल का रूप

मुकुल व्यास

मंगल ग्रह का वायुमंडल कभी पृथ्वी जैसा घना था लेकिन सौर पवन और अल्ट्रा वायलेट किरणों की वजह से इसका अधिकांश भाग अंतरिक्ष की भेंट चढ़ गया। मंगल इस समय एक ठंडा रेगिस्तान है। तरल जल जीवन के लिए अनिवार्य है, लेकिन आज वह मंगल की सहा पर स्थिर नहीं है, क्योंकि उसका वायुमंडल बहुत पतला और ठंडा है। पिछले शोध में इस बात के ठोस प्रमाण मिल चुके हैं कि मंगल पर किसी समय लबालब पानी था। उसकी सतह पर मौजूद सूखी नदियों जैसी चरचनाएँ और खनिज सिर्फ पानी की उपस्थिति में ही निर्मित हो सकते थे। इससे पता चलता है कि मंगल का वायुमंडल अतीत में बहुत घना था और वहां बड़े-बड़े समुद्र थे जिन्होंने अरबों वर्ष पहले जीवन को पोषित किया होगा। यह संभव है कि मंगल के इतिहास के आरंभ में वहां जीवाणुओं के रूप में जीवन पनपा हो। मंगल के ठंडा और शुष्क होने के बाद यदि कोई जीवरूप बचा होगा तो उसने भूमिगत टिकानों या सतह के नखिलिस्तानों में शरण ले ली होगी। किसी ग्रह के वायुमंडल में कई तरह से कमी आ सकती है। उदाहरण के तौर पर

मंगल का वायुमंडल बहुत घना था और वहां समुद्र था जिसने अरबों वर्ष पहले जीवन को पोषित किया होगा। संभव है कि शुरुआत में वहां जीवाणुओं के रूप में जीवन पनपा हो

रासायनिक क्रियाओं के कारण कोई गैस सहा की चट्टानों में गिरफ्त हो सकती है या किसी ग्रह के मूल तारे से आने वाला रेडिएशन और सौर पवन ग्रह को उसके वायुमंडल से वंचित कर सकता है। नए नतीजों से पता चलता है कि सौर पवन और रेडिएशन की वजह से मंगल को वायुमंडलीय क्षति झेलनी पड़ी। इसी क्षति ने कालांतर में मंगल की जलवायु को परिवर्तित कर दिया। यह जानने के लिए कि मंगल के वायुमंडल में कितना बदलाव हुआ है, वैज्ञानिकों ने नासा के मावेन मिशन द्वारा भेजे गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने खास तौर पर आर्गोन गैस पर अपना ध्यान केंद्रित किया जो किसी अन्य तत्व के साथ रासायनिक क्रिया नहीं करती। ताजा विश्लेषण में आज के वायुमंडल

के आंकड़ों के आधार पर पहली बार यह अनुमान लगाया गया है कि कालांतर में कितनी गैस बाहर निकली। आर्गोन गैस की क्षति के आंकड़ों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मंगल से लुप्त होने वाली उन दूसरी गैसों को मात्रा का भी हिसाब लगाया जो आर्गोन गैस की ही भांति वायुमंडल से गायब हुई थी। उनके अध्ययन से पता चलता है कि कार्बन डाइऑक्साइड को मौजूदगी से मंगल का वायुमंडल काफी घना था। मंगल पर इस गैस का वायुमंडलीय दबाव लगभग पृथ्वी पर हवा के वायुमंडलीय दबाव के बराबर ही था। कार्बन डाइऑक्साइड एक ‘ग्रीनहाउस’ गैस है। दूसरे शब्दों में यह गैस ऊष्मा को बाहर जाने से रोक कर ग्रह को गर्म रखने में मदद करती है। वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड का ओझल होना दर्शाता है कि अतीत में आवास योग्य रही मंगल की सतह आज रहने के लिए अयोग्य क्यों हो गई। मंगल के वायुमंडल के पतला होने के कारणों को जानने के अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसी अनेक प्रक्रियाओं की पहचान की है जो दूसरे तारों के इर्द-गिर्द मौजूद ग्रहों की आवास योग्यता को समझने में मददगार होंगी। (लेखक खतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सदमे का लंबा दौर

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारी सदमा लगने के बाद कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। पार्टी की भावी दशा-दिशा पर नेतृत्व के अनिर्णय की स्थिति के बीच कुछ पुराने दिग्गज विपक्षी खेमे में कांग्रेस की भूमिका में जान फूँकने को लेकर बेंचने हैं। खासकर राज्यसभा में जहां कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों के साथ सरकार के मुकाबले बहुमत में हैं। मगर दिक्कत यह है कि जब भी अहम मुद्दों पर चर्चा में बोलने की बारी आती है तो अधिकांश मौकों पर माइक आनंद शर्मा ही धाम लेते हैं। इस हफ्ते जब जीएसटी विधेयक

पर हुई चर्चा में यही मंजर नजर आया तो इस पर पी चिदंबरम और कपिल सिब्बल जैसे कुछ दिग्गज विफर पड़े। सवाल उठाए गए कि सदन में वही नेता आगे रहें हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा। राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद से भी इसकी शिकायत की गई, मगर उन्होंने भी यमों को बोलने से रोक पाने में अपनी असमर्थता जाहिर की। तभी पार्टी के नेता रणनीतिक प्रबंधन की इस हालत को कांग्रेस के सदमे से बाहर नहीं आने को लेकर गुपचुप बातें कर रहे हैं।

वेबस डाक विभाग

मौजूदा सरकार के शुरुआती दौर में सुखियों में आया डाक विभाग फिर से गुमनामी का शिकार हो गया है। वहां तक कि

राजर्ग

डाक विभाग के अधिकारी खुद इस बात को महसूस कर रहे हैं कि बीते एक साल में देश में हुई गतिविधियों में विभाग की भूमिका को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। डाक विभाग और डाकघरों के आधुनिकीकरण से लेकर उसके बैंक बनने और लोगों के घरों तक गंगाजल पहुंचाने जैसी उसकी सभी परियोजनाओं की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। सरकार के तीन साल के कामकाज को बताने की अब जब बारी आई है और विभाग को भी अपने काम का ब्योरा देना है। इसकी तैयारी में ही विभाग के अधिकारी पेशान हैं, क्योंकि मामला कुछ-कुछ ‘नौ दिन चले अढ़ाई कोस’ वाला बन गया है। अब उनकी पेशानी पर इसी बात को लेकर बह पड़े हैं कि प्रधानमंत्री के समक्ष किन उपलब्धियों का बखान करेंगे ?

बोर्ड की वेचारीगी

रेलवे विकास प्राधिकरण की मंजूरी के साथ ही रेलवे बोर्ड की रही सही हैसियत भी खत्म होने के कयास लगाए जाने लगे हैं। वह प्राधिकरण किराये-भाड़े से लेकर सेवाओं के स्तर और गुणवत्ता तथा शिकायतों की निगरानी जैसे बोर्ड के तमाम कार्य करेगा। ऐसे में रेलवे बोर्ड के पास नीतियां बनाने और निर्णयों को लागू करने के अलावा कोई काम नहीं बचेगा। प्राधिकरण के चेयरमैन और सदस्यों के आगे रेलवे बोर्ड चेयरमैन और सदस्यों की कोई हैसियत नहीं रहेगी। कामचलाऊ चेयरमैन की नियुक्ति से रेलवे बोर्ड की हालत पहले ही खस्ता है। जीएम तो छोड़िए, डीआरएम तक बोर्ड की नहीं सुनते। पहले रेलवे बोर्ड में चेयरमैन, सदस्य की नियुक्ति को बेहद अहम माना जाता था। मगर अब नए सदस्य कब आते और विवाद ले जाते हैं, वह

मालूम ही नहीं पड़ता। रेल बजट के विलय के बाद रेल मंत्रालय का महत्व भी पहले जैसा नहीं है। रेल भवन के गलियारों में ये चर्चाएं आम हैं कि भविष्य में शाहद ही कोई रेल मंत्री या रेलवे बोर्ड का चेयरमैन बनना चाहेगा।

मोदी-शैली का विस्तार

जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तबसे केंद्र के मंत्रियों की दशकों से चली आ रही कार्यशैली भी बदल सी गई है। दिल्ली में हुए इस नाटकीय बदलाव का अरर अब उत्तर प्रदेश में बनी भाजपा सरकार तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंत्रिपरिषद में मंत्री बने कई नेताओं को यह अहसास नहीं था कि उन्हें भी ऐसी ही सख्ती झेलनी पड़ेगी। जिन मंत्रियों के घर दिल्ली एनसीआर में हैं या फिर जो लंबे समय से यहां रहते आए हैं, उन्हें तो और ज्यादा समस्या हो गई है। खुद मुख्यमंत्री अगर काम के लिए 18-19 घंटे लगा रहे हों तो ऐसे में मंत्रियों के लिए समय निकाल पाना काफी मुश्किल काम है। मंत्रियों के लिए अपने पुराने मित्रों से दिल्ली में मिलने आना तो दूर अपने परिवार के लिए भी समय निकालने में भी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे में मंत्री बने नेता जरूर अपने पुराने दिनों को याद कर रहे होंगे और साथ ही यह भी सोच रहे होंगे कि इतनी मशक्कत करने के लिए ही क्या उन्होंने मंत्री बनने की कामना की थी।



ऊर्जा

निराशा से बचें

स्वप्न देखना मनुष्य की जन्मजात प्रकृति है। प्रायः वह अपनी क्षमता और स्थिति का भली-भांति आकलन किए बगैर चंचल मन के वशीभूत होकर विविध आकांक्षाओं अथवा कपोल-कल्पित योजनाओं को पुरा करने का स्वप्न देखता रहता है। जब किसी व्यक्ति के मन में कुछ पाने की तीव्र उत्कंठा हो, परंतु उसे प्राप्त करने की शक्ति अथवा परिस्थिति न हो अथवा प्रारब्ध आदि कारणों से उसकी इच्छा अपूर्ण रह जाए, तब मन के भीतर जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। यह विपरीत के कारण मन में उत्पन्न होने वाली घोर निराशा ही है। आर्थिक प्रतिक्रिया, मान-सम्मान पाने की अत्यधिक लालसा, परीक्षा में असफलता, युवाओं में प्रेम-प्रसंगों में विफलता आदि असह्य परिस्थितियां हमें कुंठित जीवन जीने के लिए विवश कर देती हैं। शरीर की एड्रिनल ग्रंथियों द्वारा स्रावित एड्रिनीलीन हॉर्मोन से तमाम असामान्य लक्षण प्रकट होते हैं। एकांतप्रियता, गुमसुम रहना और नकारात्मक विचार व्यक्तित्व को बंधक बना लेते हैं। अनिद्रा के साथ ही मधुमेह, उच्च रक्त चाप जैसी खतरनाक बीमारियां के सक्रिय होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुंठा की चरमवस्था में आत्महत्या जैसे कुत्सित विचार भी मन को उद्धेलित कर सकते हैं। जीवन प्रकृति की अनुपम भेंट है। ‘गीता’ में श्रीकृष्ण ने कहा है, तेरा कर्म करने पर ही अधिकार है, उसके फलों पर कभी नहीं। इसलिए लक्ष्य-पूर्वक के लिए किए गए संघर्ष को जीवन का अहम प्रक्रिया मानकर अंगीकार करें और संदेव समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। सपनों से नाता न तोड़ें, अन्याथा जीवन नीरस हो जाएगा, परंतु अपनी आकांक्षाओं को सीमित कर क्षमताओं की सीमा का अतिक्रमण न होने दें। कुंठा जीवन की प्रबल शत्रु है। कुंठा से व्यक्ति की उपलब्धियां, गुण और प्रतिभा कमजोर होती है। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें व्यायाम, संतुलित आहार, संयमित दिनचर्या और योगाभ्यास को अपनाकर कुंठा से काफी हद तक बचा जा सकता है। प्रकृति के साथ समय बिताएं। पारम्परिक ईर्ष्या और ईर्ष से संवर्था बचते हुए हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हथ्य’ की उक्ति पर धरोसा रखें और ‘हारिए न हिममत, बिसारिए न राम’ की सार-गर्भित सुक्ति को हृदयंगम करते हुए कुंठा को परास्त करने के लिए सतत प्रयासशील रहें। डॉ. मुमुक्षु दीक्षित



अन्तं विजय

दो हजार सोलह में प्रकाशित कृतियों पर समीक्षात्मक बातचीत में जब लोकसभा टीवी पर यतीन्द्र मिश्र की किताब, लता सुर-गाथा को मैंने हिंदी में प्रकाशित साल की सबसे बड़ी किताब बताई थी तो कई लोगों को इस कथन को फन्ना आदि करार दिया था। लोकसभा टीवी के उस कार्यक्रम में मैंने यह कहा था कि जिस तरह से हर साल कोई एक बड़ी फिल्म आती है और परिदृश्य पर छा जाती है उसी तरह से वर्ष में हजारों सोलह में प्रकाशित ये बड़ी किताब लता सुर-गाथा है जो हिट भी रही है। इस किताब को मैंने पढ़ा था और मेरी पाठक बुद्धि जूरी के सदस्य थे। इनके सामने अभिजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लिखी गई करीब तीन दर्जन किताबें थीं जिनके बीच से चयन समिति ने यतीन्द्र मिश्र की किताब लता सुर-गाथा को सर्वसम्मति से पुरस्कार के लिए चुना। इस पुरस्कार के तहत लेखक और प्रकाशक दोनों को पचहत्तर हजार रुपये और स्वर्ण कमल दिया जाएगा। लता सुर-गाथा को पूर्वी प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। जूरी ने लता सुर-गाथा के बारे मे कहा कि यह किताब लगा मंगेशकर की सत्तर साल की संगीत यात्रा का भारतीय सिनेमा पर प्रभाव को चित्रित करता है और लेखक यतीन्द्र मिश्र उसको पकड़ने में कामयाब रहे हैं। लता की इस जलेबी सुर यात्रा का फिल्मी पर पड़े प्रभाव को भी इस किताब में शिद्दत से रेखांकित किया गया है। इस बार जूरी के सदस्यों के बीच इस पर भी एक राय बनी कि किताबों के चयन के लिए कोई प्रणाली बनाई जानी चाहिए जिसमें कृतियों की गहन पड़ताल की जा सके।

तय ये हुआ कि इस बारे में ये तीनों मिलकर सूचना और प्रसारण मंत्रालय को अपना सुझाव भेजेंगे। अब जरा लता सुर-गाथा की बात कर ली जाए। यह किताब यतीन्द्र मिश्र के लगभग सात साल की मेहनत का नतीजा है। सात सालों के बीच राजेंद्र यादव की छवि के लिए वे उनके लेखन को संवारने और थार देने वाले गुरु थे। ‘वह सफ र था कि मुकाम था’ में मैत्रेयी पुष्पा ने अपनी यादों को टटोलकर जो बातें बताई हैं, उससे यह किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों गंभीर किताब के तौर पर मान्यता नहीं मिल पाती या फिर उस किताब तो राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिल पाता। विवादों और सनसनी से दूर यतीन्द्र इस किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों को घबराहट होती है या उससे बचकर निकल जाते हैं। फिल्म, संगीत, गायक, कलाकारों के अलावा यतीन्द्र ने लता मंगेशकर से वीर सावरकर से लेकर नेहरू तक के बारे में सवाल पूछे। इस किताब से संभवतः पहली बार यह तथ्य सामने आया कि लता मंगेशकर समाज सेवा करना चाहती थीं लेकिन वीर सावरकर की प्रेरणा से वह गायिक बनीं। बहुत दिलचस्प

सूचना और प्रसारण मंत्रालय को अपना सुझाव भेजेंगे। अब जरा लता सुर-गाथा की बात कर ली जाए। यह किताब यतीन्द्र मिश्र के लगभग सात साल की मेहनत का नतीजा है। सात सालों के बीच राजेंद्र यादव की छवि के लिए वे उनके लेखन को संवारने और थार देने वाले गुरु थे। ‘वह सफ र था कि मुकाम था’ में मैत्रेयी पुष्पा ने अपनी यादों को टटोलकर जो बातें बताई हैं, उससे यह किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों गंभीर किताब के तौर पर मान्यता नहीं मिल पाती या फिर उस किताब तो राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिल पाता। विवादों और सनसनी से दूर यतीन्द्र इस किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों को घबराहट होती है या उससे बचकर निकल जाते हैं। फिल्म, संगीत, गायक, कलाकारों के अलावा यतीन्द्र ने लता मंगेशकर से वीर सावरकर से लेकर नेहरू तक के बारे में सवाल पूछे। इस किताब से संभवतः पहली बार यह तथ्य सामने आया कि लता मंगेशकर समाज सेवा करना चाहती थीं लेकिन वीर सावरकर की प्रेरणा से वह गायिक बनीं। बहुत दिलचस्प

### ट्वीट-ट्वीट

देश में ऐसे कितने फकीर हैं जो चार करोड़ रुपये वाला वकील रखें, बेंगलुरु के सात सितारा अस्पताल में इलाज कराएं और पीएम से ज्यादा सैलरी लें। दूढ़ो!

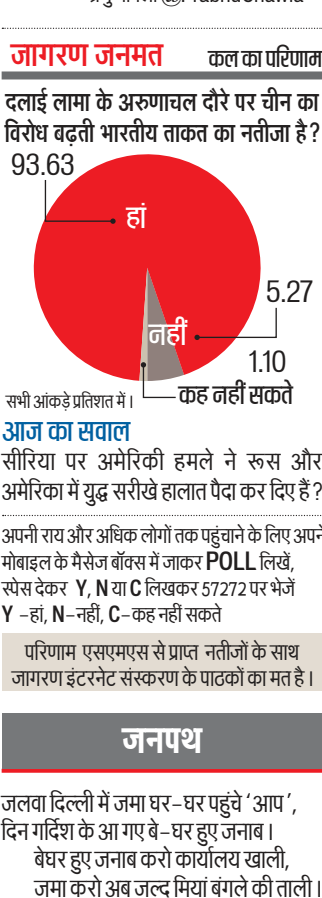
सुरेंद्र पुनिया@MajorPoonia
बांग्लादेशी प्रधानमंत्री हसीना तीसरी ऐसी नेता हैं जिनकी पीएम ने हवाई अड्डे पर आगवानी की। आभासा और सऊदी अरब के युवराज के लिए भी वह ऐसा कर चुके हैं। दीपान्जन आर चौधरी@DipanjaniET

व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने के लिए ट्रंप की सी दैवसीयी योजाना पर वार्ता के लिए शी विनफ्रिग सहमत हो गए हैं। भारत को भी चीन के साथ लगभग 60 अरब डॉलर के व्यापार असंतुलन को पाटने के लिए ऐसी ही किसी योजना की दरकार है। ब्रह्मा चेलानी@Chellaney

जब से दिल्ली में हमने हाउस टैक्स खत्म करने का ऐलान किया है तब से एक के बाद एक झूठे बेबुनियाद आरोपों लगाकर बदनाम करने की साजिश चल रही है। मनीष सिंसोदिया@msisodia

खुशी के लिए काम करोगे तो खुशी नहीं मिलेगी, लेकिन खुश होकर काम करोगे तो खुशी और सफ़लता दोनों ही मिलेंगी। बबीता फोगाट@BabitaPhogat

यूं असर डाला है मतलबपरस्ती ने दुनिया पर कि हाल भी पुछो तो लोग समझते है कोई काम होगा प्रभु चावला @PrabhuChawla



### आजकल

# वर्षों की मेहनत को मिला सम्मान

दुनिया को अब हिंदी का विशाल बाजार नजर आ रहा है, लिहाजा इस भाषा में निवेश की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। अभी हाल ही में वाणी प्रकाशन के निदेशक अरुण माहेश्वरी को लंदन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज ने बिजनेस एक्सीलेंस पुरस्कार प्रदान किया। यह पहली बार है किसी हिंदी के प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड में सम्मानित किया गया हो। यह गौरव की बात है कि हिंदी के किसी श्रेष्ठ प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड सम्मानित कर रहा है

तक वह लगातार नियमित अंतराल पर तय वक्त पर लता मंगेशकर से बात कर उसको रिकॉर्ड करते रहे और साथ साथ उसको लिपिबद्ध भी करते रहे। इस किताब के साथ अच्छी बात यह रही कि यतीन्द्र मिश्र ने इसको विवादस्पद बनाने की कोशिश नहीं की। इसके अलावा लता मंगेशकर की जिंदगी के उन व्यक्तिगत प्रसंगों को भी खोलने का प्रयास लेखक ने नहीं किया जिसको लेकर अफवाहें या गॉसिप फिल्मी दुनिया में चलती रही हैं। इसका सकारात्मक पहलु यह रहा कि इससे इस किताब की सनसनी पैदा करने वाली छवि नहीं बन पाई और पाठकों ने इसको गंभीर लेखन के कोष्ठक मे रखा। अगर यतीन्द्र इस किताब में लता से जुड़े विवादों को उठाकर सनसनीखेज बनाने की कोशिश करते, जिसका अवसर उनके पास था, तो शायद इसकी विक्री ज्यादा होती लेकिन फिर उसको गंभीर किताब के तौर पर मान्यता नहीं मिल पाती या फिर उस किताब तो राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिल पाता। विवादों और सनसनी से दूर यतीन्द्र इस किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों गंभीर किताब के तौर पर मान्यता नहीं मिल पाती या फिर उस किताब तो राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिल पाता। विवादों और सनसनी से दूर यतीन्द्र इस किताब में लता मंगेशकर को उन प्रदेशों में लेकर गए जिन प्रदेशों में ले जाने में लेखकों को घबराहट होती है या उससे बचकर निकल जाते हैं। फिल्म, संगीत, गायक, कलाकारों के अलावा यतीन्द्र ने लता मंगेशकर से वीर सावरकर से लेकर नेहरू तक के बारे में सवाल पूछे। इस किताब से संभवतः पहली बार यह तथ्य सामने आया कि लता मंगेशकर समाज सेवा करना चाहती थीं लेकिन वीर सावरकर की प्रेरणा से वह गायिक बनीं। बहुत दिलचस्प

लेखक की मेहनत का फल

यतीन्द्र मिश्र की किताब लता सुर-गाथा लगभग सात साल की मेहनत का नतीजा है। वह तय वक्त पर लता मंगेशकर से बात कर उसको रिकॉर्ड करते रहे और साथ ही उसको लिपिबद्ध भी करते रहे। वह लता मंगेशकर के व्यक्तिगत प्रसंगों से भी बचते रहे जिन पर लोग मजे लेकर बात करते हैं

प्रसंग है यह। इस तरह के कई प्रसंग इस किताब में हैं। इस किताब में यतीन्द्र की लता मंगेशकर से बातचीत जितनी महत्वपूर्ण है उतनी ही महत्वपूर्ण है यतीन्द्र द्वारा सिखी गई करीब पौने दो सौ पृष्ठों में लता की सुर यात्रा। इस खंड में लेखक ने लता मंगेशकर के विकास को, उनकी सुर साधना को रेखांकित किया है। इस खंड को पढ़ने के बाद लेखक की संगीत की समझ का भी अहसास होता है। हिंदी में बहुत कम लेखक ऐसे हैं जो इन विषयों पर लिखते हैं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में दो हजार पांच के बाद यानी बारह साल बाद किसी हिंदी की कृति का चयन किया गया है। दो हजार पांच में शरद दत्त की कुंदन लाल सहगल पर लिखी किताब ‘कुंदन’ को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इसके पहले दो हजार तीन में उनकी ही किताब ‘ऋतु आए, ऋतु जाए’ को नेशनल अवॉर्ड मिला था। यह किताब संगीतकार अनिल विरभावा की राष्ट्रीय पुरस्कार में दो हजार पांच के बाद यानी बारह साल बाद किसी हिंदी की कृति का चयन किया गया है। दो हजार पांच में शरद दत्त की कुंदन लाल सहगल पर लिखी किताब ‘कुंदन’ को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इसके पहले दो हजार तीन में उनकी ही किताब ‘ऋतु आए, ऋतु जाए’ को नेशनल अवॉर्ड मिला था। यह किताब संगीतकार अनिल विरभावा की राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और उसके बाद से पंद्रह साल हो गए लेकिन किसी हिंदी के लेखक को फिल्म समीक्षा का नेशनल अवॉर्ड नहीं मिल पाया है। क्यों? इस बात पर विचार किया जाना चाहिए। फिल्मों से जुड़ी हिंदी में लिखी



गई किताब पर भी एक युग के बाद पुरस्कार दिया जा रहा है। क्यों? इसपर भी विचार किया जाना चाहिए।

हिंदी के लिए हालांकि यह बेहद अच्छी स्थिति है। पिछले दो तीन सालों में हिंदी में काम भी अच्छा हुआ है और उत्साह का माहौल भी रेखांकित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी। पूरी दुनिया को अब हिंदी का बड़ा बाजार नजर आ रहा है, लिहाजा हिंदी में निवेश की संभावनाएं भी तलाशी जा इस रही हैं। पिछले दिनों वाणी प्रकाशन के निदेशक अरुण माहेश्वरी को लंदन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज ने बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजा। ऐसा पहली बार हुआ कि किसी हिंदी के प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड में सम्मानित किया गया हो। इस मौके पर ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज के चेयरमैन प्रोफेसर स्टीव ब्रिस्टो ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और भारतीय भाषाएं इस विविधता को आगे बढ़ाती हैं। उनके लिए यह गौरव का विषय है कि भारतीय भाषाओं में प्रमुख भाषा हिंदी के श्रेष्ठ प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड सम्मानित कर रहा है। प्रोफेसर समीक्षकों को ये प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है, ब्रजेश्वर मदान और विनोद अनुपम को। विनोद अनुपम को दो हजार दो में फिल्म समीक्षा का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और उसके बाद से पंद्रह साल हो गए लेकिन किसी हिंदी के लेखक को फिल्म समीक्षा का नेशनल अवॉर्ड नहीं मिल पाया है। क्यों? इस बात पर विचार किया जाना चाहिए। फिल्मों से जुड़ी हिंदी में लिखी

### रचनाकर्म

# यादों के गलियारों में बसे राजेंद्र यादव

मैत्रेयी पुष्पा की संस्मरणात्मक कृति

‘वह सफ़र था कि मुकाम था’ हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले संपादक और लेखक राजेंद्र यादव के जीवन और व्यक्तित्व के कई अनदेखे पहलुओं को उजागर करता है। लेखिका ने निष्पक्ष होकर उनके बारे में लिखा है ...

<b>पुस्तक<span> </span>:</b> वह सफर था कि मुकाम था
<b>लेखक<span> </span>:</b> मैत्रेयी पुष्पा
<b>मूल्य<span> </span>:</b> ३९5 रुपये
<b>प्रकाशन<span> </span>:</b> राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खास नहीं था, लेकिन उनके पास करिश्माई व्यक्तित्व जरूर था। तभी तो लेखन सीखने वाली युवा लेखिकाएं मधुमक्खियों की तरह उनके आस-पास मंडराया करतीं। राजेंद्र जी भी दृढ़ के धुले नहीं थे। स्त्री-विमर्श की शुरुआत करने वाले राजेंद्र यादव इस स्थिति का खूब फायदाउठाते। उनकी इश्कमिजाजी को कहानियां खूब गुंजा करतीं। जब लोग उन्हें और राजेंद्र जी को लेकर बातें बनाते, तो लेखिका संतित हो जाती। उस समय उनका स्त्री-स्वभाव जाग्रत हो जाता और उन्हें लगता कि इन किस्सों से उनका घर-परिवार भी प्रभावित होगा। ऐसा नहीं है कि उनके घरवाले या पति प्रभावित न



हुए हों। कई बार राजेंद्र जी और उनके किस्सों को लेकर उनके पति डॉक्टर साहब क्रोधित भी वाली युवा लेखिकाएं मधुमक्खियों की तरह उनके आस-पास मंडराया करतीं। राजेंद्र जी भी दृढ़ के धुले नहीं थे। स्त्री-विमर्श की शुरुआत करने वाले राजेंद्र यादव इस स्थिति का खूब फायदाउठाते। उनकी इश्कमिजाजी को कहानियां खूब गुंजा करतीं। जब लोग उन्हें और राजेंद्र जी को लेकर बातें बनाते, तो लेखिका संतित हो जाती। उस समय उनका स्त्री-स्वभाव जाग्रत हो जाता और उन्हें लगता कि इन किस्सों से उनका घर-परिवार भी प्रभावित होगा। ऐसा नहीं है कि उनके घरवाले या पति प्रभावित न

सिखाने का काम वे बड़े मनोयोग से करते। भावनात्मक लगाव होने के कारण लेखिका और उनके परिवार ने उनकी बीमारी का जिम्मा उठाया हुआ था। पति सहित पूरा परिवार डॉक्टरी पेशे में होने के कारण वक्त-बैवक्त उनकी मदद किया करता। राजेंद्र जी खुले दिलवाले थे। हंसी-मजाक और हाजिरजवाबी उनके व्यक्तित्व को जिंदादिल बना देता। लेखिका यह बताने से जरा भी परहेज नहीं करती हैं कि स्त्री स्वतंत्रता के सबसे बड़े हिमायती के रूप में खुद को पेश करने वाले राजेंद्र यादव को वे खुद स्त्री-शोषक के रूप में ही देखती थीं।

राजेंद्र जी को लेकर सिर्फ अच्छी बातें ही नहीं, कड़वी यादें भी में हैं। एक बार विभूति नारायण राय ने एक पत्रिका में लेखिकाओं पर अभद्र टिप्पणी की, तो अन्य लेखिकाओं सहित उन्हें भी यह बात बेहद नागवार लगी। जब अपना विरोध प्रकट करने के लिए वे सड़क पर उतर गईं, तो राजेंद्र यादव विद्रोह खत्म करने का दबाव बनाने लगे। उनकी सलाह नहीं मानने पर उन्होंने उनसे कई महीनों तक बोलचाल बंद करने के साथ-साथ उनके खिलाफ ‘हंस’ में संपादकीय तक लिख दिया। अंतिम परिणाम ‘वह सफर था कि मुकाम था’ में राजेंद्र यादव से मनमुटाव का आरंभ ही जब इतना शानदार है तो पूरे अंक की महत्ता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है, जिसमें आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, शिवप्रसाद सिंह, गिरिराज किशोर, रामदरश मिश्र, रामनारायण उपाध्याय, कृष्णबिहारी मिश्र, कैलाश वाजपेयी आदि करीब सौ लोगों का अध्ययन-मनन शामिल है।

ने मुझसे विवाह करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। वे एकमात्र स्त्री हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन विवाह के बाद हमारे संबंध का परित्र बदल जाएगा। एक पक्ष दूसरे पक्ष के शरीर, संपत्ति और अधिकारों का नियंत्रण करेगा। लेकिन ऐसा कोई कानून नहीं है जिसके तहत मैं, पति के रूप में, अपने निवेशपाधिकारों के छोड़ सकूं, ऐसा कोई कानून होता तो मैं जरूर उसका उपयोग करता। इसलिए मैं घोषणा करता हूं कि हमारा विवाह होने के बाद हैरिएट के सभी अधिकार वहीं रहेंगे जो अभी हैं। यह हमारे विवाह की एक अनिवार्य शर्त होगी। मैं समझता हूं मिल का यह घोषणापत्र दुनिया के महान प्रेम पत्रों में अन्यतम है। इस घोषणापत्र के द्वारा मिल अपने समाज और अपने समय

# विमर्श9

फिर से / बिपिन बिहारी दुवे

## गुम हो गई उस मेले की रौनक

सनातन धर्म में कार्तिक का महीना पावन और सबसे ज्यादा त्योहारों का होता है। हमारे बिहार में यह और खास इसलिए बन जाता है क्योंकि इस महीने में ही वहां का सबसे लोकप्रिय पर्व छठ आता है। हमारे गांव जवार के मर्नई लोगों के लिए यह महीना और भी खास होता था। जब कार्तिक पूर्णिमा के बाद मेरा गांव से चार किलोमीटर दूर अर्जुनपुर में चटनिया मेला लगता था, जो आश्विन मास के अमावस (पीडिया) तक चलता था। (पीडिया बिहार और यूपी के पूर्वांचल में बहनों का त्योहार है। एक महीना तक चलने वाले इस पर्व में बहनें अपने भाई की सुरक्षा के लिए व्रत करती हैं।)

चटनिया मेला के शुरू होने से पहले पास के ही सहियार में पशुओं का मेला भी लगता था, जिसका इंतजार सभी लोग बहुत बेसब्री से करते थे। अपनी पुरानी गाय-भैंस को बेचकर नया लाना हो या नया खरीदना हो। हम बच्चों को इस मेले से बहुत ज्यादा लगाव नहीं होता था। बस हम यह पता लगाने में रहते थे कि इस बार मेले की सबसे महंगा गाय, भैंस और घोड़ा कितने का बिका? और ये रिकॉर्ड अगले साल तक टूटेगा या नहीं? पशुओं का मेला तीन दिन तक चलता था। उसके तुरंत बाद ‘चटनिया मेला’ शुरू होता था। यह मेला अपने जलेबी के लिए बहुत महाशूरा था। इस मेले की गुड़इहा जलेबी का स्वाद कहीं और की जलेबी में नहीं था। दादी कहती थी कि ‘पहले जलेबी सिर्फ इस मेले में ही मिलती थी। क्योंकि तब हमारे गांव के आसपास में कोई बाजार नहीं था।’ मेले के दिनों में आने वाले रिशतदार भी जलेबी ही लाते थे। जलेबी के अलावा छोला और फूचका यानी गोल गप्पा इस मेले के आकर्षण थे। हम बच्चों के लिए चरखी वाला, नाव वाला, हेलिकॉप्टर वाला आदि झूलों के साथ नाव-सागिन का खेल, जादू, मोत का कुआं आदि रिसाने का सामग्री मौजूद हुआ करती थीं। कुछ साल बाद वीसीआर के माध्यम से सिनेमा दिखाया जाने लगा। तबूं में जो सिनेमा चलता था उसकी एक रीति (मार-धाड़ से भरपूर) तस्वीर दरवाजे पर लगी रहती थीं। मैं भी वह सिनेमा देखने जाता था लेकिन मार-धाड़ वाली फिल्में मुझे कुछ खास पसंद नहीं थीं। मेले में कुछ फोटो स्टूडियो की दुकानें

भी लगी थीं। इसमें फोटो खिंचाना मेले में आने वाली लड़कियों का सबसे जरूरी काम था। इसके अलावा ‘मीना बाजार’ जिसमें लड़कियों के सौंदर्य सामग्री मिलती थी। ये दोनों ही जगह मुझे मेले की सबसे थकाऊ हिस्सा लगती थीं। क्योंकि जब मैं बहुत छोटा था तो दादी और दीदी के साथ मेला जाया करता था। दीदी ज्यादातर अपनी सहेलियों के साथ मीना बाजार और फोटो स्टूडियो के आसपास ही घुमती थी। मैं कहीं गुम न हो जाऊं इसलिए वह मेरा हाथ पकड़े घुमाती रहती थी। मेले में एक लंबे से बांस पर ढेर सारी बांसुरी लिए बेचने वाले घुमते रहते थे। वह चलते चलते बांसुरी बजाते भी रहते थे। मुझे भी उनको सुनकर बांसुरी बजाने का मन होता था पर ज्यादा महंगी होने के कारण कभी ले नहीं पाया। तब हम भाई-बहन घर से 20-30 रुपये लेकर मेला जाते थे। उसमें चाट खाना, झूला झुलाना और घर के लिए जलेबी लेकर आना सब होता था। जलेबी खाने का सबसे बढ़िया अवसर तब आता था जब मेला अपने उचाट(समाप्ती) पर होता था। माम्मी खास कर दुकानदरों से डील करने के लिए उपाय बता कर भेजती थीं। दुकानदार से बोला कि ‘भइया अब त मेला खतम होता अब तहार जलेबी के खाई देव त दे द बारह रुपया किलो (तब जलेबी 16 रुपये किलो हुआ करती थी। अक्सर माम्मी का दिया शस्त्र सफल हो जाता था।

धीरे-धीरे अर्जुनपुर, निवाजीपुर, दुर्ललहपुर में एक स्थायी बाजार बन गया जो कुछ समय बाद मेले से भी बड़ा हो गया। अब वहां जलेबी साल भर मिलने लगे। हर जरूरत के सामान उस बाजार में मिलने लगे हैं। मेले की प्रासंगिकता समाप्त हो गई। इस तरह एक ऐसा मेला जो साल में एक बार आता था और पूरे क्षेत्र के लोगों के जीवन में उत्साह और खुशियों के रंग भर कर जाता था। लेकिन वक्त ने उस मेले को किस्सों-कहानियों लपेट कर हमारी जेहन के किसी कोने में उसे तन्हा छोड़ दिया है। अब वहां बहुत बड़ी-बड़ी दुकानें खुल गई हैं। भौड़ हर रोज मेले से भी ज्यादा होने लगी है। लेकिन वह मेले वाली रौनक और उत्साह अब कहीं नजर नहीं आता।

(लेखक स्वर ब्लॉग से साभार)

## एक मनीषी के संपूर्ण मूल्यांकन की कोशिश

आगरा स्थित भारत सरकार का केंद्रीय हिंदी संस्थान त्रैमासिक पत्रिका ‘गवेषणा’ प्रकाशित करता है। ‘गवेषणा’ का ताजा अंक महापंडित राहुल सांकृत्यायन जैसी प्रतिभा वाले समकालीन मनीषी और अप्रतिम निबंधकार पंडित विद्यानिवास मिश्र पर केंद्रित है, जिसमें उनका बहुमुष्ठी रचनात्मकता के विभिन्न पक्षों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया है। ‘पं. विद्यानिवास मिश्र विशेषांक’ का आरंभ प्रख्यात संपादक और आलोचक शिवनारायण के आलेख ‘लोक संस्कृति का सौंदर्य’ से हुआ है, जिसमें उन्होंने पं. विद्यानिवास मिश्र के सन् 1९५३ में प्रकाशित ललित निबंधों के संग्रह ‘छितवन की छांह’ पर आत्मीयता से डूबकर लिखा है। ‘गवेषणा’ के इस विशेषांक का आरंभ ही जब इतना शानदार है तो पूरे अंक की महत्ता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है, जिसमें आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, शिवप्रसाद सिंह, गिरिराज किशोर, रामदरश मिश्र, रामनारायण उपाध्याय, कृष्णबिहारी मिश्र, कैलाश वाजपेयी आदि करीब सौ लोगों का अध्ययन-मनन शामिल है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)





### यूट्यूब पर 10 हजार व्यू होने पर ही मिलेंगे विज्ञापन

**न्यूयॉर्क** : ‘यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम’ में बदलाव के तहत अब 10 हजार व्यूज होने पर ही यूट्यूब पर किसी चैनल को विज्ञापन की सुविधा मिलेगी। इससे यह भी पुष्टि होगी कि चैनल कंपनी के नियम और विज्ञापन देने वालों की नीति का पालन कर रहा है या नहीं। 10 हजार व्यू होने पर कंपनी वीडियो द्वारा नीतियों के पालन का विश्लेषण करेगी और फिर विज्ञापन शुरूकरेगी।

## बीजा मसले पर अमेरिका से बात कर रहा है भारत

**हैदराबाद, प्रे्ट** : सरकार एच1-बी बीजा के मसले पर अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत कर रही है और इसके लिए उद्योग के साथ मिलकर काम कर रही है। यह जानकारी वाणिज्य व उद्योग मंत्री सीतारमण ने दी।

यहां एक कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा कि सरकार बीजा के मसले पर उद्योग के साथ मिलकर काम कर रही है। बदलाव के दौर से गुजर रहे आइटी उद्योग को सरकार की मदद की जरूरत है। हम इसके लिए उद्योग के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि वाणिज्य व विदेश सचिव ने इस मसले पर अमेरिका जाकर प्रशासन के साथ बातचीत की थी।

सीतारमण ने कहा कि उद्योग समझौते है कि हम अमेरिका जाते हैं, वहीं अमेरिकी कंपनियां भारत आती हैं और पिछले कई वर्षों से वे यहां निवेश कर रही हैं। वे भारत में विस्तार भी कर रही हैं। बीजा के मसले पर जहां हम अपने लोगों के लिए चिंतित हैं, वहीं भारत में ये कंपनियां अपने निवेश को लेकर चिंतित हैं। हम यहां सिर्फ एच1-बी बीजा की बात कर रहे हैं। लेकिन अमेरिकी कंपनियों के लिए भी यह सवाल है कि भारत में निवेश के लिए पर्याप्त संरक्षण है या नहीं।

## नोटबंदी का मकसद काफी हद तक पूरा : सीतारमण

**हैदराबाद, प्रे्ट** : वाणिज्य व उद्योग मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि नोटबंदी का मकसद काफी हद तक पूरा हो गया है क्योंकि काफी बाहर न आने वाली नकदी अब बैंक खातों में पहुंच गयी है।

यंग फिक्की लेडीज के साथ एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए सीतारमण ने कहा कि उनका पूरा विश्वास है कि नोटबंदी का उद्देश्य काफी हद तक प्राप्त किया जा चुका है। आंकड़ों के बारे में विस्तृत जानकारी देने में ज्यादा समय लग सकता है। अघोषित नकदी बैंक खातों में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि यह देखना भारतीय रिजर्व बैंक का काम है कि जो नकदी जमा हुई है, उस पर कितने जमाकर्ताओं ने टैक्स भरा है और कितनों ने नहीं भरा है। इसका विवरण तैयार होने के बाद हमें प्रमाण होगा।

सीतारमण ने कहा कि पिछले साल 30 सितंबर तक आय घोषणा स्कीम चलाई गई थी। इसके तहत बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी अघोषित आय की घोषणा की। इसके बाद नवंबर में नोटबंदी की घोषणा की गई। बैंकों में नकदी जमा होने लगी। हो सकता है कि इसमें



**कभी बाहर नहीं आई नकदी नोटबंदी के चलते बैंक खातों में जमा हो गई**

कुछ ऐसे लोग होंगे जिन्होंने पिछली स्कीम में घोषणा की थी। हो सकता है, अभी हमें उसकी जानकारी न हो। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय नकदी होने का दावा किया। इसके बाद सरकार कहती है कि यह नकदी जमा हुई। लेकिन यह नकदी क्या काला धन है, नहीं। पहले घोषणा होने के कारण यह नकदी पिछली स्कीम शामिल हो गई। ऐसे मामले बड़ी संख्या में लंबित हैं और उनकी जांच की जानी है। इसी वजह से देरी हो रही है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि वह आरबीआइ के आंकड़े आने की प्रतीक्षा करेंगी कि बैंक खातों में जमा कितनी राशि सफेद है और कितनी राशि काला धन है।

## आम सहमति ▶ इरडा के 27 फीसद प्रीमियम वृद्धि के प्रस्ताव पर बनी सहमति

# थर्ड पार्टी प्रीमियम में होगी कम वृद्धि

## दक्षिणी राज्यों के ट्रांसपोर्टर्स ने हड़ताल खत्म करने का फैसला किया

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

वाहन स्वामियों को थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम की दर में रहत मिल सकती है। बीमा नियामक इंडा प्रीमियम बढ़ाती की को कम करके 27 फीसद करने पर राजी हो गया है। इस पर ट्रांसपोर्टर भी राजी हो गये हैं। बेंगलुरु से पीटीआइ की रिपोर्ट के अनुसार प्रीमियम के मसले पर ट्रक एसोसिएशन ने हड़ताल खत्म करने का फैसला किया है।

इरडा ने बीमा कंपनियों को पहली अप्रैल, 2017 से थर्ड पार्टी प्रीमियम (टीपीपी) में 41 फीसद तक की बढ़ातरी की इजाजत दे दी है। इससे ट्रांसपोर्टर बेहद नागज हैं। दक्षिण भारत के कुछ ट्रांसपोर्ट संगठनों तथा ट्रकों के संगठन अकोगोवा ने इसे लेकर पहली अप्रैल से कुछ

### न्यूज गैलरी

## इंटिग्रल कोच फैक्ट्री की मेट्रो ट्रेन मार्केट पर नजर

**चेन्नई** : प्रमुख कोच मैन्यूफैक्चरर इंटिग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) की देश में बढ़ते मेट्रो ट्रेन मार्केट पर नजर है। वह केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय और राज्यों के साथ संपर्क में हैं। आईसीएफ के महाप्रबंधक एस मणि ने कहा कि वर्तमान में कोच विनिर्माता कोलकाता मेट्रो के लिए कोच बना रही है। आईसीएफ अन्य राज्यों के लिए भी कोच बनाने की इच्छुक है। उत्तर प्रदेश सहित कई भारतीय राज्य नए मेट्रो ट्रेन रूट पर विचार कर रहे हैं।

## निर्यात चेतावनी से और डेविड उत्पादों को बाहर किया गया

**नई दिल्ली** : दवा बनाने वाली कंपनी डिविस लेबोरेटरीज को रहत मिली है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कंपनी के विशाखापट्टनम संयंत्र में बने कुछ और उत्पादों को आयात चेतावनी से मुक्त किया है। यह चेतावनी पूर्व में जारी की गई थी। इससे पहले दस उत्पादों को मुक्त किया गया था। इस साल 22 मार्च को स्वास्थ्य व दवा नियामक यूएसएफडीए ने विशाखापट्टनम में कंपनी की यूनिटों में से एक में बने उत्पादों के लिए आयात चेतावनी जारी की थी। इसके लिए नियामक ने मैन्यूफैक्चरिंग नियमों के उल्लंघन का हवाला दिया था।

### इंडिगो ने एक दिन में 900

### उड़ानों को ऑफ़रेट किया

**नई दिल्ली** : नो-फ़्रिल एयरलाइन इंडिगो ने सात अप्रैल को 900 उड़ानों को संचालित किया। एक दिन में किसी भारतीय एयरलाइन की ओर से उड़ानों की यह सर्वाधिक संख्या है। इंडिगो के प्रेसीडेंट और प्रबंधनात्मक डायरेक्टर आदित्य घोष ने कहा कि ऐसा करके हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं। अगरला लक्ष्य 1000 फ्लाइट संचालित करने का है। 131 एयरबस एिमानों के बेड़े के साथ इंडिगो 44 गंतव्यों के लिए उड़ानों का संचालन करती है।

## एटी-डिप्रेसेंट दवा के लिए ल्यूपिन को मिली मंजूरी

**नई दिल्ली** : प्रमुख दवा कंपनी ल्यूपिन को ब्यूरोफ़ियान हाइड्रोक्सीलॉरिड टेब्लेट के लिए अमेरिकी दवा नियामक यूएसएफडीए की मंजूरी मिली है। इस दवा का इस्तेमाल अवसाद के विकार को दूर करने में होता है। कंपनी का उत्पाद वैलेंट फार्मास्यूटिकल्स नई अमेरिका एलएलसी की एबी टेस्टेड वेलबुटिन गोलियों के समान है।

## डीआरआइ ने दो आयातकों से जब्त किए 5.62 करोड़

**नई दिल्ली** : डीआरआइ ने दो आयातकों से 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। आयात शुल्क चोरी के मामले की जांच के दौरान भी गई तलाशी में यह राशि पकड़ी गई है।

राजस्व गुप्तचर निदेशालय (डीआरआइ) आयातित सामान के बिल में कथित गड़बड़ी की जांच में जुटा था। बिल में चीन और ताइवान से आयातित सामान के बदले किए गए भुगतान से कीमत कम दर्शाया गया था। आयातकों ने दोनों देशों से सेल्फ डिज़िंग स्कू आयात किए गए थे।

डीआरआइ ने शनिवार को जारी बयान में बताया है कि आयातकों के आवासीय परिसर से 500 और 2000 रुपये के नए नोट मिले। कुल 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। आयात किए गए सेल्फ डिज़िंग स्कू की पूरी खेप तुलुकाबाद कंटेनर डिपो और आयातकों के वेयरहाउस में पड़े हैं। डीआरआइ ने कहा है कि आयातकों ने कुल 20 करोड़ रुपये की सीमा शुल्क की चोरी की है।

## फेसबुक जल्द शुरू करेगा फ्री ‘वर्कप्लेस’ सर्विस

**न्यूयॉर्क** : सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक ने अपने व्यावसायिक प्लेटफॉर्म ‘वर्कप्लेस’ का फ्री वर्जन शुरू करने की घोषणा की है। वर्कप्लेस, फेसबुक की व्यावसायिक मैसैजिंग सेवा है। कारोबार जगह में वर्कप्लेस का उपयोग एक तप समूह के भीतर चैट करने और फाइल शेयर करने के लिए होता है।

राज्यों में चक्का जाम कर रहा था। जबकि अखिल भारतीय संगठन आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कॉंग्रेस (एआइएमटीसी) तथा अटवा ने पहले 20 अप्रैल और फिर आठ अप्रैल से हड़ताल का प्रस्ताव किया था। पीटीआइ के अनुसार ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ गुड्स व्हीकल ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चन्ना रेड्डी ने हैदराबाद से फोन पर बताया कि इरडा से शनिवार को हमारी बैठक हुई। उन्होंने प्रीमियम वृद्धि घटाकर 27 फीसद तक कर दी है। इसके बाद हड़ताल खत्म करने का फैसला किया गया। जल्दी ही दक्षिणी राज्यों में हालात सामान्य हो जाएंगे।

ट्रांसपोर्टरों के रुख को देखते हुए इरडा ने 27 मार्च को हैदराबाद में ट्रांसपोर्टर्स और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें इरडा ने प्रीमियम को जायज ठहरते हुए से संबंधित रिकॉर्ड देखने के लिए 15 दिन का समय दिया था। इरडा का कहना था कि जब तक रिकॉर्ड की जांच नहीं हो जाती तब तक ट्रांसपोर्टर्स को हड़ताल स्थगित कर देनी चाहिए।



**जीएसटी, केरिज एक्ट व टीडीएस पर हड़ताल को लेकर संशय बरकरार**

लेकिन ट्रांसपोर्टरों का कहना था कि जब तक उनकी पड़ताल पूरी नहीं हो जाती तब तक प्रीमियम बढ़ाती की ही स्थगित रखा जाए। इरडा के इस पर राजी न होने पर वार्ता विफल हो गई थी। इसके बाद ट्रांसपोर्टर प्रतिनिधियों ने दिल्ली में वित्त राज्यमंत्री संतोष गंगवार से मुलाकात कर मामले में दखल देने का अनुरोध किया। अगले दिन उन्होंने सड़क मंत्रालय के अफसरों के साथ भी बैठक की। सरकार के ट्रांसपोर्टर्स को हड़ताल स्थगित कर देनी चाहिए।

# अभिनेता सचिन जोशी का हुआ किंगफिशर विला

**मुंबई, प्रे्ट** : नीलामी के तीन विफल प्रयासों के बाद आखिरकार बैंकों को किंगफिशर विला को बेचने में सफलता मिली है। उद्योगपति विजय माल्या की गोवा में बनी इस आलीशान प्रॉपर्टी पर अब अभिनेता सचिन जोशी के नाम की प्लेट चमकेगी। एक निजी समझौते के जरिये 73 करोड़ रुपये में इस संपत्ति का सौदा हुआ है। जोशी कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुके हैं। ‘मुंबई मिरर’, ‘अजान’, ‘जैकपोट’ और ‘वीरप्पन’ जैसी बॉलीवुड फिल्मों में रह दिखाई दिए थे।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुआई में 17 बैंकों के कंसोर्टियम का किंगफिशर एयरलाइंस पर 9000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एयरलाइन की संपत्तियां बैंकों को कस्टडी में हैं। इन्हें बेचकर बैंक अपना कर्ज वसूलने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने किंगफिशर विला को बेचकर ही हम लिया। इस विला में कभी माल्या भव्य पार्टियां दिया करते थे।

इस हफ्ते के शुरू में किंगफिशर विला को इस पर अधिकांर हुआ करता था। मई, 2016 में बैंकों ने इसका कब्जा अपने हाथ में ले लिया था। उधारदाताओं ने किंगफिशर लोणे के ब्रांड मार्च को किया गया था। अब उधारदाताओं के नीलाम करने की कोशिश की थी। लेकिन इसमें इस प्रॉपर्टी की कीमत 150 करोड़ रुपये आंकी



**वैंकों ने 73 करोड़ रुपये में किया इस प्रॉपर्टी का सौदा**

गई थी। लेकिन चौथे दौर में भी इसकी नीलामी नहीं हो सकी थी।

17 बैंकों के कंसोर्टियम और वाइकिंग मीडिया के मालिक अभिनेता-निर्माता सचिन जोशी दोनों पक्षों ने सौदी की पुष्टि करने से इन्कार कर दिया है। लेकिन सुत्रों की मानें तो उत्तरी गोवा में बने विला को 73.01 करोड़ रुपये में अंततः जोशी को बेच दिया गया है। यह बैंकों की ओर से रखे गए आरक्षित मूल्य 90 करोड़ रुपये से कहीं कम है।

यह विला 12,350 वर्ग फीट या तीन एकड़ में फैला है। एयरलाइन की पैंट कंपनी में बने विला को 73.01 करोड़ रुपये में अंततः जोशी को बेच दिया गया है। यह बैंकों की ओर से रखे गए आरक्षित मूल्य 90 करोड़ रुपये से कहीं कम है।

यह विला 12,350 वर्ग फीट या तीन एकड़ में फैला है। एयरलाइन की पैंट कंपनी में बने विला को 73.01 करोड़ रुपये में अंततः जोशी को बेच दिया गया है। यह बैंकों की ओर से रखे गए आरक्षित मूल्य 90 करोड़ रुपये से कहीं कम है।

# एक्सचेंज स्कीम वालों के लिए नियम

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद एक्सचेंज स्कीम में सामान बेचने वाले पूर्णकालिक डायरेक्टर आदित्य घोष ने कहा कि ऐसा करके हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं। अगरला लक्ष्य 1000 फ्लाइट संचालित करने का है। 131 एयरबस एिमानों के बेड़े के साथ इंडिगो 44 गंतव्यों के लिए उड़ानों का संचालन करती है।

## एटी-डिप्रेसेंट दवा के लिए ल्यूपिन को मिली मंजूरी

**नई दिल्ली** : प्रमुख दवा कंपनी ल्यूपिन को ब्यूरोफ़ियान हाइड्रोक्सीलॉरिड टेब्लेट के लिए अमेरिकी दवा नियामक यूएसएफडीए की मंजूरी मिली है। इस दवा का इस्तेमाल अवसाद के विकार को दूर करने में होता है। कंपनी का उत्पाद वैलेंट फार्मास्यूटिकल्स नई अमेरिका एलएलसी की एबी टेस्टेड वेलबुटिन गोलियों के समान है।

## डीआरआइ ने दो आयातकों से जब्त किए 5.62 करोड़

**नई दिल्ली** : डीआरआइ ने दो आयातकों से 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। आयात शुल्क चोरी के मामले की जांच के दौरान भी गई तलाशी में यह राशि पकड़ी गई है।

राजस्व गुप्तचर निदेशालय (डीआरआइ) आयातित सामान के बिल में कथित गड़बड़ी की जांच में जुटा था। बिल में चीन और ताइवान से आयातित सामान के बदले किए गए भुगतान से कीमत कम दर्शाया गया था। आयातकों ने दोनों देशों से सेल्फ डिज़िंग स्कू आयात किए गए थे।

डीआरआइ ने शनिवार को जारी बयान में बताया है कि आयातकों के आवासीय परिसर से 500 और 2000 रुपये के नए नोट मिले। कुल 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। आयात किए गए सेल्फ डिज़िंग स्कू की पूरी खेप तुलुकाबाद कंटेनर डिपो और आयातकों के वेयरहाउस में पड़े हैं। डीआरआइ ने कहा है कि आयातकों ने कुल 20 करोड़ रुपये की सीमा शुल्क की चोरी की है।

## फेसबुक जल्द शुरू करेगा फ्री ‘वर्कप्लेस’ सर्विस

**न्यूयॉर्क** : सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक ने अपने व्यावसायिक प्लेटफॉर्म ‘वर्कप्लेस’ का फ्री वर्जन शुरू करने की घोषणा की है। वर्कप्लेस, फेसबुक की व्यावसायिक मैसैजिंग सेवा है। कारोबार जगह में वर्कप्लेस का उपयोग एक तप समूह के भीतर चैट करने और फाइल शेयर करने के लिए होता है।

## जीएसटी की पाठशाला

**एक्सचेंज स्कीम में वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यांकन के लिए स्पष्ट प्रावधान**

### खास बातें

#### ▶ जीएसटी में कुल 9 प्रकार के हैं नियम

**मूल्यांकन के नियमों पर तय होगी सेवा और वस्तु विक्री की कीमत**

**बीमा और हवाई सेवा के मूल्य निर्धारण के अलग प्रावधान**

उदाहरण उन दुकानदारों के बड़े काम आ सकते हैं जो एक्सचेंज स्कीम में मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप, मोटरसाइकिलें, टीवी और फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सामान या वाहन बेचने का काम करते हैं।

उदाहरण के लिए अगर कोई कंपनी या विक्रेता एक पुराने फोन के बदले नया फोन 20

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

इन नियमों में बीमा और हवाई सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 से जीएसटी लागू करने का लक्ष्य रखा है। जीएसटी लागू होने के बाद केंद्रीय उच्चाय शुल्क, सेवा कर और वैट सहित केंद्र और राज्यों के कई प्रमुख कर समाप्त हो जाएंगे। पूरे देश में जीएसटी की समान दरें होंगी। पूरे देश में वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार आसान होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

इन नियमों में बीमा और हवाई सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 से जीएसटी लागू करने का लक्ष्य रखा है। जीएसटी लागू होने के बाद केंद्रीय उच्चाय शुल्क, सेवा कर और वैट सहित केंद्र और राज्यों के कई प्रमुख कर समाप्त हो जाएंगे। पूरे देश में जीएसटी की समान दरें होंगी। पूरे देश में वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार आसान होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

## इंडियन ऑयल का केरल में 5400 करोड़ रुपये का निवेश होगा

**कोच्चि, आइएनएस** : इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. ने कहा है कि केरल में वह अपनी विभिन्न बुनियादी परियोजनाओं के लिए 5400 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इस निवेश से राज्य की अर्थव्यवस्था और काफी फायदा मिलेगा।

केरल में कंपनी की योजनाओं के बारे में आइओसी के केरल प्रमुख पी. एस. मोनी ने कहा कि कीचीन पोर्ट ट्रस्ट के सेज में कंपनी एलपीजी आयात टर्मिनल बना रही है। इसकी सालाना क्षमता छह लाख टन होगी। इस परियोजना में जेड्री से कोच्चि में एलपीजी प्लांट होते हुए कोच्चि रिफाइनरी तक पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी। यह पाइपलाइन कोच्चि-सलेम पाइपलाइन के साथ जोड़ी जाएगी। कोच्चि-सलेम पाइपलाइन भी निर्माणाधीन है। एलपीजी टर्मिनल समेत पूरी परियोजना का निर्माण बीपीसीएल द्वारा फलक्कड़ में किया जा रहा है। इस परियोजना की कुल लागत 2200 करोड़ रुपये है। मोनी ने कहा कि यह टर्मिनल काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में पचासव एलपीजी मांग के मुकाबले मुश्किल से उपलब्ध फीसद है।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

# चांदी 800 रुपये लुढ़की, सोना सपाट बंद हुआ

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : विदेश में कमजोरी के बीच औद्योगिक यूनिटों की मांग के अभाव में शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में चांदी 800 रुपये लुढ़ककर 42 हजार के स्तर से नीचे पहुंच गई। यह सफेद धातु इस दिन 41 हजार 750 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई। इसके उलट सोना पुनस्तर 29 हजार 300 रुपये प्रति दस ग्राम पर यथावत बंद हुआ।

न्यूयॉर्क के अंतरराष्ट्रीय सराफा बाजार में बीते रोज चांदी 1.54 फीसद टूटकर 17.96 डॉलर प्रति औंस बोली गई। सोना भी 0.18 फीसद फिसलकर 1253.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसका असर घरेलू बाजार की धारणा पर भी पड़ा।

स्थानीय सराफा बाजार में साप्ताहिक डिलीवरी वाली चांदी 1,010 रुपये के नुकसान में 41 हजार 380 रुपये प्रति किलो बोली गई। चांदी सिक्का अपने पिछले स्तर 71000-72000 रुपये प्रति सेंकड़ा पर जस का तस बंद हुआ। सोना अभूषण के भाव पूर्वस्तर 29 हजार

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

इन नियमों में बीमा और हवाई सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 से जीएसटी लागू करने का लक्ष्य रखा है। जीएसटी लागू होने के बाद केंद्रीय उच्चाय शुल्क, सेवा कर और वैट सहित केंद्र और राज्यों के कई प्रमुख कर समाप्त हो जाएंगे। पूरे देश में जीएसटी की समान दरें होंगी। पूरे देश में वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार आसान होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।

पुरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और विक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा।











### न्यूज गेलरी

#### अनुभव ने जीते दो पदक

**गुरुग्राम** : भारतीय शूटर अनुभव प्रताप सिंह ने दूसरी इंडो-भूटान विवा बोर शूटिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को 300 मीटर फ्री राइफल पॉन इंवेंट की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्पर्धा में रजत पदक पर निशाना साधा। गांव कादरपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप में चल रही चौथयनशिप में अनुभव 588 अंकों के साथ पहले, जबकि भारत के ही राहुल पुनिया 587 अंकों के साथ दूसरे और हीरा सिंह 587 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। भारत के पुथ्वी राज और अजीत कुमार सिंह क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

#### एथलेटिक्स कार्यक्रम में किया गया बदलाव

**नई दिल्ली** : फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के प्रस्तावित कार्यक्रम ( 11-14 मई ) में बदलाव किया गया है। यह प्रतियोगिता अब नई दिल्ली में एक जून से चार जून तक होगी। एशियाई एथलेटिक्स प्रतियोगिता के एक महीने के एक महीने टलने के बाद इस कार्यक्रम में बदलाव जरूरी हो गया था। यह महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पहले एक जून से चार जून के बीच रंची में होनी थी, जो अब छह जुलाई से नौ जुलाई तक भुवनेश्वर में होगी। इसके चलते भारतीय एथलेटिक्स संघ को अपने कैलेंडर में बदलाव करना पड़ा।

#### आइओए ने बीएफआइ को मान्यता दी

**नई दिल्ली** : भारतीय ओलंपिक संघ ( आइओए ) ने लंबे समय से चले रहे गतिरोध को खत्म करते हुए भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआइ) को मान्यता दे दी। आइओए ने बीएफआइ अध्यक्ष अजय सिंह को भेजे पत्र में कहा, ‘अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सात फरवरी को भेजे पत्र में निहित निर्देशों के तहत आइओए, बीएफआइ को मान्यता देता है वर्यतः आइओए की कार्यकारी परिपद या आमसभा इसे मंजूरी दे।'

#### श्याम ने जीता स्वर्ण

**नई दिल्ली**: भारतीय मुक्केबाज के श्याम कुमार (49 किग्रा ) ने बैंकका में हुए थाईलैंड अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रिंग में उठते विना ही स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। 2015 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने वाले श्याम का कानूनन में उज्बेकिस्तान के हसनबाॅय दस्मातोव से मुकाबला होना था, लेकिन चोट के चलते वह रिंग में नहीं उतर सके, जिसके चलते श्याम को वॉकओवर मिल गया।

## केस निपटाने में परिवार से नहीं कर पाया न्याय

**योगेश कुमार राज, मुजफ्फरनगर**

141 दिन के कार्यकाल में परिवार विवाद के 4717 मामले निपटाकर इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में नाम दर्ज करगें वाले न्यायाधीश टीबी सिंह की वेदना है कि वह अपने परिवार के साथ ही न्याय नहीं कर पाए। व्यवस्ता के कारण वह अपने परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। गौरवपुर के रहने वाले और बतौर एसोसिएट प्रोफेसर अपने करियर की शुरुआत करने वाले न्यायाधीश तेज बहादुर सिंह ने हमारे संवाददाता से विभिन्न विषयों पर अपनी राय रखी।

हजारों लोगों को इंसाफ देने वाले टीपी सिंह बताते हैं कि काम की अधिकता की वजह से पत्नी और बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। आज तक बच्चों के साथ किसी होटल में खाना खाने तक नहीं जा पाए। इसके चलते कई बार परिवार में नाराजगी भी हुई, लेकिन अब परिवारोजन भी समझने लगे हैं।

वह पारिवारिक विवादों का प्रमुख कारण सहनशीलता का अभाव, अहंकार का टकराव और संस्कारों की कमी को मानते हैं। वह कहते

### बूचड़खानों पर चला सरकार का डांडा

**जागरण संवाददाता, देहरादून** : उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार तड़के पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे बूचड़खानों पर कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर एक साथ की गई कार्रवाई में सात बूचड़खानों का चालान कर कई टन मांस नष्ट किया गया।

इनके संचालकों को अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। उत्तराखंड में अवैध रूप से तमाम बूचड़खाने संचालित हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ ही खाद्य विभाग को इनकी लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बावजूद इसके कोई भी विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। हालांकि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू हुई तो इसे लेकर पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में भी सुगबुगाहट होने लगी थी। इसी क्रम में शनिवार को देहरादून में यह कार्रवाई की गई।

**लाइसेंस लेने के लिए कहा जाएगा बूचड़खानों को** : उत्तराखंड में अवैध बूचड़खानों पर अब सरकार सख्ती करने जा रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने सभी बूचड़खानों का परीक्षण करने का निर्णय लिया है।

### बीसीसीआइ ► एसजीएम में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे पूर्व अध्यक्ष

## श्रीनिवासन को लेकर मचा बवाल

#### कुछ प्रदेश इकाइयों ने रविवार को होने वाली बैठक में हिस्सा लेने से मना किया

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के रविवार को होने वाली विशेष आम सभा (एसजीएम) में भाग लेने और आइसीसी के प्रतिनिधि के तौर पर उनके नाम के प्रस्ताव को लेकर खवाल मचा हुआ है। वह शनिवार को दिल्ली पहुंच चुके हैं और रविवार को दिल्ली के फोर्टिस होटल में आइसीसी में बीसीसीआइ के प्रतिनिधि के तौर पर कुछ प्रदेश इकाइयों उनके नाम का एसजीएम में प्रस्ताव रख सकती हैं, जबकि कुछ प्रदेश इकाइयों ने इस बैठक से हिस्सा लेने से मना कर दिया है। सुप्रीम

## क्रिकेटरों के चयन में धांधली

**अभिषेक त्रिपाठी, नई दिल्ली**

क्रिकेटरों के चयन पर सवाल हमेशा उठते रहे हैं, लेकिन इस बार तो चयनकर्ता ने ही क्रिकेटरों के चयन में धांधली का आरोप लगाया है और आरोप भी संयोजक पर है।

फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में शनिवार को नॉर्थ जोन की अंडर-19 जेडसीए (जोनल क्रिकेट अकादमी) कैप के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन होना था। अपने दिल्ली सहित इस जोन के पांच चयनकर्ता और संयोजक सिद्धार्थ वर्मा थे। चयनकर्ता आशु दानी का आरोप है कि सिद्धार्थ ने अपने दो चहेतों के नाम इसमें शामिल करने का दावा बनाया। जब उनकी नहीं मानी गई तो उनके सुझाए नाम को भी संयोजक ने शामिल करने से मना कर दिया। इससे तिलमिलाए दानी ने कहा कि संयोजक का काम चयन करना नहीं है। आप चयन में दखल दे रहे हैं। इस पर सिद्धार्थ ने कहा कि आपको जो करना हो करो। इसके बाद दानी उस मीटिंग से उठ गए। उन्होंने सिद्धार्थ के चयन में दखलंदगी की शिकायत सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विनोद राय के नेतृत्व वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) के चारों सदस्यों, बीसीसीआइ सीईओ राहुल जोहरी सहित अन्य अधिकारियों से की है। इस पर दैनिक जागरण ने सिद्धार्थ से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। वहीं इस सत्र में दिल्ली की अंडर-19, 16 और 14 के चयनकर्ता दानी ने सीओए को भेजे शिकायती मेल में लिखा

### बीसीसीआइ ► एसजीएम में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे पूर्व अध्यक्ष

## श्रीनिवासन को लेकर मचा बवाल

कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) भी इसके खिलाफ है। अब देखना है कि रविवार को ऊंट किस करवट बैठता है।

बैठक में बीसीसीआइ के सीईओ राहुल जोहरी भी भाग लेंगे, जबकि सीओए के चारों सदस्यों में से कोई भी मौजूद नहीं होगा। यह पहले ही बता दिया गया था कि विनोद राय विदेश में होंगे। इसके अलावा जोहरी एसजीएम का ब्यौत समिति को देंगे। बैठक के छह बिंदुओं के एजेंडे में मुख्य मुद्दा यह रहेगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की बैठकों और इस तरह को फ्रेंस में बीसीसीआइ के प्रतिनिधि या प्रतिनिधियों का चयन किस

## क्रिकेटरों के चयन में धांधली

**अभिषेक त्रिपाठी, नई दिल्ली**

क्रिकेटरों के चयन पर सवाल हमेशा उठते रहे हैं, लेकिन इस बार तो चयनकर्ता ने ही क्रिकेटरों के चयन में धांधली का आरोप लगाया है और आरोप भी संयोजक पर है।

फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में शनिवार को नॉर्थ जोन की अंडर-19 जेडसीए (जोनल क्रिकेट अकादमी) कैप के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन होना था। अपने दिल्ली सहित इस जोन के पांच चयनकर्ता और संयोजक सिद्धार्थ वर्मा थे। चयनकर्ता आशु दानी का आरोप है कि सिद्धार्थ ने अपने दो चहेतों के नाम इसमें शामिल करने का दावा बनाया। जब उनकी नहीं मानी गई तो उनके सुझाए नाम को भी संयोजक ने शामिल करने से मना कर दिया। इससे तिलमिलाए दानी ने कहा कि संयोजक का काम चयन करना नहीं है। आप चयन में दखल दे रहे हैं। इस पर सिद्धार्थ ने कहा कि आपको जो करना हो करो। इसके बाद दानी उस मीटिंग से उठ गए। उन्होंने सिद्धार्थ के चयन में दखलंदगी की शिकायत सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विनोद राय के नेतृत्व वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) के चारों सदस्यों, बीसीसीआइ सीईओ राहुल जोहरी सहित अन्य अधिकारियों से की है। इस पर दैनिक जागरण ने सिद्धार्थ से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। वहीं इस सत्र में दिल्ली की अंडर-19, 16 और 14 के चयनकर्ता दानी ने सीओए को भेजे शिकायती मेल में लिखा

है कि आज की चयनसमिति की बैठक में मैं हैरत में रह गया जब संयोजक अपने आप ही खिलाड़ियों के नाम लिखने लगे। मैंने इसका कड़ा विरोध किया, जिसका उन पर कोई असर नहीं हुआ। इसकी वजह से मैंने उनके खिलाफ वहां नोट भी लिखा।। मैं यह पूरी जिम्मेदारी से कह सकता हूँ कि कई अयोग्य खिलाड़ियों, जिनकी दिल्ली की अंडर-19 टीम में भी स्थायी जगह नहीं थी, उन्हें सिद्धार्थ ने अपनी शर्तों पर चुना।

इससे पहले दिल्ली की टीम में चयन में धांधली के आरोप लगे थे जिनमे सिद्धार्थ संयोजक नहीं थे। दानी ने कहा कि मैं बैठक से उठकर चला आया और यह चेतावनी भी दी कि अगर कोई भी गलत चयन हुआ तो इसका विरोध करूंगा। रात तक दानी को भी चयनित खिलाड़ियों की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई थी।

## विविध

## भारतीय डिजाइन संग्र हेल्मेट के लिए आइएसआइ मानक होंगे अनिवार्य

### निर्देश ► सड़क मंत्रालय ने हल्के व खुले हेल्मेट बनाने को कहा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

सरकार हेल्मेट के डिजाइन के साथ इनके निर्माण के मानक बदलने पर विचार कर रही है। भारतीय मानक ब्यूरो से नए मानक तैयार करने को कहा गया है। इसी के साथ गैस स्टोव की तरह गैर आइएसआइ हेल्मेट को बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सकती है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गठित समिति ने हेल्मेट के डिजाइन व मानकों में परिवर्तन की सिफारिश की है। समिति के अनुसार परिचयी डिजाइन और मानकों के आधार पर बने होने के कारण मौजूदा हेल्मेट भारत की सामाजिक व मौसमी स्थितियों से मेल नहीं खाते। ज्यादातर दोपहिया चालकों द्वारा कस्ट कितार्बे भी लिखी है। वह 'यथार्थ के स्वर' कविता संकलन के अलावा कानून से संबंधित आधा दर्जन पुस्तकें भी लिख चुके हैं।

### हेल्मेट की निर्माण क्षमता का अभाव

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

घटिया व नकली हेल्मेट की भरमार के कारण देश में अच्छे हेल्मेट निर्माण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं हो पाई है। ऐसे में यदि आइएसआइ मानक को अनिवार्य किया जाता है तो दुपहिया चालकों को ये हेल्मेट उपलब्ध करने में पांच-दस वर्ष का समय लग सकता है। हेल्मेट ब्रांड स्टील बर्ड के प्रबंध निदेशक राजीव कपर् के मुताबिक यदि आइएसआइ

**मौसम विशेष**
जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में आंशिक बादल छाए रहेंगे।दिन के तापमान में बढ़ोतरी तथा रात के तापमान में गिरावट संभव है।
पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में शुष्क तथा तेज हवाएं चलने के आसार हैं।सुबह धुंध के साथ सुहावनी रहेगी।

नेमार की तुलना मेसी या रोनाल्डो से करना ठीक नहीं। मेरी नजर में मेस श्रेष्ठ हैं लेकिन बीते चार महीनों के खेल के लिहाज से नेमार बेहतरीन है।
–टिटो, कोच, ब्राजील राष्ट्रीय फुटबॉल टीम



### बीसीसीआइ ► एसजीएम में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे पूर्व अध्यक्ष

## श्रीनिवासन को लेकर मचा बवाल

प्रकार किया जाए। माना जा रहा है कि श्रीनिवासन प्रदेश इकाइयों में अपने नाम की सिफारिश के लिए काफी लॉबािंग कर रहे हैं। वहीं सीओए ने आदेश दिया कि लोढ़ा समिति के सुझावों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। नियमों के मुताबिक, श्रीनिवासन बैठक में भाग नहीं ले सकते। अगर वह

भाग नहीं लेते हैं तो अपने करीबी संयुक्त सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी के जरिये दबदबा बना सकते हैं।

प्रशासक ब्रिकमजीत सेन के अधीन आने वाली दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने इस बैठक में भाग लेने से

## भारत ने विश्व ग्रुप प्ले ऑफ में बनाई जगह

इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, ‘मैं एसजीएम में शिरकत नहीं कर रहा हूँ और कोई भी कारण मेरे फैसले को नहीं बदल सकता। हालांकि प्रशासकों की समिति (सीओए) ने इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट से निर्देश मांगे हैं।

कई प्रदेश संघ श्रीनिवासन के नाम पर एतगज कर सकते हैं। यह भी देखना होगा कि कितने प्रदेश संघ बैठक में भाग लेंगे हैं। विदर्भ क्रिकेट संघ पहले ही लोढ़ा समिति के सुझाव लागू कर चुका है और वह एतराज कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बंगाल क्रिकेट संघ का रुख कैसा होगा जिसके अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव अभिषेक डालमिया हैं। प्रदेश इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ‘श्रीनिवासन और उनके करीबियों के पास खोने के साथी वालटेरी वोल्टास क्वालीफाईंग रस में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि विटेल की

## लुइस हैमिल्टन को चाइनीज ग्रां प्रि के लिए पोल पोजिशन

**शंघाई, आइएनएस** : मर्सिडीज के ब्रिटिश ड्राइवर लुइस हैमिल्टन ने शनिवार को यहां होने वाली फांलूला वन चाइनीज ग्रां प्रि के लिए पोल पोजीशन हासिल की है। वह रविवार को होने वाली मुख्य रेस की शुरुआत सबसे आगे से करेंगे।

हैमिल्टन ने शनिवार को क्वालीफाईंग रेस में एक मिनट 31 मिनट 678 सेकंड का सबसे तेज समय निकाला और मुख्य रेस के लिए ग्रीड पर पहला स्थान हासिल किया।हैमिल्टन ने लगातार छठी बार पोल पोजीशन हासिल की है।हैमिल्टन ने कहा, ‘मैं लैप से बहुत खुश हूँ। आखिरी कॉर्नर पर मुझे थोड़ी परेशानी हुई लेकिन मैंने पहले स्थान पर आने के लिए उचित दूरी तय कर रखी थी।’ फेनरी टीम के सर्वास्ट्रिटयन विटेल दूसरे स्थान से रेस की शुरुआत करेंगे।हैमिल्टन के साथी वालटेरी वोल्टास क्वालीफाईंग रस में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि विटेल की



पोल पोजीशन हासिल करने के बाद हैमिल्टन।

टीम के सदस्य और पूर्व विश्व चैंपियन किमी राइकोनेन ने चौथा स्थान हासिल किया। रेड बुल के ड्राइवर वल रिकार्डो पांचवें स्थान पर रहे।

## भारत ने विश्व ग्रुप प्ले ऑफ में बनाई जगह

### डेविस कप : रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम की जोड़ी ने भी जीता डबल्स मुकाबला

**बेंगलुरु, प्रे्ट** : रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने शनिवार को यहां एशिया-ओसियाना जोन ग्रुप-1 डेविस कप मुकाबले के दूसरे दिन भारत को उज्बेकिस्तान के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने सितंबर में होने वाले विश्व ग्रुप प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया। हालांकि इस मुकाबले के लिए भारत का प्रतिद्वंद्वी अभी तय नहीं हुआ है। इसका फैसला लंदन में ड्रा के बाद किया जाएगा।

बोपन्ना और डेविस कप में पदार्पण करने वाले श्रीराम की भारतीय जोड़ी ने डबल्स मुकाबले में उज्बेकिस्तान के फारूख दुस्तोव और संजार फायजीव की जोड़ी को 6-2, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। उज्बेकिस्तान को मुकाबले में बने रहने के लिए हर सूरत में डबल्स मैच जितना था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले शुक्रवार को रमकुमार रामनाथन और प्रजनेश गुणेश्वरन ने दोनों सिंगल्स मुकाबलों में क्रमशः तैमूर इस्माइलोव और फायजीव को आसानी से हराकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई थी। शुक्रवार के रिवर्स सिंगल्स मुकाबले अब महज औपचारिकता रह गई है, क्योंकि इस्फाक नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और यह वेस्ट ऑफ थ्री सेट के होंगे।

चौथी बार प्ले ऑफ में : भारत ने लगातार चौथी बार विश्व ग्रुप प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई

किया। पिछले तीन बार प्ले ऑफ में वह शीर्ष टीम सर्बिया से (2014, बेंगलुरु), चेक गणराज्य (2015, दिल्ली) और स्पेन (2016, दिल्ली) से हार गया था। टीम के कप्तान के रूप में यह महेश भूपति की शानदार शुरुआत

किया। पिछले तीन बार प्ले ऑफ में वह शीर्ष टीम सर्बिया से (2014, बेंगलुरु), चेक गणराज्य (2015, दिल्ली) और स्पेन (2016, दिल्ली) से हार गया था। टीम के कप्तान के रूप में यह महेश भूपति की शानदार शुरुआत

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल :

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिण्डर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।



## इधर उधर की

## पूरा मोबाइल टावर ही चुरा ले गए

ओटावा, एजेंसी : कनाडा के विनीपेग शहर में पिछले दिनों चोरी की एक घटना ने पूरे शहर को हैयन कर दिया। यहां के एगलेक क्षेत्र में चोरों ने रातोंरात 20 मीटर ऊंचा मोबाइल टावर ही गायब कर दिया। साथ में उपकरण भी ले गए। अगले दिन जब इलाके के मोबाइल सिग्नल सिग्नल न मिलने के चलते ठप हो गए, तो छानबीन करने पहुंचे मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनी के अधिकारियों के होश उड़ गए। जहां पहले 20 मीटर ऊंचा यह टावर था, वहां अब समतल जमीन दिख रही थी। चोरी की रिपोर्ट लिखाई गई। जांच में पता चला कि कुछ लोगों ने उस इलाके में एक ट्रक देखा था, जिसमें कुछ लोग टावर के हिस्सों को लेकर जा रहे थे। अब पुलिस इन चोरों की तलाश में जुटी हुई है



## शोध अनुसंधान

## टीके की क्षमता बढ़ा सकता है खास प्रोटीन



वैज्ञानिकों ने टीकाकरण को ज्यादा प्रभावी बनाने वाले प्रोटीन की पहचान की है। यह कैसर जैसी बीमारियों से बचाव में भी सहायक होगा। अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया नीसेरिया मेनिजाइटिस की बाहरी सतह पर इस प्रोटीन को खोजा। आमतौर पर कोई टीका दो तरह से काम करता है। इससे शरीर में एंटीबॉडी का उत्पादन बढ़ जाता है या टीका कोशिकाओं को सीधे खतरनाक अवयवों को मारने के योग्य बनाता है। नया खोजा गया प्रोटीन पीओआरबी दोनों करने में सक्षम है। प्रोफेसर ली वेजलर ने कहा, 'अध्ययन से यह बात पुख्ता हुई है कि कैसे कोई टीका शरीर को प्रतिरोगी क्षमता के सहायक की तरह काम करता है। पीओआरबी के साथ बना एंटीजेन बाहरी और लसिका ऊतकों में ऐसी गतिविधि को प्रोत्साहित करता है, जो विभिन्न संक्रमण वाली बीमारियों से रक्षा में सहायक है। इससे कैसर जैसी बीमारियों का विकास भी रकता है।' -प्रेट्र

## कोशिकाओं की उम्र बढ़ाने वाले प्रोटीन की पहचान



वैज्ञानिकों ने ऐसे प्रोटीन की खोज की है, जो कोशिकाओं की उम्र बढ़ा देता है। इससे प्रत्यारोपित अंगों के ज्यादा समय तक टिकने और कैसर के इलाज का नया रास्ता मिल सकता है। अमेरिका के सेंट जूड चिल्ड्रेंस रिसर्च हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने ऐसे प्रोटीन की खोज की है जो क्षतिग्रस्त या संक्रमित कोशिकाओं को मारने की प्रक्रिया नेक्रोपोसिस को धीमा कर देता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रोटीन एमएलकेएल नेक्रोपोसिस की प्रक्रिया को शुरू करता है। वहीं प्रोटीन ईएससीआरटी-3 इस प्रक्रिया को धीमा करने की क्षमता रखता है। इस प्रक्रिया के धीमा होने से मरती हुई कोशिकाओं का संदेश भेजने का समय मिल जाता है। कोशिकाओं के मरने की प्रक्रिया को धीमा करके कोशिकाओं को प्रत्यारोपित अंग को स्वीकार करने का ज्यादा समय दिया जा सकता है। इसकी मदद से कैंसर कोशिकाओं के कारण अन्य स्वस्थ कोशिकाओं की मौत को भी रोकता जा सकता है। -प्रेट्र

## नासा के पहले अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा



1959 में आज ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने पहले सात अंतरिक्ष यात्रियों के नाम घोषित किए। इनमें स्कॉट कारपेंटर, गॉर्डन कूपर, जॉन ग्लेन, गुस ग्रिसम, वैली ग्रेग, एलन शेफर्ड और डेक स्लैटन शामिल थे। मरकरी अंतरिक्ष अभियान के लिए बुने गए इन लोगों को मरकरी-7 भी कहा जाता है।

## सीख ► वन्यक्षेत्र में टकराव टालने का सार्थक प्रयास

## मानव-गुलदार की दुश्मनी दूर करेगा महाराष्ट्र मॉडल

## टिहरी के कस्तल व पौखाल में शुरू लिविंग विद लेपर्ड फार्मूला

## अनुसंग उनियाल, नई टिहरी

मुंबई के संजय गांधी नेशनल पार्क में सफल रहा 'लिविंग विद लेपर्ड' फार्मूला अब उत्तराखंड में भी आकार लेने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत टिहरी जिले के कस्तल व पौखाल गांव में इसे लागू किया गया है। इसके तहत न सिर्फ गुलदार और मानव के बीच दुश्मनी खत्म करने के प्रयास होंगे, बल्कि दोनों साथ-साथ कैसे रहे इस पर विशेष फोकस रहेगा।

महाराष्ट्र वन विभाग के सहयोग से तितली ट्रस्ट और उत्तराखंड वन महकमा ग्रामीणों को यह परिशिक्षण देना। 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखंड में मानव और गुलदार संघर्ष चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। आए दिन किसी न किसी क्षेत्र में गुलदार के हमले की घटनाएं सुर्खियां बनती हैं। अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि सूबे में वन्यजीवों के हमलों में 80 फीसद से अधिक घटनाएं गुलदारों की हैं।

इस संघर्ष में मानव और गुलदार दोनों को ही जान देकर कीमत चुकानी पड़ रही है। इस जंग को थामने की दिशा में वन महकमा अब



## कोल्डी में भी यह फार्मूला

पौड़ी जिले के कोल्डी गांव में भी महाराष्ट्र मॉडल अपनाये की तैयारी है। डीएफओ गढ़वाल रमेश चंद्रा ने बताया कि कोल्डी गांव भी गुलदार प्रभावित है। वहां भी ठीक वैसे ही कदम उठाए जाएंगे।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत यहां महाराष्ट्र मॉडल की धरातल पर उतार रहा है। इसके लिए टिहरी जिले में गुलदार प्रभावित कस्तल व पौखाल गांव चुने गए हैं। प्रारंभिक चरण में गुलदार संरक्षण पर कार्य कर रही संस्था तितली ट्रस्ट के सहयोग से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि गुलदार हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र का अहम हिस्सा हैं। थोड़ी सी सतर्कता बरतने पर हम उससे बच सकते हैं। तितली ट्रस्ट के संजय सांघी ने कहा कि गुलदार हमारा दुश्मन नहीं है। थोड़ी सूझबूझ से इसान गुलदार के साथ-साथ बिना किसी ही जान देकर कीमत चुकानी पड़ रही है। इस जंग को थामने की दिशा में वन महकमा अब

## ये उठाए जाएंगे कदम

## ग्रामीणों को करेंगे जागरूक

## बताएंगे बचने के तीर तरीके

## जानवरों के व्यवहार के बारे में जानकारी

## बच्चे होंगे चाइल्ड एव्रेसडर

## बनेगी रैपिड रेस्पॉस टीम

## वन सीमा पर लगनेवा नायलॉन की रस्सी का जाल

सूचना विभाग को दें। पदचिह्नों के आधार पर उसके रूट पर नजर रखें, ताकि रस्सकू में मदद मिल सके है।

**क्वा है महाराष्ट्र मॉडल :** महाराष्ट्र में संजय गांधी नेशनल पार्क से सटे क्षेत्रों में गुलदारों ने नाक में दम किया हुआ था। इसे देखते हुए वहां गुलदारों के साथ रहने का फार्मूला लागू किया गया। इसके तहत लोगों को जागरूक करने के साथ ही गांवों में रैपिड रेस्पॉस टीम गठित की गई। इन टीमों को गुलदार को भगाने व पकड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से ये कदम रंग आए और वहां गुलदार के हमलों की घटनाओं में खासी कमी आ गई। इसे ही महाराष्ट्र मॉडल कहा जाता है।

## धरती के करीब से गुजरनेवा विशाल क्षुद्रग्रह

**वाशिंगटन, प्रेट्र :** एक बड़ा क्षुद्रग्रह (एस्टरॉयड) 19 अप्रैल को धरती के करीब से गुजरेगा। इसकी धरती से न्यूनतम दूरी 18 लाख किलोमीटर रहेगी। एक बड़े आकार के क्षुद्रग्रह के हिसाब से यह बेहद कम दूरी है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि 2014 में अमेरिका के एरिजोना में कैटेलिना स्कॉर्ड सर्वे के दौरान खोजे गए इस क्षुद्रग्रह का नाम 2014 जेओ25 है। इसके एक सिरे से दूसरे तक की लंबाई करीब 650 मीटर है। इसकी सतह चांद की तुलना में दोगुनी ज्यादा चमकीली है।

वैज्ञानिकों ने बताया कि धरती के करीब से गुजरते हुए इसकी दूरी धरती और चांद की दूरी से करीब चार गुना होगी। यह एक से दो रात तक आसमान में चमकता दिखाई देगा। बाद में धीरे-धीरे धरती से इसकी दूरी बढ़ती जाएगी और इसका दिखाई देना बंद हो जाएगा।

वैज्ञानिकों ने बताया कि छोटे क्षुद्रग्रह इस दूरी से अक्सर गुजरते रहते हैं, लेकिन इसके बड़े आकार के कारण यह महत्वपूर्ण है। 2027 में 800 मीटर आकार वाला क्षुद्रग्रह 1999 एएम10 सिर्फ चांद जितनी दूरी (करीब 3.80 लाख किमी) से गुजरेगा।



## गैंडे को श्रद्धांजलि

दुनिया में जहां आदमी-आदमी का दुश्मन बन रहा है, वहीं फ्रांसीसी वॉकलेट निर्माता परिक थेवन्ट ने तस्करों के हाथों मारे गए लुप्तप्राय प्रजाति के सफेद गैंडे के लिए वॉकलेट का गैंडा तैयार किया है। पेरिस के उपनगर नोर्गेट-सुर-मार्ने में वॉकलेट के इस गैंडे का वजन 180 किलो है। उल्लेखनीय है कि हथियारबंद तस्करों ने इसकी जाएगी और इसका दिखाई देना बंद हो जाएगा।

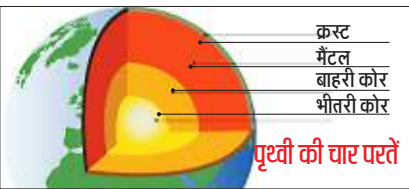
एएफपी

## पृथ्वी को समझने के लिए मॉडल को खंगालने की तैयारी

पृथ्वी की संरचना और उत्पत्ति को समझने के लिए जापानी शोधकर्ता अब पृथ्वी की दूसरी परत मॉडल तक पहुंचने की योजना बना रहे हैं। अगर वे सफल होते हैं, तो यह पहली बार होगा। इसके जरिये मॉडल में मौजूद तत्वों को जाना और समझा जाएगा। इससे भूकंप जैसी बड़ी प्राकृतिक आपदाओं के बारे में गहन जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इस साल सितंबर में इस संबंध में शोध शुरू हो जाएगा और खोदाई 2030 में शुरू करने की योजना है।

## सितंबर में शुरू होगा शोध

आगामी सितंबर में शोधकर्ता अपना शोध शुरू करेंगे। इसके लिए हवाई द्रव्य, मैक्सिको या कोस्टा रिका के समुद्री क्षेत्र में से किसी एक क्षेत्र को चुना जाएगा, जहां क्रस्ट की मोटाई सबसे कम है।



पृथ्वी की चार परतें

2,900 किमी मॉडल की मोटाई

900-4,000 डिग्री सेल्सियस-मॉडल का औसत तापमान

84% पृथ्वी के कुल भार में मॉडल की हिस्सेदारी



## जापानी शोधकर्ता करेंगे शोध

यह शोध जापान एजेंसी फॉर मरीन-अर्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जेएफएमएसटीईसी) के शोधकर्ता अंजाम देगे। चूंकि जापान में सालाना बड़ी संख्या में भूकंप आते हैं, इसलिए इस शोध से उनके बारे में जानने में भी मदद मिलेगी। मॉडल में ही पृथ्वी की प्लेटों की गतिविधि होती है। जिससे भूकंप उत्पन्न होते हैं।

## पहली भी हुई कोशिशें

1961 में मॉडल तक पहुंचने की पहली कोशिश हुई। 2005 में दूसरी और 2007 में तीसरी कोशिश हुई। लेकिन तीनों ही बार शोधकर्ता विफल रहे।

## चीफू करेगा खोदाई

खोदाई के लिए चुने गए उपयुक्त स्थान पर जापानी ड्रिलिंग शिप चीफू के जरिये 2030 से खोदाई की जाएगी। इसके बाद उसके नमूने लेकर उपर शोध होगा। इसके जरिये समुद्र तल से सात किमी नीचे तक खोदाई की जा सकती है। इतने नीचे क्रस्ट और मॉडल कम मोटी होती है।



## चीन को क्यों है गधों की जरूरत

गधों की चमड़ी को गलाकर जिलेटिन तैयार किया जाता है। चीन की अधिकांश दवाओं में जिलेटिन काम आता है। यही कारण है कि चीन में गधे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। अभी तक नाइजर और बुर्किना फासो गधे की आपूर्ति रहे थे। अब दोनों देशों ने पशुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

**चीन में उत्पन्न हुआ संकट :** चीन में पशुओं के सालाना आंकड़े में दर्शाया गया है कि 1990 के दशक में देश में एक करोड़ 10 लाख गधे थे। यह आबादी घटकर 60 लाख रह गई है। आंकड़ों के मुताबिक, चीन में सालाना तीन लाख गधे कम होते जा रहे हैं।



है। उसे इससे बड़े राजस्व प्राप्ति की उम्मीद है। गधा निर्यात योजना से संबंधित दस्तावेज के मुताबिक, परियोजना में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। गधा पालकों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। इससे प्रांत में गधा पालकों की सामाजिक और आर्थिक दशा में सुधार आएगा।



## फिल्म रिव्यू

## पछताने वाला लड्डू



## लाली की शादी में लड्डू दीवाना

निर्देशक : मनीष हरिशंकर

मुख्य कलाकार : अक्षरा हासन, विवान शाह, गुर्मीत चौधरी, सौरभ शुक्ला

अवधि : 138 मिनट

आज प्यार को मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने की राह में ढेरों चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती है अरमान पूरे करने की खातिर कोई भी तरीका अख्तियार करने की प्रवृत्ति। यह प्रवृत्ति युवाओं को रिश्तों की अहमियत समझने से रोकती है। निर्देशक मनीष हरिशंकर की मुख्य कोशिश 'लाली की शादी में लड्डू दीवाना' के जरिये इस पहलू को बहुपरतीय पड़ताल करने की थी, पर उन्हें इस प्रयास में विफलता हाथ लगी है। वे न अपने गुर्मीत राजकुमार संतोषी की हल्की-फुल्की फिल्मों की विरासत को आगे बढ़ा पाए, न डेविड धवन-सी माइंडलेस पर यकीनी कॉमेडी दे सके।

इस फिल्म पर गुजरे दशकों में आई फिल्मों की छाप दिखती है। मसलन, लड्डू (विवान शाह) और लाली (अक्षरा हासन) जिस तरीके से अपने खवाबों को पूरा करना चाहते हैं, वह 'अंदाज अपना अपना' में जाहिर हो चुका है। नायक-नायिका एक-दूसरे को अमीर समझकर प्रेम की पाँपों बढ़ाते हैं, जबकि असलियत कुछ और है। यहां लड्डू व लाली के साथ वही होता है। किस्मत साथ देती है। बांस मंदीप सिंह (रवि किशन) के चलते लड्डू अच्छा कमाने लगता है। लाली से सगाई कर लेता है। यहां उनकी जिंदगी अहम मोड़ पर उनका स्वागत कर रही है। लाली गर्भवती हो जाती है, पर करियर में काफी कुछ करने के इरादे से लड्डू फिलवक्त शादी करने से मना करता है। बिनब्याही मां



वाला प्लॉट 'क्या कहना' में था। खैर, लड्डू लड्डू की अपनी जिंदगी से बेदखल कर लाली को अपनी बेटी मान लेते हैं। लाली की शादी कहीं और करने लगते हैं। एक हद तक ऐसा 'हम हैं राही प्यार के' में दिखा था, जहां बाप अपनी ही बेटी को घर छोड़कर पसंद के लड़के से शादी करने को कहता है।

बहरहाल, लाली की जिंदगी के इस मोड़ पर वीर कुंवर सिंह (गुर्मीत चौधरी) की एंट्री होती है। वह गर्भवती लड़की से भी शादी करने को राजी है। लाली का ख्याल उसी तरह रखता है, जैसा अजय देवगन के किरदार ने 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय बच्चन का रखा था। उधर, लाली के पिता (सौरभ शुक्ला) लड्डू को गोद ले चुके हैं। वे प्रायश्चित्त करने के इरादे से आए लड्डू को फिर से लाली से मिलवाना चाहते हैं। इस काम में लड्डू के मार्गदर्शक कबीर भाई (संजय मिश्रा) पूरा साथ देते हैं। फिल्म में कलाकारों की फौज है। लड्डू व लाली की मांओं की भूमिका खानापूर्ति-सी

है। संजय मिश्रा अपने हाजिरजवाब अंदाज से कबीर भाई को दिलचस्प बना गए हैं। दर्शन जरीवाल 'अजब प्यार की गजब कहानी' वाले शिवशंकर शर्मा की तरह अपनी ओलाद के प्रति खासे चिंतित पिता लगे हैं। अक्षरा हासन खूबसूरत लगती हैं, पर अत्यवगी पर उन्हें अतिरिक्त रियाज की जरूरत है।

सौरभ शुक्ला की अदाकारी से हैरानी हुई है। पियक्कड़ पिता की भूमिका के साथ वे न्याय नहीं कर पाए। यह उनके अब तक के करियर की सबसे कमजोर परफॉर्मेंस कही जाएगी। मंदीप सिंह के रोल में रवि किशन का कैमियो है। विवान शाह और गुर्मीत चौधरी भी बेअसर हैं।

इन सबके बीच गीत-संगीत ने अपनी मौजूदगी दर्ज की है। हालांकि जरूरत से ज्यादा गानों ने फिल्म की गति बाधित ही की है। ऊपर से निर्देशक मनीष हरिशंकर को उम्दा एडिटर का साथ भी नहीं मिला है। नतीजतन यह फिल्म सीरियल का एहसास ज्यादा देती है।

अमित कर्ण

## वर्कप्लेस का फ्री वर्जन लाएगा फेसबुक

**न्यूयॉर्क, आइएनएस :** कर्मचारियों के बीच आपसी बातचीत और फाइल साझा करने के लिए इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर स्लैक को फेसबुक की ओर से चुनौती मिलने वाली है। फेसबुक ने अपनी इसी तरह की मैसेजिंग सेवा वर्कप्लेस का नि:शुल्क संस्करण लाने की घोषणा की है।

वर्कप्लेस को विभिन्न कार्यालयों में इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। कर्मचारियों के बीच चैटिंग और फाइल शेयर के लिए इस्तेमाल होने वाली सर्विस में वर्कप्लेस की अपनी पहचान है। फेसबुक ने पिछले साल इस सेवा को शुरू किया था। यह सफल सेवा है। अब कंपनी इसका फ्री वर्जन लाने जा रही है।

## स्क्रीन शॉट

## नरगिस और इमरान में बढ़ रही नजदीकियां

नरगिस फाखरी और पाकिस्तानी अभिनेता इमरान अब्बास इन दिनों काफी नजदीक आ गए हैं। दुबई में एक प्रोजेक्ट पर काम करते हुए ये दोनों कलाकार शूटिंग के अलावा कुछ वक्त अकेले भी गुजार रहे हैं। ऐसा वे दोनों केवल काम के सिलसिले में कर रहे हैं या इसके अलावा भी कुछ है, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों के बीच की

नजदीकियां काम से ज्यादा हैं। उल्लेखनीय है कि इमरान अब्बास हाल ही में करण जोहर निर्देशित फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' में लीजा हेडन के अपोजिट नजर आए थे, जबकि नरगिस फाखरी हाल ही में 'डिस्मू' और 'बैजो' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। हालांकि दोनों ही फिल्मों से नरगिस को कोई खास फायदा नहीं हुआ था।



-मिड-डे

## विद्या को 'बेगम जान' से हैं बहुत उम्मीदें



विद्या बालन को अपनी आने वाली फिल्म 'बेगम जान' से बहुत उम्मीदें हैं। विद्या को भरोसा है कि उनकी आने वाली इस फिल्म से दर्शक एक जुड़ाव महसूस करेंगे और दर्शकों को पसंद आएगी। विद्या कहती हैं, 'मैंने अपनी हर फिल्म में एक ऐसी कहानी कहने की कोशिश की है, जो लोगों के लिए अनुसूची और कुछ अलग हो। इस बार 'बेगमजान' के माध्यम से भी कुछ ऐसा ही प्रयास है। मैं इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूँ। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर

## अलका ने रिकॉर्डिंग के वक्त आमिर को कर दिया था बाहर

अलका याज्ञनिक का कहना है कि फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान उन्होंने फिल्म के अभिनेता यानी आमिर खान को कमरे से बाहर निकाल दिया था। बॉलीवुड की शीर्ष गायिकाओं में एक अलका जल्द ही शो 'माई लाइफ माई स्टोरी' में अपनी जिंदगी के दिलचस्प किस्से सुनाने वाली हैं, जिसमें से सबसे दिलचस्प किस्सा आमिर खान से जुड़ा हुआ है। अलका बताती हैं, 'मैं उस दिन 'कयामत से कयामत तक' के गाने 'गजब का है दिन' की रिकॉर्डिंग कर रही थी, तभी मेरा ध्यान एक हॉटसम लड़के पर गया, जो कोने में बैठकर यही गाना गुनगुना रहा



था। उस वक्त तो आमिर को कुछ नहीं कहा, लेकिन जब रिकॉर्डिंग शुरू हो रही थी तो मैं गया, जो कोने में बैठकर यही गाना गुनगुना रहा

## रजनीकांत अपने प्रशंसकों से नहीं मिलेंगे

सुपरस्टार रजनीकांत ने अपने फैन्स के साथ इस महीने होने वाली मुलाकात टाल दी है। अभिनेता अपने फैन्स से 12 और 16 अप्रैल को मिलने वाले थे। इस दौरान उनके फैन्स उनके साथ फोटो खिंचावा सकते थे, लेकिन अब ऐसा संभव नहीं होगा। अभिनेता ने बताया कि प्रशंसकों ने उनके साथ अकेले-अकेले तस्वीर लेने का आग्रह किया था, जिसके लिए ज्यादा समय की जरूरत थी। इसी के चलते उन्होंने अपने और फैन्स के बीच होने वाली इस मुलाकात को स्थगित कर दिया है। रजनीकांत ने एक ऑडियो संदेश के माध्यम से यह जानकारी अपने फैन्स को दी। अपने प्रशंसकों को दिए गए ऑडियो संदेश में उन्होंने कहा,

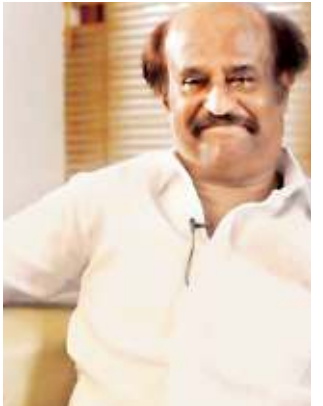


'मेरे प्यारे प्रशंसकों, आपके लिए मेरे पास एक सूचना है। हम लोगों को मिले और तस्वीरें लिए 10 साल होने जा रहे हैं। आप लगातार मिलने और तस्वीरें खिंचने का आग्रह कर रहे हैं। मैं समय नहीं निकाल सकता था, इसलिए मैं आपसे मिलने में अक्षम था। लेकिन मैंने आप लोगों से मिलने की योजना 12-16 अप्रैल के बीच बनाई थी।' उन्होंने कहा, 'हमने 1,800-2,000 लोगों को मिलने के लिए बुलाने का निर्णय लिया था। लेकिन हमने बाद में यह महसूस किया कि सभी के साथ इतने समय में तस्वीर लेना व्यावहारिक नहीं है और इसीलिए मैं यह मुलाकात स्थगित कर रहा हूँ।' -प्रेट्र

## प्रियंका ने नेशनल अवार्ड पापा को किया समर्पित

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी मराठी फिल्म 'वेंटीलेटर' को मिले नेशनल अवार्ड को अपने पापा को समर्पित किया है। प्रियंका के अनुसार, यह फिल्म उन्होंने अपने पापा के लिए बनाई है और जब फिल्म के खाते में इतनी बड़ी सफलता आई तो वह काफी इमोशनल हो गई हैं। उन्होंने अपने पापा का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गाना

गाते नजर आ रहे हैं। उनकी मम्मी भी बेटी हैं। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म 'वेंटीलेटर' को 3 नेशनल अवार्ड मिले। फिल्म का निर्माण प्रियंका चोपड़ा ने किया था। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड और अब क्षेत्रीय सिनेमा में भी हाथ आजमा रही हैं। वह एक पंजाबी फिल्म भी प्रोड्यूस कर रही हैं। -प्रेट्र



## तंगी का असर

## आर्थिक तंगी से बेहाल पाकिस्तान खजाने में रकम लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है



भले ही गुस्से या व्यंग्य में किसी को गधा जाए, लेकिन यह जानकर हैरत होगी कि हमारा पड़ोसी मुल्क अपने अजीज दोस्त के लिए इसी चीपाया जानवर की फौज तैयार करने जा रहा है। जी हां पाकिस्तान अब चीन के लिए गधा पालन केंद्र शुरू करेगा। क्योंकि चीन गधों के लिए बेहद परेशान है। चीन की अधिकांश दवाओं में गधे की चमड़ी से तैयार जिलेटिन का इस्तेमाल होता है।

चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीटीए) पर बीजिंग करीब 50 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है। इतने बड़े निवेश के लिए पाकिस्तान हर हाल में कुछ भी करने को तैयार है। इसीलिए उसने अपने यहां गधा प्रजनन की तैयारी शुरू कर दी है।

पाकिस्तान ट्रिव्यून के मुताबिक, खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार अपने यहां गधों की फौज तैयार करने के लिए परियोजना लाएगी। एक अरब डॉलर की खैबर-पख्तूनख्वा चीन स्थायी गधा विकास परियोजना को पाकिस्तान लाभकारी मान रहा

## तंगी का असर

## आर्थिक तंगी से बेहाल पाकिस्तान खजाने में रकम लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है



भले ही गुस्से या व्यंग्य में किसी को गधा जाए, लेकिन यह जानकर हैरत होगी कि हमारा पड़ोसी मुल्क अपने अजीज दोस्त के लिए इसी चीपाया जानवर की फौज तैयार करने जा रहा है। जी हां पाकिस्तान अब चीन के लिए गधा पालन केंद्र शुरू करेगा। क्योंकि चीन गधों के लिए बेहद परेशान है। चीन की अधिकांश दवाओं में गधे की चमड़ी से तैयार जिलेटिन का इस्तेमाल होता है।

चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीटीए) पर बीजिंग करीब 50 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है। इतने बड़े निवेश के लिए पाकिस्तान हर हाल में कुछ भी करने को तैयार है। इसीलिए उसने अपने यहां गधा प्रजनन की तैयारी शुरू कर दी है।

पाकिस्तान ट्रिव्यून के मुताबिक, खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार अपने यहां गधों की फौज तैयार करने के लिए परियोजना लाएगी। एक अरब डॉलर की खैबर-पख्तूनख्वा चीन स्थायी गधा विकास परियोजना को पाकिस्तान लाभकारी मान रहा

## तंगी का असर

## आर्थिक तंगी से बेहाल पाकिस्तान खजाने में रकम लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है



भले ही गुस्से या व्यंग्य में किसी को गधा जाए, लेकिन यह जानकर हैरत होगी कि हमारा पड़ोसी मुल्क अपने अजीज दोस्त के लिए इसी चीपाया जानवर की फौज तैयार करने जा रहा है। जी हां पाकिस्तान अब चीन के लिए गधा पालन केंद्र शुरू करेगा। क्योंकि चीन गधों के लिए बेहद परेशान है। चीन की अधिकांश दवाओं में गधे की चमड़ी से तैयार जिलेटिन का इस्तेमाल होता है।